RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:276। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (गुरुवार) 28 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

देश के हर जरूरतमंद तक समय पर खाद्यान्न पहुंचे, इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : पीएम मोदी

'सरकार चाहती है कि खाद्यान्न की अंतिम व्यक्ति तक डिलीवरी बेहतर हो'

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को ज्यादा आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए सरकार की बड़ी पहल का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि सरकार देश के हर जरूरतमंद तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'देश के हर जरूरतमंद तक पीडीएस के माध्यम से समय पर खाद्यान्न पहुंचे, इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सार्थक पीडीएस को ज्यादा आधुनिक और प्रभावी बनाकर जारी रखने का

फैसला किया गया है। इससे पीडीएस से होने वाली डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और बेहतर बनेगी, साथ ही शिकायतों के समाधान में भी तेजी आएगी।' प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) ने 'सार्थक-पीडीएस' योजना को अगले पांच वर्षों तक जारी रखने को मंजूरी दी है। इस योजना पर केंद्र सरकार करीब 25,530 करोड़ रुपए खर्च करेगी। यह राशि 16वें वित्त आयोग की अवधि के दौरान केंद्र की हिस्सेदारी के रूप में दी जाएगी।

- **राशन व्यवस्था में होने वाली गड़बड़ियां कम हों, और पूरे सिस्टम में पारदर्शिता बढ़े। यह योजना 31 मार्च 2031 तक लागू रहेगी।**

सरकार ने दो बड़ी योजनाओं को मिलाकर इस नई व्यापक योजना का ढांचा तैयार किया है। इनमें पहली योजना 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत राज्यों को खाद्यान्न के राज्य के भीतर परिवहन और फेयर प्राइस शॉप (एफपीएस) डीलरों के मार्जिन के लिए सहायता' और दूसरी 'स्मार्ट पीडीएस' योजना शामिल है। अब इन दोनों को मिलाकर 'सार्थक-पीडीएस' के रूप में लागू किया जाएगा।

इस योजना का मकसद सिर्फ राशन पहुंचाना नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम को तकनीक आधारित और नागरिक-केंद्रित बनाना है।

कर्नाटक में इबोला का संदिग्ध मामला निगेटिव पाया गया : दिनेश गुंडूराव

- **बता दें कि एक 28 वर्षीय महिला युगांडा से बेंगलुरु पहुंची थी।**

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने बुधवार को इबोला वायरस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राज्य में इबोला वायरस से जुड़ा मामला सामने आया था लेकिन राहत की बात यह रही कि जांच में इसकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। साथ ही, उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जांच के बाद अभी तक किसी के भी इबोला वायरस से संक्रमित होने की जानकारी सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा, 'राज्य में जांच के बाद इबोला वायरस से जुड़ी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि जिस व्यक्ति के इबोला वायरस से संक्रमित होने की बात कही जा रही थी, उसकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। ' उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से जारी किए गए नियमों का सख्ती से पालन किया जाए।

स्वास्थ्य विभाग मौजूदा स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए हैं। इसके इतर, स्वास्थ्य विभाग लोगों के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा को देखते हुए हर प्रकार का कदम उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग मौजूदा समय में स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए हैं। विभाग लोगों की सुरक्षा को देखते हुए हर प्रकार के जरूरी निर्णय लेने के लिए तैयार है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें बिल्कुल भी घबराने की जरुरत नहीं है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वो स्वास्थ्य विभाग और सरकार की ओर से जारी दिशानिर्देशों का गंभीरतापूर्वक पालन करें। बता दें कि एक 28 वर्षीय महिला युगांडा से बेंगलुरु पहुंची थी। इबोला वायरस की जांच के बाद उसे आइसोलेशन में रहने का निर्देश दिया गया।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशानिर्देशों के बाद कर्नाटक स्वास्थ्य ने राज्यभर में निगरानी तेज कर दी है।

28 को मनाई जाएगी बकरीद

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने जारी की 12 सूत्रीय सलाह

एजेंसी

लखनऊ। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली और अयोध्या बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने बकरीद को शांति और सौहार्दपूर्वक मनाने की अपील की है। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा आईएएनएस से बातचीत में कहा, '28 मई को बकरीद (ईद-उल-जुहा) पूरे देश में बड़े उत्साह और धार्मिक परंपराओं के साथ मनाई जाएगी। कुर्बानी 28, 29 और 30 तारीख को होगी जबकि ईद की नमाज 28 मई को अदा की जाएगी। इस संबंध में इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया, लखनऊ ने ईद-उल-जुहा के लिए 12 सूत्रीय सलाह जारी की है और लोगों से अपने-

अपने राज्यों के नियमों और विनियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।' मौलाना ने कहा, 'लोगों से अपील की है कि नमाज ईदगाहों में ही अदा की जाए। ईदगाह समय से पहले पहुंचे, जिससे आगे जगह मिल सके। इसके अलावा कुर्बानी उन्हीं जानवरों को देने की सलाह दी गई है, जिन्हें कानून मान्यता दे। कुर्बानी करते समय सफाई का पूरा ध्यान रखें। जानवरों के अवशेषों को नगर निगम द्वारा की गई व्यवस्था के तहत नष्ट किया जाए, इधर-उधर न फेंका जाए। कुर्बानी करते समय फोटो और वीडियो न बनाएं और न ही ऐसे तथ्य सोशल मीडिया पर अपलोड किए जाएं। नमाज के बाद देश की तरक्की के साथ लू से बचाने की दुआएं की जाएं। ' इकबाल अंसारी ने सांप्रदायिक सद्भाव और शांतिपूर्ण बकरीद समारोह की अपील करते हुए कहा कि यह त्योहार त्याग, भाईचारे और सभी धर्मों के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

- **असम में यूसीसी बिल पास होने पर गृह मंत्री शाह बोले-**

समान कानून के लिए सरकार प्रतिबद्ध

'यूसीसी कानून राज्य के सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानूनी व्यवस्था लागू करेगा।'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित होने पर राज्य की जनता को बधाई दी। यह कानून विवाह, तलाक, अलगाव, उत्तराधिकार, संपत्ति के बंटवारे और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मामलों में सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी ढांचा तैयार करेगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने बुधवार को विधानसभा में यूसीसी विधेयक-2026 पारित करा लिया। इसके साथ ही असम, उत्तराखंड और गुजरात के बाद यूसीसी लागू करने वाला देश का तीसरा और पूर्वोत्तर का पहला राज्य बन गया है। विपक्ष की ओर से विधेयक को प्रवर समिति के पास भेजने की मांग और हंगामे के बावजूद इसे सदन से मंजूरी मिल गई। गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य सरकार और जनता को बधाई देते हुए कहा, 'इस अवसर पर मैं मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और इस विधेयक का समर्थन करने वाले सभी

विधायकों को बधाई देता हूं। '

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'असम की जनता को बधाई। समान नागरिक संहिता भाजपा की स्थापना के समय से ही उसका संकल्प रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा शासित राज्य हर नागरिक के लिए समान कानून स्थापित कर रहे हैं। '

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देशभर में कानून के समक्ष समानता के सिद्धांत को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी असम के मुख्यमंत्री को बधाई दी। सीएम धामी ने कहा कि असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून का पारित होना विकसित, समरस और सशक्त भारत की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड से निकली यूसीसी की धारा अब पूरे देश में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के समानता और न्याय आधारित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

गौरतलब है कि 2026 के असम विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने यूसीसी को अपने प्रमुख चुनावी वादों में शामिल किया था। इसी महीने राज्य मंत्रिमंडल की पहली बैठक में यूसीसी के मसौदे को मंजूरी दी गई थी।

ट्विशा शर्मा केस

29 मई तक सीबीआई हिरासत में पति समर्थ सिंह

एजेंसी

भोपाल। हाई-प्रोफाइल ट्विशा शर्मा केस में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मृतक मॉडल और अभिनेत्री के पति समर्थ सिंह को 29 मई तक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में सीबीआई की एंट्री के बाद जांच तेज हो गई है। 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अपने ससुराल में फांसी के फंदे पर लटकी मिली थीं। शुरुआती जांच में मामला संदिग्ध नजर आने पर परिवार ने पति और ससुराल वालों पर मानसिक प्रताड़ना, दहेज की मांग और लगातार उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद भोपाल पुलिस ने 15 मई को दहेज मृत्यु और क्रूरता से जुड़ी धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। ट्विशा का मॉडलिंग और एक्टिंग से

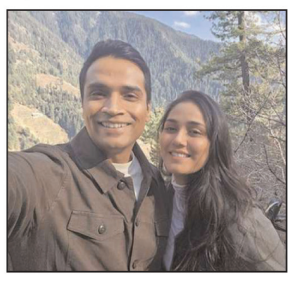

जुड़ा बैकग्राउंड होने की वजह से मामला जल्द ही राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया। इस बीच आरोपी समर्थ सिंह (वकील और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह का बेटा) घटना के बाद करीब 10 दिनों तक फरार रहा। बाद में समर्थ सिंह जबलपुर में सामने आया, जहां उसने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका वापस लेने के बाद सरेंडर करने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने साफ किया कि यह आत्मसमर्पण नहीं बल्कि गिरफ्तारी थी। उसे भोपाल कोर्ट में पेश किया गया, जहां शुरुआती पूछताछ में सहयोग न करने और कई अहम सवालों के जवाब न देने के आरोपों के चलते अदालत ने सात दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की थी। जांच एजेंसियों का कहना है कि ट्विशा की मौत वाले दिन समर्थ सिंह की गतिविधियों को लेकर कई सवाल अभी भी अनसुलझे हैं। पुलिस और सीबीआई दोनों उनकी लोकेशन, कॉल रिकॉर्ड, डिजिटल डेटा और वित्तीय लेनदेन की गहन जांच कर रही है। इसी बीच मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में जमानत याचिका पर भी सुनवाई जारी है, जिस पर सभी की नजर बनी हुई है। ट्विशा के परिवार ने शुरुआत से ही स्थानीय पुलिस की जांच पर सवाल उठाए थे और सीबीआई जांच की मांग की थी। अब परिवार को उम्मीद है कि केंद्रीय एजेंसी पूरे मामले की सच्चाई सामने लाएगी। आधिकारिक तौर पर सीबीआई की स्पेशल क्राइम यूनिट-III की टीम मंगलवार सुबह भोपाल पहुंची। दो महिला अधिकारियों समेत टीम ने कटारा हिल्स स्थित घर की छत का निरीक्षण किया।

ईडी ने पिनाराई विजयन के घर पर छापा मारा

- **सीपीआई (एम) ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया**

एजेंसी

पथानामथिट्टा। सीपीआई (एम) के नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन और उनके परिवार के सदस्यों के घर पर राज्य पुलिस द्वारा आठ घंटे तक की गई छापेमारी का विरोध जताया है। इसके साथ ही वाम लोकतांत्रिक मोर्चे के नेतृत्व में 28 मई की शाम को पथानामथिट्टा में जोरदार विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। वाम लोकतांत्रिक मोर्चे के राज्य स्तरीय नेता गुरुवार को शाम 4 बजे पथानामथिट्टा तक विरोध मार्च में भाग लेंगे। सीपीआई (एम) के नेताओं ने आरोप लगाया कि केरल के मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से मिलने दिल्ली आए थे और उन्होंने कांग्रेस पार्टी और भाजपा के बीच राज्य स्तर पर हुए समझौते के तहत जवाबी कार्रवाई की। वाम लोकतांत्रिक मोर्चे के पथानामथिट्टा जिला संयोजक एलेक्स कन्नमाला ने

कहा कि गुरुवार को होने वाला विरोध प्रदर्शन उन लोगों के लिए एक कड़ा संदेश होगा जो मानते हैं कि वामपंथ की ताकत कम हो गई है। इससे पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव एमए बेबी ने बुधवार को पिनाराई विजयन से जुड़े सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मामले में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। बेबी ने इस कार्रवाई को 'पिनाराई विजयन के खिलाफ जघन्य अपराध' बताया और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और केरल में उसके सबसे बड़े नेता को राजनीतिक रूप से निशाना बना रही है। उन्होंने कहा, ''इस छापेमारी का आधार केरल हाईकोर्ट का वह आदेश बताया जा रहा है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय की जांच जारी रखने की अनुमति दी गई थी, लेकिन वीणा विजयन हर बार जांच में सहयोग करती रही हैं।

पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के स्लीपर सेल से जुड़े चार आतंकी गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और एसटीएफ की सयुंक्त टीमों ने बुधवार को पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के स्लीपर सेल से जुड़े चार आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये अभियुक्त के सोशल मीडिया एवं वीडियो कॉलिंग के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। जांच में यह भी पता चला है कि ये लोग संवेदनशील स्थलों की रेकी, युवाओं को जोड़ने और आतंकी-विध्वंसक गतिविधियों की साजिश में शामिल

होने के तथ्य सामने आए हैं। उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था (एडीजी) अमिताभ यश ने बताया कि लगतार सूचनाएं मिल रही थी कि भारतीय युवाओं को भ्रमित कर एवं आर्थिक लाभ का प्रलोभन देकर एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत देश में सामाजिक सौहार्द, एकता, अखंडता, संप्रभुता एवं सुरक्षा को क्षति पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न राज्यों में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निर्देश पर पाकिस्तानी गैंगेस्टर शहजाद भट्टी एवं आबिद जट्ट के आतंकी नेटवर्क द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से स्लीपर सेल बनाने व आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उकसाने का कार्य किया जा रहा है। इस मामले को संज्ञान में लेने के बाद एटीएस एवं एसटीएफ टीम को सक्रिया किया और प्रदेश में लगभग 200 संदिग्धों को खंगाला गया, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण तथ्य मिले हैं। इसके आधार पर एटीएस ने चार अभियुक्त सहारनपुर जिले का रहन वाला महकाब, शाहरुख, मुजफ्फरनगर का रहने वाला गगनदीप उर्फ गुरी सिंह और उत्तराखंड निवासी मुशर्रफ को सहारनपुर से गिरफ्तार किया है।

प्री-मानसून बारिश 29 मई से 5 जून तक संभव

90फीसदी भारत कवर करेगी; केरल में नमी कम होने से अटका मानसून

एजेंसी

नई दिल्ली। तेज गर्मी से जूझ रहे देश के 80-90फीसदी हिस्से में 29 मई से 5 जून तक प्री-मानसून बारिश हो सकती है। यह बारिश इसलिए अहम है, क्योंकि मानसून अभी केरल नहीं पहुंचा है। यहां 14 तय स्टेशनों में लगातार दो दिन 2.5 द्वद्व बारिश होने पर मानसून पहुंचने का ऐलान किया जाता है।

मौसम विभाग ने 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया था, लेकिन यहां नमी कमजोर होने से मानसून आगे नहीं बढ़ पाया है। वहीं, दक्षिण-मध्य अरब सागर में चक्रवाती सर्कुलेशन से भी बादल कमजोर हुए हैं। यूरोप की मौसम एजेंसी यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स ने सैटेलाइट, समुद्री और वायुमंडलीय डेटा को मिलाकर भारत में 15 दिनों की बारिश का पूर्वानुमान निकाला है। इसमें अगले 8 दिनों में दक्षिण भारत, पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर और बंगाल की खाड़ी के इलाकों में ज्यादा बारिश के संकेत हैं।

अगले दो दिन की कहानी

28 मई

छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, ओडिशा, पंजाब, तेलंगाना और यूपी में हीटवेव का अलर्ट है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में गर्मी रहेगी। गुजरात और तमिलनाडु के कुछ

हिस्सों में गर्म और उमस भरा मौसम रह सकता है।हरियाणा, चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब में ओले गिरने के साथ आंधी-तूफान का अलर्ट। बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, पंजाब, यूपी समेत कई राज्यों में 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना।

29 मई

राजस्थान के कुछ हिस्सों में हीटवेव का असर जारी रह सकता है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, यूपी और मध्य भारत के कई इलाकों में गर्मी से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। गुजरात और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में गर्म और उमस भरा मौसम रह सकता है। हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में आंधी और कुछ जगह ओले गिरने का अलर्ट है। कई इलाकों में तापमान 3एष्ट से 7एष्ट तक गिर सकता है। बिहार, पश्चिम बंगाल, यूपी, पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों में 50-70 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और कुछ जगह हल्की बारिश की संभावना है।

पीएम मोदी से मिले तमिलनाडु के सीएम विजय, 12 साल बाद हुई मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात रही। दिल्ली में हुई इस अहम बैठक की जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा की। पीएमओ ने पोस्ट करते हुए लिखा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। हालांकि, विजय ने 12 साल पहले पीएम मोदी से मुलाकात की थी। बताया जा रहा है कि विजय की मुलाकात 2014 लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कोयंबटूर में हुई थी।सीएम विजय और पीएम मोदी की यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच 'मेकेदातु प्रोजेक्ट' को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। हाल ही में मुख्यमंत्री विजय ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखकर कर्नाटक सरकार के मेकेदातु बांध प्रस्ताव को खारिज करने की मांग की थी।विजय का कहना है कि अगर कर्नाटक में यह बांध बनता है तो तमिलनाडु के हिस्से का पानी प्रभावित होगा और राज्य के किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। दरअसल, 'मेकेदातु प्रोजेक्ट' कर्नाटक सरकार की कावेरी नदी पर प्रस्तावित बहुउद्देशीय परियोजना है, जिसका उद्देश्य पेयजल और जलविद्युत उत्पादन बताया जा रहा है।

खड़ी लॉरी से टकराई बोलेरो

एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत

एजेंसी

चित्रदुर्ग। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले का मोलकालमुरु तालुक के बैरापुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 150ए पर बुधवार शाम को एक भीषण सड़क हादसा में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में कुछ लोग घायल हुए हैं।

बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़ी लॉरी से एक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वाहन में सवार पांच लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान बल्लारी निवासी वेंकटेश (28), शिवम्मा (25), मीनाक्षी (16), पूजा (4) और परशुराम (डेढ़ वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे। घटना की सूचना मिलते ही मोलकालमुरु थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कुछ घायलों को मोलकालमुरु अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देहगाम के इसनपुर डोडिया में उल्टी दिशा से आ रही बाइक ने कपल की बाइक को टक्कर मार दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले के देहगाम में इसनपुर डोडिया और बारिया गांव के बीच टिंबनी मुवाड़ी के पास मंगलवार (26 मई) शाम को एक भयानक हादसा हुआ। यहां सड़क पर तेज रफ्तार से आ रहे एक बाइक सवार ने उल्टी दिशा से आ रही दूसरी बाइक को टक्कर मार दी। इस भयानक हादसे में कपल के पति की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

माता-पिता बाइक से घर लौट रहे थे

देहगाम के इसनपुर डोडिया गांव में अंबे माता के घर में रहने वाले और नरोदा में श्रीजी एंटरप्राइज में काम करने वाले 25 साल के अनिल कुमार चौहान ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। कल अनिल के पिता नवलजी रामाजी ठाकोर और मां कंचनबेन बाइक से टिंबनी मुवाड़ी से घर लौट रहे थे। बाइकर ने कपल की बाइक को टक्कर मारी

इसी बीच, शाम को छगनभाई मास्टर के बोरकुवा के पास, इसनपुर डोडिया और बारिया गांव के बीच, तेज स्पीड से आ रहे एक बाइक सवार ने कपल की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे पति-पत्नी बाइक से गिर गए। इस हादसे के बाद, आस-पास के लोगों ने कपल को 108 एम्बुलेंस से देहगाम सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां से दोनों को आगे के इलाज के लिए गांधीनगर सिविल हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। फिर सिविल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने नवलजी रामाजी ठाकोर को मृत घोषित कर दिया। जबकि कंचनबेन के सिर में गंभीर चोटें आई और उन्हें आगे के इलाज के लिए अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल शिफ्ट कर दिया गया। जहां उनका अभी सेमी-कॉन्शस हालत में इलाज चल रहा है।

घर में हुई चोरी का मामला सुलझा, कीमती सामान के साथ एक आदतन आरोपी पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा सिटी क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए रानोली इलाके में घर में हुई चोरी का मामला कुछ ही दिनों में सुलझा लिया है। पुलिस ने इस जुर्म में शामिल एक आदतन अपराधी को 2 लाख रुपये से ज़्यादा के कीमती सामान के साथ पकड़ा है। घटना की जानकारी यह है कि, 10 से 12 मई के बीच तस्करों ने रानोली के गायत्री टाउनशिप में एक घर को निशाना बनाया और 40 हज़ार रुपये कैश और सोने-चांदी के गहने चुराकर भाग गए। इस बारे में जवाहरनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई थी। क्राइम ब्रांच की टीम इस अनसुलझे जुर्म की जांच कर रही थी, इसी दौरान खबर मिली कि दिलदारसिंह बावरी और उसका गैंग, जो पहले भी घरों में चोरी कर चुका है, इसमें शामिल है। खास जानकारी के आधार पर पुलिस ने दिलदारसिंह तूफानसिंह बावरी को वारशिया इलाके से गिरफ्तार किया। पुलिस की कड़ी पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से कुल दो लाख रुपये का कीमती सामान बरामद किया है, जिसमें चोरी की सोने की ईंटें, पेंडेंट लॉकेट और चांदी के बचे हुए गहने शामिल हैं। फिलहाल, पुलिस इस मामले में उसके दूसरे साथियों की तलाश कर रही है और आगे की जांच कर रही है।

62 हजार रुपये से ज़्यादा कीमत के गांजे के साथ दो लोग पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर की पुलिस ने कल्चरल सिटी वडोदरा को ड्रग-फ्री बनाने के लिए कमर कस ली है। शहर में ड्रग्स की गैर-कानूनी बिक्री और तस्करी पर आंखें मूंदकर पुलिस ने एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। पानीगेट पुलिस स्टेशन और जोन-3 LCB (लोकल क्राइम ब्रांच) टीम ने जॉइंट ऑपरेशन चलाकर दो लोगों को गांजे के साथ रंगे हाथों पकड़ा।

गुप्त सूचना के आधार पर रेड

मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस को एक खास और गुप्त सूचना मिली थी कि पानीगेट इलाके में ड्रग्स का नेटवर्क चल रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आ गई और श्री हरि हरेश्वर महादेव मंदिर के सामने वाली गली में हथियाखाना रोड पर सर्वोदय कॉम्प्लेक्स में अचानक रेड मारी। पुलिस की इस अचानक रेड से ड्रग डीलरों में भारी हंगामा मच गया।

करोड़ों रुपये का सामान जब्त 63,300 रुपये ज़ब्त

रेड के दौरान, मौके से दो लोग संदिग्ध हालत में मिले। जब पुलिस ने पूरी जांच की, तो उनके पास से गैर-कानूनी हर्बल ड्रग 'गांजा' मिला। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हार्दिक चंद्रकांतसिंह वसावा और शंकरभाई छगनभाई पाटनवाडिया के तौर पर हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 1 द्यद्द 256 ग्राम गांजा ज़ब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 62,800 रुपये है।

राजकोट के पुरुषोत्तम पिपलिया की बागेश्वर धाम प्रोग्राम के खिलाफ बड़ी चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। गुजरात में बागेश्वर धाम के आयोजन को लेकर एक बार फिर बड़ा विवाद और चर्चा छिड़ गई है। राजकोट के जाने-माने सोशल एक्टिविस्ट पुरुषोत्तम पिपलिया, जो हमेशा अंधविश्वास और जादू-टोने के कामों के खिलाफ आवाज उठाते हैं, ने बागेश्वर धाम के आने वाले प्रोग्राम पर कड़ा हमला बोला है।

उन्होंने ऐसे प्रोग्राम को अंधविश्वास का महाकुंभ बताकर खुली चुनौती दी है। पुरुषोत्तम पिपलिया ने कथित चमत्कार का दावा करने वाले लोगों से कहा है कि अगर सच में किसी के पास ऐसी शक्ति है, तो वे मुझ पर जादू-टोना या तंत्र-मंत्र करके दिखाएं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे झूठे दावे समाज को गुमराह करते हैं और लोगों की आस्था का गलत फायदा उठाते हैं। कमल पूजा की बढ़ती घटनाओं पर चिंता हाल ही में राज्य में कमल पूजा (बलिदान) जैसी चौंकाने वाली घटनाओं का ज़िक्र करते हुए पिपलिया ने कहा कि समाज में अंधविश्वास फैलाने वाले ऐसे तत्वों और प्रोग्राम की वजह से लोग कमल पूजा और अघोरी प्रथाओं की तरफ़ तेज़ी से आकर्षित हो रहे हैं। साइंस और तरक्की के ज़माने में भी इस तरह का अंधविश्वास फैलना चिंता की बात है।

नर्मदा में मनरेगा का महाघोटाला: गरीबों के हक पर रसूखदारों का डाका, भाजपा नेता की पत्नी का नाम भी मस्टर रोल में!

नांदोद के वराछा ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार की गूंज, सबूतों के बाद भी प्रशासन ने मूंदी आंखें

25 किलोमीटर दूर गांव के लोग कागजों पर वराछा में मजदूरी करने आए ? उपसरपंच के खुलासे से हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदा: सरकार की महत्वाकांक्षी 'मनरेगा' (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) योजना, जिसका उद्देश्य ग्रामीण इलाकों के गरीब और जरूरतमंद परिवारों को रोजगार देना है, गुजरात के नर्मदा जिले में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती दिख रही है। नांदेड़ तालुका की वराछा ग्राम पंचायत में एक ऐसा ही चौंकाने वाला मनरेगा घोटाला सामने आया है, जहां गरीबों की मजदूरी के पैसों पर कथित तौर पर धनाढ्य और राजनीतिक रसूख रखने वाले लोग डाका डाल रहे हैं।

भाजपा नेता के परिवार का नाम मस्टर रोल में शामिल!

इस पूरे घोटाले में सबसे हैरान करने वाला मोड़ तब आया जब साल 2022 के मनरेगा मस्टर रोल (हाजिरी पत्रक) की जांच की गई। इसमें भरूच दूधधारा डेयरी के डायरेक्टर और नर्मदा जिला भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष निकुंज पटेल की पत्नी आशा पटेल और उनके भाई आशीष पटेल का नाम मजदूरी करने वालों की सूची में दर्ज पाया गया। इस खुलासे के बाद स्थानीय राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। जनता के बीच यह सवाल उठ रहा है कि क्या सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब अरबपति और रसूखदार लोग उठाएंगे?

25 किमी दूर से आए 'कागजी' मजदूर?

घोटाले की परतें यहीं नहीं खुलतीं; मस्टर रोल में दर्ज श्रमिकों के पते और भी ज्यादा चौंकाने वाले हैं। जो मजदूर वराछा ग्राम पंचायत में काम करते दिखाए गए हैं, वे वराछा या उसके आस-पास के भी नहीं हैं। ये तमाम लोग वराछा से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित हजरपुरा गांव के रहने वाले हैं। सवाल यह उठता है कि क्या वाकई 25 किलोमीटर दूर से लोग रोजाना वराछा में मजदूरी करने आते थे, या फिर यह सिर्फ सरकारी खजाने को चूना लगाने के लिए बनाया गया एक फर्जी खेल है?

उपसरपंच की शिकायत पर क्यों मौन है प्रशासन?

वराछा गांव के उपसरपंच मनीष पटेल ने इस पूरे फर्जीवाड़े और लाखों रुपये के गबन के खिलाफ पुख्ता सबूतों के साथ नर्मदा डीडीओ (जिला विकास अधिकारी) और नर्मदा कलेक्टर से लिखित शिकायत की है। लेकिन आरोप है कि भाजपा के बड़े नेताओं की संलिप्तता होने के कारण प्रशासनिक अधिकारियों ने इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। उपसरपंच की गुहार के बावजूद अब तक जांच की कोई ठोस कार्रवाई शुरू नहीं की गई है।

बॉक्स स्टोरी: मस्टर रोल में कौन से नाम हैं संदिग्ध?

वराछा ग्राम पंचायत के मस्टर रोल में हजरपुरा गांव के जिन लोगों के नाम संदिग्ध पाए गए हैं, उनकी सूची इस प्रकार है। जांच का विषय यह है कि क्या इन लोगों ने सच में जमीन पर उतरकर मजदूरी की है या सिर्फ इनके खातों का इस्तेमाल पैसे निकालने के लिए किया गया है?

जगदीशचंद्र हर्षद पटेल
दीपक कंचन पटेल
जगदीश चंदू पटेल
चीमन नगीन पटेल
मनोज नटवर पटेल
बलदेव शिवलाल पटेल
रोहित रतिलाल पटेल
मुकेश भीखूभाई पटेल
मेहुल कंचन पटेल
रवि भीखू पटेल
अरविंद नारायण पटेल
आकाश संजय पटेल

बड़ा सवाल:

भाजपा नेताओं के करीबियों के नाम सामने आने के बाद क्या निष्पक्ष जांच होगी? क्या नर्मदा जिला प्रशासन इस महाघोटाले के दोषियों को सजा दिला पाएगा या फिर हमेशा की तरह इस बार भी रसूख के आगे फाइलें दबा दी जाएंगी? यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

- वहाब शेख, नर्मदा

105 करोड़ की लागत से स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट सुपर स्पेशियलिटी हॉस्टल और कैंटीन ब्लॉक मिलेगा।

टाटा एयरलाइंस प्लेन क्रैश के मुआवज़े के तौर पर हेल्थ डिपार्टमेंट को Rs. 53.12 करोड़ देगी; राज्य सरकार ने बजट में भी बड़ा प्रोविज़न किया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। राज्य सरकार ने अहमदाबाद के असरवा सिविल हॉस्पिटल के पास न्यू मेंटल कैंपस को मॉडर्न बनाने का बड़ा फ़ैसला किया है। कैंपस में ऋ्र. 105 करोड़ की लागत से स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट सुपर स्पेशियलिटी हॉस्टल, कैंटीन ब्लॉक और नया सब-स्टेशन बनाया जाएगा। राज्य सरकार हेल्थ सेक्टर के इंफ्रास्ट्रक्चर को और मज़बूत करने के लिए पूरे कमिटमेंट के साथ आगे बढ़ रही है। टाटा एयरलाइंस Rs. 53.12 करोड़ का मुआवज़ा देगी। इससे पहले, अहमदाबाद प्लेन क्रैश में सिविल हॉस्पिटल के पास न्यू मेंटल कैंपस के 'अतुल्यम 1 से 4 ब्लॉक' को बड़ा नुकसान हुआ था। हेल्थ डिपार्टमेंट ने इस नुकसान के लिए टाटा एयरलाइंस से ऋ्र. 53.12 करोड़ मांगे हैं। टाटा एयरलाइंस ने इस मामले में पॉजिटिव सोच दिखाई है और जल्द ही हेल्थ डिपार्टमेंट को पूरी रकम देने का भरोसा दिया है। 236 सुपर स्पेशियलिटी मैरिड PG डॉक्टरों के रहने की सुविधा मेडिकल फील्ड में 48 नई सुपर स्पेशियलिटी सीटें बढ़ी हैं। इसे ध्यान

में रखते हुए, यह प्लान बनाया गया है: अगले तीन सालों के लिए कुल 144 स्टूडेंट्स समेत कुल 236 सुपर स्पेशियलिटी मैरिड PG डॉक्टरों के रहने के लिए एक बड़ा हॉस्टल बिल्डिंग तैयार होगा। जगह: न्यू मेंटल कैंपस - IGP कंपाउंड, मेघानीनगर। यह नया हॉस्टल ब्लॉक, मॉडर्न कैंटीन ब्लॉक और नया पावर सब-स्टेशन बनाया जाएगा।

जगह और बजट का बंटवारा:

राज्य सरकार ने इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए काफी जगह दी है। काम में तेजी लाने के लिए, मौजूदा फाइनेंशियल ईयर 2026-27 के बजट में 51.84 करोड़ रुपये के अनुमानित खर्च के मुकाबले 34.65 करोड़ रुपये के बजट का भी अप्रूवल दिया गया है। यह प्रोजेक्ट आने वाले समय में मेडिकल स्टूडेंट्स और डॉक्टरों के लिए वरदान साबित होगा, साथ ही अहमदाबाद सिविल की हेल्थ सर्विसेज़ की कैपेसिटी भी काफी बढ़ेगी।

डिजिटल इंडिया की ओर कदम: दाहोद डिस्ट्रिक्ट पांचाल समाज की ऑफिशियल वेबसाइट का ग्रैंड लॉन्च

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद: आज के मॉडर्न ज़माने के साथ चलने के लिए दाहोद डिस्ट्रिक्ट पांचाल समाज ने एक तारीफ़ के काबिल और ऐतिहासिक पहल की है। समाज के परिवारों को ग्लोबल लेवल पर जोड़ने के लिए 'दाहोद डिस्ट्रिक्ट पांचाल समाज' की ऑफिशियल वेबसाइट को ग्रैंड लॉन्च किया गया है। झालोद में मौजूद विश्वकर्मा मंदिर में पांचाल समाज प्रगति मंडल की तरफ से ऑर्गनाइज़ एक ग्रैंड प्रोग्राम में समाज के बुज़ुर्गों और युवा संगठनों की मौजूदगी में इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का उद्घाटन किया गया। इस वेबसाइट को लॉन्च करने का मुख्य मकसद ज्योग्राफिकल दूरी खत्म करके समाज के एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस को ट्रांसपेरेंट बनाना और जल्दी जानकारी देना है। अब समाज की सभी एक्टिविटीज़ बस एक क्लिक पर मिल जाएंगी।

वेबसाइट की खास बातें:

डिजिटल डायरेक्टरी: ऑनलाइन फॉर्म के ज़रिए सही पॉपुलेशन सेंसस तैयार किया जाएगा। मैट्रिमोनियल सर्विसेज़: युवक-युवतियों के लिए ऑनलाइन बायोडेटा से लाइफ पार्टनर चुनना आसान हो जाएगा। एजुकेशनल गाइडेंस: स्टूडेंट्स के लिए स्कॉलरशिप और नौकरी से जुड़ी जानकारी शेयर की जाएगी। सोशल कैलेंडर: समाज की मीटिंग, फैसले और खुशी-दुख की खबरें तुरंत आप तक पहुंचेंगी। पांचाल समाज प्रगति मंडल के मीडिया कन्वीनर श्री कौशिकभाई पांचाल ने डिजिटल टीम को बधाई दी और कहा कि टेक्नोलॉजी के ज़रिए समाज को जोड़ना आज की ज़रूरत है और इससे सारी सुविधाएं उंगलियों पर मिलेंगी। उन्होंने सभी परिवारों से इस प्लेटफॉर्म से जुड़ने की अपील की है। समाज के ढूंढ सेल के युवाओं की मेहनत से बनी यह वेबसाइट पांचाल समाज की एकता और तरक्की का नया सिंबल बन गई है

आसाराम की उम्रकैद बरकरार: 2013 के रेप केस में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, दो सह-आरोपियों को मिली राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। साल 2013 के बहुचर्चित बलात्कार मामले में स्वयंभू आध्यात्मिक गुरु आसाराम को लेकर हाईकोर्ट ने एक बेहद अहम और बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने आसाराम की उम्रकैद की सजा को पूरी तरह बरकरार रखा है, जिसे उनके लिए एक बहुत बड़ा कानूनी झटका माना जा रहा है। हालांकि, इसी मामले में हाईकोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए दो अन्य सह-आरोपियों को संदेह का लाभ देकर बरी करने का आदेश जारी किया है।

क्या था पूरा मामला?

साल 2013 में सूरत की रहने वाली एक पीड़िता ने आसाराम के खिलाफ अहमदाबाद के मोटेरा आश्रम में गंभीर शारीरिक शोषण और बार-बार बलात्कार किए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में निचली अदालत (ट्रायल कोर्ट) ने सभी सबूतों और गवाहों को सही मानते हुए आसाराम को दोषी ठहराया था और उन्हें आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सख्त सजा सुनाई थी। इसी सजा को चुनौती देते हुए आसाराम ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट का सख्त रुख, सह-

आरोपियों को मिली रिहाई हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की लंबी दलीलों और कानूनी बारीकियों को सुनने के बाद अपना अंतिम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि आसाराम के खिलाफ अपराध की गंभीरता को देखते हुए निचली अदालत द्वारा दी गई सजा बिल्कुल सही है और इसमें किसी भी तरह के बदलाव की गुंजाइश नहीं है। दूसरी ओर, इस अपराध में मदद करने (साजिश रचने) के आरोप में सजा काट रहे अन्य दो सह-आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत न मिलने के कारण हाईकोर्ट ने उन्हें तुरंत जेल से रिहा करने का आदेश दिया है। मामले के

मुख्य बिंदु: अदालत का फैसला: आसाराम की आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सजा कोर्ट में बरकरार।

राहत: मामले के दो सह-आरोपी सबूतों के अभाव में पूरी तरह बरी।

मामला: 2013 में सूरत की पीड़िता द्वारा अहमदाबाद के मोटेरा आश्रम को लेकर दर्ज कराया गया था केस। हाईकोर्ट के इस फैसले ने देश के नागरिकों के बीच न्यायपालिका पर भरोसा और मजबूत किया है।

अहमदाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 2.5 करोड़ रुपये की विदेशी शराब पर सरकारी रोलर चला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के तहत, पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। शहर के ज़ोन 7 DCP के तहत अलग-अलग पुलिस स्टेशन एरिया से ज़ब्त की गई करीब 2.5 करोड़ रुपये की गैर-कानूनी विदेशी शराब को पूरी तरह से रोल करके नष्ट कर दिया गया है।

92 अलग-अलग अपराधों में ज़ब्त की गई

पुलिस डिपार्टमेंट की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, शराब की यह मात्रा किसी एक जगह से नहीं बल्कि ज़ोन 7 के तहत आने वाले अलग-अलग एरिया से ज़ब्त की गई। यह मात्रा सरखेज, आनंदनगर, सैटेलाइट, वासना, वेजलपुर, एलिसब्रिज और बोडकदेव पुलिस स्टेशनों के तहत दर्ज 92 अलग-अलग अपराधों में ज़ब्त की गई थी। इन सभी मामलों का निपटारा कोर्ट की मंज़ूरी और बड़े अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया। 80,896 बोतलों पर रोलर चलाया गया इस ऑपरेशन के तहत, विदेशी शराब और बीयर की कुल 80,896 बोतलें एक खुले मैदान में फेंकी गई। उसके बाद, उस पर एक भारी रोलर चलाया गया, और लाखों रुपये की शराब मिनटों में नाले में बह गई। इस नष्ट की गई शराब की कुल मार्केट कीमत करीब 2.31 करोड़ रुपये है। अहमदाबाद पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से शराब तस्करों और असामाजिक तत्वों में दहशत फैल गई है। इस ऑपरेशन ने साफ संदेश दिया है कि पुलिस आने वाले दिनों में भी नशे के धंधे पर कड़ी नजर रखेगी।

150 करोड़ रुपये का लोन लेने के लिए बनाए थे नकली डॉक्यूमेंट!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/अहमदाबाद। इस समय की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर कॉर्पोरेट जगत से सामने आ रही है। मशहूर उद्योगपति अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी और बैंक फ्रॉड का गंभीर मामला दर्ज किया गया है। कंपनियों पर झूठे और फर्जी डॉक्यूमेंट पेश करके बैंक से करीब 150 करोड़ रुपये का बड़ा लोन लेने और फिर उस पैसे को बांटने का सनसनीखेज आरोप लगा है। इस हाई-प्रोफाइल मामले के सामने आते ही देश के बिजनेस जगत में भारी हंगामा मच गया। जांच एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, यह पूरा घोटाला बहुत ही सोची-समझी प्लानिंग के साथ किया गया था। कंपनी के अधिकारियों ने झूठी बैलेंस शीट और डॉक्यूमेंट के आधार पर बैंक से 150 करोड़ रुपये का लोन पास कराया था। इस स्कैम में सबसे बड़ा खुलासा यह है कि इस पैसे का इस्तेमाल उस मकसद के लिए नहीं किया गया, जिसके लिए लोन लिया गया था। जैसे ही लोन की रकम अकाउंट में जमा हुई, यह पैसा शेल कंपनियों और ग्रुप की दूसरी जुड़ी हुई कंपनियों के अकाउंट में डायवर्ट कर दिया गया। लोन न चुकाने की वजह से यह अकाउंट आखिर में NPA हो गया, जिससे बैंक को बड़ा फाइनेंशियल झटका लगा है। बैंकिंग अथॉरिटी की शिकायत के आधार पर, जांच एजेंसियों ने अनिल अंबानी ग्रुप की जुड़ी हुई कंपनियों और उनके जिम्मेदार डायरेक्टरों के खिलाफ साजिश और धोखाधड़ी के लिए FIR दर्ज की है। फिलहाल, एजेंसियां ??कंपनी के फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन की डिटेल में जांच कर रही हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि आने वाले दिनों में और भी कानूनी मुश्किलें खड़ी होंगी, जिससे अंबानी ग्रुप की मुश्किलें काफी बढ़ सकती हैं।

अहमदाबाद में 'मेलोडी' जैसी दिखने वाली 'माई डैडी' चॉकलेट पर कोर्ट ने सख्त बैन लगाया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। चॉकलेट और फूड एंड बेवरेज मार्केट में ब्रांडेड प्रोडक्ट्स की नकल करके सामान बेचने वाले लोगों पर कोर्ट ने कड़ी नज़र रखी है। देश की जानी-मानी फूड ब्रांड 'पारले' कंपनी ने 'माई डैडी' चॉकलेट पर कानूनी शिकंजा कस दिया है, जो मशहूर चॉकलेट 'मेलोडी' जैसी चमकदार पैकेजिंग और नाम के साथ मार्केट में बेची जा रही है। पारले कंपनी की अर्जी के बाद, कोर्ट ने अहमदाबाद के इस प्रोडक्शन हाउस पर 'माई डैडी' चॉकलेट की बिक्री, प्रोडक्शन और विज्ञापन पर तुरंत सख्त बैन (रोक) लगा दिया है। बिज़नेस की दुनिया से मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद के एक मैन्युफ़ैक्चरर ने सालों से मार्केट में छाई और 'मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है?' टैगलाइन के लिए मशहूर चॉकलेट की पैकेजिंग, कलर कॉम्बिनेशन और फ़ॉन्ट की कॉपी करके 'माई डैडी' नाम की चॉकलेट मार्केट में उतारी थी। चूंकि यह प्रोडक्ट बिल्कुल मेलोडी जैसा दिखता था, इसलिए आम कस्टमर्स के साथ धोखा हो रहा था।

पारले कंपनी कोर्ट पहुंची: ट्रेडमार्क उल्लंघन का केस

जब पारले प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को इस फ़र्ज़ी खेल का पता चला, तो कंपनी ने अपनी ब्रांड वैल्यू और कस्टमर्स के हितों की रक्षा के लिए कानूनी लड़ाई शुरू की। कंपनी ने अहमदाबाद की इस कंपनी के ख़िलाफ़ ट्रेडमार्क और कॉपीराइट नियमों के खुलेआम उल्लंघन के लिए कोर्ट में केस किया। अहमदाबाद के मार्केट में ब्रांडेड चीज़ों की कॉपी करके उन्हें सस्ते में बेचने का एक बड़ा नेटवर्क चल रहा है, कोर्ट के इस 'घातक' ऑर्डर से नकली सामान बनाने वालों में दहशत फैल गई है। कस्टमर्स को भी ऐसे स्कैम और डुप्लीकेट प्रोडक्ट्स से सावधान रहने की ज़रूरत है।

लापरवाही से चल रहे रेत के ट्रकों के खिलाफ कांग्रेस लाल, जमकर विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़ बारिया। दाहोद जिले के देवगढ़ बारिया शहर से गुजरने वाले भारी वाहनों और ओवरलोडेड रेत ट्रकों के खिलाफ स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा है। लोगों की इसी परेशानी को जाहिर करने के लिए, देवगढ़ बारिया कांग्रेस कमेटी ने आज प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध जताया।

कांग्रेस ने नियमों के झंडे लहराते ट्रकों को रोका

देवगढ़ बारिया कांग्रेस तालुका अध्यक्ष ईश्वरभाई वाखला और उनकी टीम ने बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ शहर से लापरवाही से गुजर रहे रेत के ट्रकों को रोका। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इकट्ठा होकर स्थानीय प्रशासन की निष्क्रियता के खिलाफ नारे लगाए और अपना गुस्सा निकाला।

कांग्रेस नेताओं के गंभीर आरोप:

'भारी वाहन दिन-रात शहर से गुजर रहे हैं, सभी नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी आंखें मूंदे हुए है।' नागरिक परेशान, हादसों का बड़ा डर

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इन लापरवाही से चलने वाले डंपर और ट्रकों के कारण आम नागरिकों, पैदल चलने वालों और गाड़ी चलाने वालों को बहुत परेशानी हो रही है। धूल भरी सड़कों और ट्रैफिक जाम की समस्या तो ठीक है, लेकिन ऐसी भयानक स्थिति पैदा हो गई है कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय प्रशासन की इस बड़ी लापरवाही के खिलाफ कांग्रेस अब गुस्से में आ गई है।

माइन्स एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट को जानकारी: उग्र आंदोलन की धमकी

प्रदर्शन के दौरान ही कांग्रेस टीम ने तुरंत दाहोद माइन्स एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय माइन्स एंड मिनरल्स ऑफिस से संपर्क किया और उन्हें पूरी स्थिति से अवगत कराया। कांग्रेस ने मांग की है कि इन गैर-कानूनी और गैरकानूनी ट्रकों के खिलाफ तुरंत और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। तालुक अध्यक्ष ने धमकी दी है कि अगर आने वाले दिनों में इन लापरवाह रेत ट्रकों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में कांग्रेस पार्टी और भी उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

'स्मार्ट सिटी' की नरक जैसी असलियत: पानी की बूंद-बूंद को तरसते खोखरा के लोगों ने किया उग्र विरोध

पानी की बूंद-बूंद को तरसते खोखरा के लोगों ने किया उग्र विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन स्मार्ट सिटी के कितने भी बड़े-बड़े दावे करे, लेकिन ईस्ट अहमदाबाद की असलियत आज भी नरक जैसी है! खोखरा इलाके के पुंजावाला की चाली में पीने के पानी की भारी कमी से तंग आकर जनता कल सड़क पर उतर आई। महीनों से प्रशासन के सामने हाथ जोड़ते-जोड़ते थक चुके स्थानीय लोगों ने आखिरकार 'चोर प्रशासन' को जगाने के लिए सड़क जाम कर दी। गुस्साई महिलाओं ने सड़क पर खाली बर्तन फेंके और अपना ऐसा गुस्सा निकाला जिसने हुक्मरानों और अधिकारियों के कान फाड़ दिए होंगे।

वलखानों को जल्दी में पानी मिले: कॉर्पोरेशन की हिम्मत सिर्फ टैक्स वसूलने में है! स्थानीय लोगों के मुताबिक, पुंजावाला की चाली में लंबे समय से पीने का पानी नहीं आ रहा है, और अगर आता भी है तो वह गंदा और केमिकल वाला पानी होता है जिसमें सीवेज मिला होता है। गर्मी के मौसम में महिलाओं को पानी की एक-एक बूंद के लिए भटकना पड़ रहा है। बार-बार कहने के बाद भी इंजीनियर और लोकल कॉर्पोरेटर्ष्ट चैंबर से बाहर निकलने का नाम नहीं ले रहे हैं। लोगों में गुस्सा है कि 'जो सिस्टम टैक्स वसूलने में स्मार्ट है, वह पानी देने में फिसड्डी क्यों साबित हो रहा है? ट्रैफिक जाम की वजह से ट्रैफिक जाम: पुलिस का काफिला दौड़ा! कल सुबह से ही पुंजावाला की चाली से सैकड़ों महिलाएं, पुरुष और बच्चे पानी न मिलने की वजह से सड़क पर उतर आए थे। उन्होंने मेन रोड पर ह्यूमन चेन बनाकर गाड़ियों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी थी। कुछ ही देर में गाड़ियों की लंबी लाइनें लग गईं और ट्रैफिक सिस्टम बिगड़ गया। जैसे ही मामला सामने आया, लोकल पुलिस का एक बड़ा काफिला मौके पर पहुंचा। हालांकि, गुस्साई महिलाओं ने पुलिस से यह भी कहा, 'जब तक पक्का पानी नहीं मिलता, सड़क खाली नहीं होगी!'

गुस्से की मुख्य बातें:

जगह: खोखरा, पुंजावाला चाली, अहमदाबाद।

लोगों का गुस्सा: साफ पीने के पानी की भारी कमी और प्रशासन की लापरवाही।

उग्र विरोध: सड़कें जाम कीं, खाली बर्तन तोड़े और स्थ के खिलाफ नारे लगाए।

प्रशासन का पाप: स्मार्ट सिटी के नाम पर ईस्ट अहमदाबाद के लोगों के साथ बुरा बर्ताव।

जब चुनाव आते हैं, तो जो नेता हाथ जोड़कर वोट मांगने आते हैं, वे आज जब जनता प्यास से तड़प रही है, तो अपना चेहरा कहां छिपा रहे हैं? अगर खोखरा के लोग टैक्स देते हैं, तो उन्हें उनके हक का पानी क्यों नहीं मिलता? धमकी दी गई है कि अगर इस इलाके में पानी की समस्या जल्द हल नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में आंदोलन तेज होगा और जनता सीधे नगर निगम ऑफिस जाकर अधिकारियों का घेराव करेगी।

6 करोड़ रुपये एडवांस सैलरी ली, 50 लाख रुपये सैलरी पर पत्नी को रखा; रिश्तेदारों के चौंकाने वाले खुलास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। आने वाले बकरी ईद त्योहार के लिए जलोद पुलिस सिस्टम पूरी तरह अलर्ट हो गया है। त्योहार के दौरान शहर में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने और अच्छी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए, जलोद पुलिस स्टेशन के PI रवि गामित की अध्यक्षता में जलोद शहर के अलग-अलग इलाकों में फ्लैग मार्च और पैदल मार्च निकाला गया। पुलिस ने शहर के मेन मार्केट एरिया, भीड़भाड़ वाले इलाकों, धार्मिक जगहों और संवेदनशील इलाकों में पेट्रोलिंग की। पैदल मार्च के दौरान, पुलिस फोर्स ने लोगों से सुरक्षा की भावना के साथ कानून का पालन करने, शांति बनाए रखने और किसी भी तरह की अफवाहों या गुमराह करने वाली जानकारी से दूर रहने की अपील की। इस पैदल मार्च में PSI सीके सिसोदिया, PSI राधाबेन डामोर के साथ झालोद पुलिस स्टेशन के स्टाफ, पुलिस के जवान और होमगार्ड के जवान भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। पुलिस की गाड़ियों के साथ किए गए फ्लैग मार्च से शहर में कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस की तैयारी का पता चला। यह भी जानकारी दी गई कि बकरीद के त्योहार के दौरान झालोद पुलिस सिस्टम लगातार पेट्रोलिंग, चेकिंग और मॉनिटरिंग करेगा। पता चला कि त्योहार के दौरान कोई अनहोनी न हो और लोग सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मना सकें, इसके लिए पुलिस सिस्टम लगातार काम कर रहा है। पुलिस के इस काम का शहरवासियों ने भी स्वागत किया और त्योहार से पहले पुलिस द्वारा किए गए सुरक्षा उपायों को तारीफ के काबिल बताया।

गांधीनगर: अडालज में महिला के गले से 2.40 लाख रुपये का मंगलसूत्र छीनकर बाइक सवार फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। कल शाम गांधीनगर के पास अडालज इलाके में टहलने निकली एक महिला को बाइक सवार दो अनजान चेन स्नेचरों ने निशाना बनाया और 2.40 लाख रुपये का सोने का मंगलसूत्र छीनकर भाग गए। अडालज पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

बेटी के साथ टहलने निकली महिला के गले से चेन छीनी

राजधानी गांधीनगर और आसपास के इलाकों में क्राइम का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। हाल ही में रूपल की वरदायिनी माता के मंदिर परिसर में स्थित खोडियार मंदिर का ताला तोड़कर 15 लाख रुपये कैश चोरी का मामला ताजा है, वहीं कार चोरी के रैकेट के बीच राजधानी में चेन स्नेचर गैंग ने भी उत्पात मचा रखा है। मूल रूप से इंदौर की रहने वाली और अभी अडालज में रीवा स्काईलिंक सोसायटी में रहने वाली 44 साल की कारपेंटर मोहिनीबेन सुभाषभाई नंद किशोर कल शाम करीब 7:30 बजे अपनी 24 साल की बेटी हर्षिता के साथ घूमने गई थीं। जब वे अडालज में स्वर्णिम सृष्टि के पास सड़क के बीच डिवाइडर पर बैठी थीं, तभी स्त हाईवे की सर्विस रोड से काली पल्सर जैसी बाइक पर सवार दो लुटेरे उनके पास आए। बाद में, बाइक पर सवार दोनों लोगों ने जानबूझकर बाइक धीमी कर दी। और महिला को लगा कि वे कुछ पूछने के लिए रुके हैं, लेकिन इसी बीच बाइक के पीछे बैठे आदमी ने मोहिनीबेन के गले से करीब डेढ़ तोला सोने का मंगलसूत्र जबरदस्ती छीन लिया।

चेन स्नेचर को पकड़ने की नाकाम कोशिश

महिला ने खुद को बचाने की कोशिश में लुटेरे की शर्ट पकड़ने की कोशिश की, लेकिन बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी और बाइक लेकर भाग गया। इस घटना के दौरान पास में रहने वाले आर्यन सोलंकी नाम के युवक ने लुटेरों का पीछा किया। लेकिन आरोपी बाइक लेकर तेज़ रफ़्तार से नहर की तरफ़ भाग गया। मोहिनीबेन ने तुरंत अपने पति को घटना की जानकारी दी। बाद में, अडालज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई, और पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि चेन स्नेचर ने जिस बाइक का इस्तेमाल किया, उस पर नंबर प्लेट भी नहीं थी। घटना के समय, बाइक सवार ने सफ़ेद शर्ट और पीछे बैठे व्यक्ति ने क्रीम रंग की शर्ट पहनी हुई थी, और दोनों का शरीर मीडियम था।

केतन इनामदार का सुलगता लेटर बम: 24 करोड़ रुपये के नदी पुल में भ्रष्टाचार की सीधे CM से शिकायत!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा/गांधीनगर। वडोदरा की सावली सीट से दबंग स्त्र केतन इनामदार, जो हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ लाल आंखें रखते हैं, ने एक बार फिर सत्ताधारी पार्टी और सरकारी मशीनरी के खिलाफ हथियार उठाए हैं। इस बार उन्होंने करोड़ों रुपये के सरकारी प्रोजेक्ट में हो रही गड़बड़ी और बर्बादी को उजागर करने के लिए सीधे मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को एक जानलेवा लेटर लिखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से लिखित शिकायत की है कि सावली इलाके से गुजरने वाली मेसरी नदी पर लगभग 24 करोड़ रुपये की भारी लागत से बने पुल के निर्माण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। इस लेटर के सामने आते ही गांधीनगर से वडोदरा तक एडमिनिस्ट्रेटिव कॉरिडोर में बड़ा भूचाल आ गया है।

स्त्र केतन इनामदार ने अपने लेटर में तीखे हमले करते हुए कहा है कि इस ब्रिज पर जनता की गाढ़ी कमाई के करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन कॉन्ट्रैक्टर और मिलीभगत करने वाले अधिकारियों ने मिलकर घटिया मटीरियल का इस्तेमाल किया है। ब्रिज को बने हुए अभी ज़्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन इसमें गैप और दरारें आने लगी हैं, जो कभी भी बड़े हादसे को न्योता दे सकती हैं। कुछ ही घंटों में असर: लेटर वायरल होते ही सिस्टम दौड़ पड़ा का यह तीखा लेटर जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और मीडिया में हेडलाइन बना, करप्ट अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्टरों के होश उड़ गए। ष्टरू ऑफिस के एक्टिव होने से पहले ही डरे हुए सिस्टम ने तुरंत ब्रिज पर मजदूर और मशीनरी लगा दी।

अर्जेंट रिपेयर शुरू: जहां अब तक अधिकारी ब्रिज की कमियों को नज़रअंदाज़ कर रहे थे, वहीं केतन इनामदार के एक लेटर के दम पर रातों-रात रिपेयर और मेंटेनेंस का काम युद्धस्तर पर शुरू करना पड़ा। जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग: लोकल लेवल पर चर्चा है कि स्त्र सिर्फ मरम्मत करके शांत नहीं बैठने वाले हैं। उन्होंने इस पूरे स्कैम की हाई-लेवल जांच और क्वालिटी से समझौता करने वाले इंजीनियरों और ब्लैकमेल किए गए कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग पर सख्ती दिखाई है। पहले भी केतन इनामदार जनता के मुद्दों पर अपनी ही सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जाने जाते रहे हैं, अब पूरे वडोदरा जिले की नजरें इस बात पर हैं कि इस 24 करोड़ के 'मेसरी नदी ब्रिज स्कैम' में अब कौन से बड़े नाम सामने आते हैं और किन पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है।

अहमदाबाद: बात-बात पर कार्ड बदलने वाला गैंग पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जुहापुरा। अगर आप किसी अनजान से ATM के अंदर कुछ करने को कहें तो सावधान हो जाएं, असली कार्ड की जगह डमी कार्ड पकड़ाकर पैसे निकालने वाले दो लोग पकड़े गए हैं, जबकि अहमदाबाद शहर के आनंदनगर-सरखेज और जुहापुरा में 7 लोग शिकार हुए हैं। जुहापुरा, सरखेज और सैटेलाइट समेत इलाकों में ATM से पैसे निकालने और जमा करने आए लोगों को बेवकूफ बनाकर उनके ATM कार्ड बदलकर पैसे निकालने वाले दो लोगों को इसनपुर पुलिस ने पकड़ा है। पिछले डेढ़ महीने में वेजलपुर में 4, आनंदनगर में 2 और सरखेज में एक व्यक्ति ने इन दो लोगों के खिलाफ 7 पुलिस थानों में शिकायत दर्ज कराई थी। पकड़े गए दो लोगों में से एक घर के बाहर काम करता था और दूसरा ATM मशीन में खराबी, स्लिप नहीं निकलने या पैसे के लेन-देन में मदद करने जैसे बहाने बनाकर लोगों को धोखा देता था और उनका PIN जानकर उन्हें असली कार्ड की जगह किसी और के नाम का डमी कार्ड देकर उनके अकाउंट से पैसे निकाल लेता था। खास बात यह है कि पुलिस में शिकायत दर्ज की गई थी कि इन दोनों लोगों ने महिलाओं, सीनियर सिटिजन और सरकारी कर्मचारियों समेत 7 लोगों से 3 लाख रुपये से ज़्यादा की ठगी की है।

जुहापुरा की घटना

पहली घटना के मुताबिक, 20 मई को, शाहनवाज़ याकूबभाई अज़ीज़ नाम के 57 साल के आदमी सुबह काम पर जाते समय जुहापुरा में रॉयल अकबर टावर के नीचे मौजूद HDFC बैंक के ATM से पैसे निकालने गए थे। वहां पैसे निकालते समय, एक अनजान आदमी ने उन्हें झांसा दिया कि उनकी स्लिप नहीं निकली है और उनका ATM PIN नंबर ले लिया और बिना ध्यान दिए उनका डेबिट कार्ड बदल दिया। इसके बाद, इस अनजान आदमी ने चोरी किए गए कार्ड का इस्तेमाल करके शिकायत करने वाले के अकाउंट से कुल 40,000 रुपये निकाल लिए। इसके बाद, उन्होंने बैंक में चेक किया तो पता चला कि उनका कार्ड बदल दिया गया है और कार्ड गीताबेन मकवाना के नाम पर है। इसके बाद उन्होंने वेजलपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। एक और घटना के मुताबिक, 2 मई को 21 साल के इरशाद अली गुलाम अली मंसूरी शाम करीब 6:15 बजे जुहापुरा में क्लासिक हाइट्स के नीचे बैंक ऑफ बड़ौदा के ATM से अपनी बहन ज़रीना बानू के अकाउंट से पैसे निकालने गए थे

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

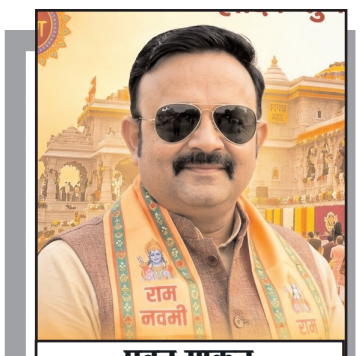

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे।

आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत...

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब

हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है। भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक औटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

संपादकीय

न्यायसंगत आरक्षण

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दशार्ता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं।

चिंतन-मनन

मूर्तिकार का सपना

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा। उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

असफलता से कहीं ज्यादा भयानक होती है सफलता के बाद की लड़ाई

महानगर मेट्रो

दुनिया हमेशा विजेता के गले में रहने वाला 'हार' (माला) देखती है, लेकिन उस हार के पीछे छिपी कांटों भरी यात्रा को कोई नहीं देखता। ज्यादातर लोग सफलता को एक 'मंजिल' मानते हैं–एक ऐसी जगह जहां पहुंचने के बाद सब कुछ शांत हो जाएगा, सिर्फ सुख और आराम होगा। लेकिन हकीकत यह है कि सफलता कोई विश्राम गृह नहीं है, बल्कि एक ऐसा युद्धक्षेत्र है जहां लड़ाई पहले से कहीं अधिक भयानक हो जाती है।

जब आप शून्य पर होते हैं, तब आपकी गलती कोई नहीं देखता, लेकिन जब आप सफल हो जाते हैं, तब आपकी एक छोटी सी गलती भी पूरी दुनिया के लिए चर्चा का विषय बन जाती है। असफलता में आपके पास खोने के लिए कुछ नहीं होता, लेकिन सफलता में आपको हर रोज खुद को साबित करना पड़ता है। कल की जीत आज पुरानी हो चुकी होती है, और आज नए सिरे से युद्ध लड़ना पड़ता है। शिखर पर पहुंचना शायद किस्मत हो सकता है, लेकिन वहां पैर टिकाए रखने के लिए तो लोहे जैसा मजबूत चरित्र ही चाहिए।

यह सफलता का सबसे कड़वा और बदसूरत चेहरा है। असफलता के समय जो लोग आपके साथ नहीं थे, वे सफलता मिलते ही आपके आसपास भीड़ लगा लेंगे। लेकिन याद रखिए, इस भीड़ में सच्चा शुभचिंतक कौन है और स्वार्थ का साथी कौन, इसे पहचानना ही सबसे बड़ी मानसिक परीक्षा है। आपकी सफलता पर तालियां बजाने वाले कई हाथ असल में आपके फिसलने का ही इंतजार कर रहे होते हैं। जैसे एक ऊंचे पेड़ को काटने वाले और उसकी डालियां तोड़ने वाले ज्यादा होते हैं, वैसे ही सफल व्यक्ति को पीछे धकेलने के लिए पूरी दुनिया कोशिश में लगी रहती है। जब आप शीर्ष पर होते हैं, तब लोग आपको गिराने के लिए ईर्ष्या, निंदा और बदनामी के पत्थर फेंकेंगे ही। इस नकारात्मकता से बचने का सबसे अच्छा उपाय यह है कि आप अपने भीतर 'स्थितप्रज्ञता' (मानसिक संतुलन) विकसित करें। पत्थर हमेशा फल देने वाले पेड़ को ही मारते हैं। आपकी निंदा इस बात का सबूत है कि आप कुछ बड़ा कर रहे हैं। इस बदसूरत दुनिया के सामने पलटवार करने के बजाय 'संयमित मौन' और 'मुस्कान' को अपना हथियार बनाएं। जो व्यक्ति सफलता को पचाकर अपनी गरिमा और विनम्रता बनाए रखता है, उसे दुनिया की कोई भी नकारात्मकता हरा नहीं सकती। निंदा सफलता का वह 'टैक्स' (कर) है जिसे हर विजेता को चुकाना ही पड़ता है, बस इसे चुकाकर मुस्कान के साथ आगे बढ़ते रहिए। जैसे-जैसे आपकी सफलता का ग्राफ ऊपर जाता है, वैसे-वैसे आपकी प्राइवेसी (गोपनीयता) और निजी समय कम होता जाता है। शीर्ष पर पहुंचने के बाद आपकी पीड़ा को समझने वाला कोई नहीं होता। दुनिया के लिए आप एक 'रोल मॉडल' होते हैं, लेकिन अपने अपनों के लिए आप अक्सर सिर्फ एक 'व्यस्त' व्यक्ति बन जाते हैं। क्या आप इस अकेलेपन को सहने की हिम्मत रखते हैं? पहाड़ की चोटी हमेशा संकरी होती है, वहां भीड़ के लिए जगह नहीं होती, सिर्फ अकेलापन और आसमान होता है। इसके लिए मानसिक रूप से तैयार रहना होगा।

सफलता सिर्फ बैंक बैलेंस या पद नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदारी का एक 'कांटों भरा ताज' है। अगर आपका उद्देश्य सिर्फ व्यक्तिगत सुख होगा तो आप थक जाएंगे, लेकिन अगर आपमें समाज के प्रति निष्ठा और कुछ नया देने की भावना होगी, तो यही मुश्किलें

आपको सही मायनों में 'महानायक' बनाएंगी।

सफल होना आसान है, लेकिन सफलता को पचाना और उसे गरिमा के साथ बनाए रखना ही एक सच्चे विजेता की पहचान है।

– दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट)
स्पोर्ट्स टीचर.

28 मईः भारतीय क्रांति के महान नेता वीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती

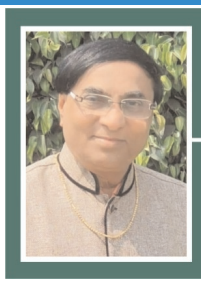

व्यक्ति विशेष

लेखक: दीपक जगताप

महानगर मेट्रो

विनायक दामोदर सावरकरःआज भारतीय क्रांति के महान नेता वीर सावरकर की जयंती है। देश की आजादी की लड़ाई में कई क्रांतिकारियों ने योगदान दिया है। उनमें वीर सावरकर का नाम निश्चित रूप से सबसे ऊपर लिया जा सकता है। वीर सावरकर एक महान ऐतिहासिक क्रांतिकारी थे। वे एक महान वक्ता, विद्वान, बहुत लिखने वाले लेखक, इतिहासकार, कवि, दार्शनिक और समाज सेवक थे। वे एक स्वतंत्रता सेनानी, कट्टर हिंदुत्ववादी, जाने-माने लेखक और समाज सुधारक थे। वे अपने करीबी लोगों में 'तात्याराव' निकनेम से जाने जाते थे। वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सबसे आगे रहने वाले एक सक्रिय कार्यकर्ता और एक जोशीले राष्ट्रवादी नेता थे। इसलिए, उन्हें 'वीर सावरकर' के नाम से जाना जाने लगा। स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ, वे एक क्रांतिकारी, विचारक, कुशल लेखक, कवि, जोशीले वक्ता और राजनेता भी थे।

भारतीय क्रांति के महान नेता वीर सावरकर का पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर था। उनका जन्म 28 मई 1883 को हुआ था। 5 फरवरी 1948 को वीर सावरकर को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन उन्हें दिल्ली नहीं लाया गया। उन्हें मुंबई की आर्थर रोड जेल में रखा गया। 13 मई को एक नोटिस के ज़रिए यह घोषणा की गई कि महात्मा गांधी की हत्या का मुकदमा दिल्ली के लाल किले में होगा, जज कानपुर के डिस्ट्रिक्ट जज आत्मा चरण होंगे और पहली तारीख 27 मई होगी। अगले दिन सावरकर का जन्मदिन था। इससे पहले लाल किले में दो मशहूर केस लड़े जा चुके थे, पहले केस में 1857 की क्रांति के बाद बहादुर शाह ज़फ़र को रंगून भेजने का फ़ैसला हुआ था, दूसरा केस 1945 में आज़ाद हिंद फ़ौज के अफ़सरों के ख़िलाफ़ था। वीर सावरकर ने अपनी पढ़ाई के दौरान अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ लड़ाई लड़ी, जिसके बाद वे आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़े। उन्होंने अंग्रेज़ों को इतना परेशान किया कि अंग्रेज़ सरकार ने वीर सावरकर की बैचलर डिग्री वापस ले ली। उन्होंने अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ अपनी लड़ाई में हथियारों का भी इस्तेमाल किया। उन्हें 13 मार्च, 1910 को लंदन से गिरफ़्तार किया गया और ट्रायल के लिए भारत वापस भेज दिया गया। वे एक इतिहासकार भी थे जिन्होंने हिंदू राष्ट्र की जीत का इतिहास ईमानदारी से बताया। उन्होंने 'द इंडियन वॉर ऑफ़ इंडिपेंडेंस' नाम की किताब में 1867 की पहली आज़ादी की लड़ाई का ज़िंदादिल ब्यौरा लिखा। 29-6-1910 को विनायक 'मौरिया' नाम के जहाज़ में कैदी बनकर भारत लौट रहे थे। उनकी सुरक्षा के लिए उनके साथ 10 अंग्रेज़ सैनिक थे। लेकिन वह जहाज़ से कूद गए और तैरकर फ्रांस की ज़मीन पर पहुँच गए और वहाँ उन्हें पकड़ लिया गया। इतनी हिम्मत दिखाने के लिए लोगों ने उन्हें वीर का टाइटल दिया। अब वह वीर सावरकर बन गए।

वह आज़ादी के लिए लड़ते रहे, लेकिन शुरू में वह हिंदू-मुस्लिम भाईचारे के सपोर्टर थे। 1857 में उन्होंने अपनी किताब में भाईचारे के बारे में लिखा। 1924 में कालापानी में 9 साल की जेल काटने के बाद उन्हें इस शर्त पर रिहा किया गया कि वह पॉलिटिक्स में हिस्सा नहीं लेंगे और रत्नागिरी ज़िला नहीं छोड़ेंगे। वीर सावरकर ने हिंदुत्व - हिंदू कौन है? किताब लिखी, जिसमें उन्होंने पहली बार हिंदुत्व को पॉलिटिकल आइडियोलॉजी के तौर पर इस्तेमाल किया। यह भी ध्यान देना चाहिए कि जहाँ गांधीजी ने छुआछूत के खिलाफ़ लड़ाई शुरू की थी, वहीं सावरकर भी छुआछूत के खिलाफ़ थे। उन्होंने सामाजिक बुराइयों से लड़ने के लिए पतित पावन संगठन भी शुरू किया था। 20 जुलाई, 1910 को उन्हें जहाज़ से मुंबई लाया गया। उन्हें देखने के लिए सैकड़ों लोग जमा हुए। पुलिस ने उन्हें यरवदा जेल भेज दिया। वहां से उन्हें डोंगरी जेल भेज दिया गया। 1906 में, सावरकर ने 'अभिनव भारत' नाम का एक सीक्रेट क्रांतिकारी संगठन बनाया, जिसका मकसद ब्रिटिश राज के खिलाफ हथियारबंद क्रांति के ज़रिए आज़ादी हासिल करना था। लंदन के फर्ग्यूसन कॉलेज में पढ़ाई के दौरान वे इंडिया हाउस में भी रहे और वहीं से क्रांतिकारी गतिविधियों को बढ़ावा दिया। उन्होंने युवाओं को ब्रिटिश विरोधी आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। सावरकर ने मदनलाल ढींगरा को प्रभावित किया, जिन्होंने 1909 में लंदन में ब्रिटिश अधिकारी विलियम कर्जन वायली की हत्या कर दी।1910 में, सावरकर को नासिक कलेक्टर ए.एम.टी. जैक्सन की हत्या के मामले में ब्रिटिश सरकार ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें 1911 में दो उम्रकैद (50 साल 'काला पानी') की सज़ा सुनाई गई। वे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सेलुलर जेल में रहे, जहाँ उन्हें अमानवीय यातनाएँ झेलनी पड़ीं। इस दौरान, वे जेल में अपने साथी कैदियों में राष्ट्रवाद की भावना जगाने का काम करते रहे। सावरकर ने 'हिंदुत्वः हिंदू कौन है?' पब्लिश किया। 1923 में उन्होंने 'हिंदुत्व' नाम की एक किताब लिखी, जिसमें उन्होंने 'हिंदुत्व' को एक राष्ट्रवादी विचारधारा के तौर पर पेश किया। उनके अनुसार, हिंदुत्व भारतीय

संस्कृति, इतिहास और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। उन्होंने हिंदू समाज को संगठित करने और धार्मिक-सामाजिक सुधारों पर ज़ोर दिया। सावरकर ने छुआछूत खत्म करने, जातिवाद का विरोध करने और हिंदू समाज में एकता के लिए काम किया। उन्होंने महाराष्ट्र में 'पतित पावन मंदिर' की स्थापना की, जो सभी जातियों के लिए खुला था, और शुद्धि आंदोलन को बढ़ावा दिया। विनायक दामोदर सावरकर, जिन्हें देश की आज़ादी की लड़ाई का एक अहम हीरो माना जाता था, ने अपने आखिरी दिनों में दवाइयां लेना बंद कर दिया था। ये दवाएं उन्हें ज़िंदा रख सकती थीं। इसके अलावा, उन्होंने पानी और खाना भी छोड़ दिया था। उनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने यूथेनेशिया चुना था।

सब्जी में छिपकली मिलने पर छात्र हुए नाराज, प्रॉक्टोरियल बोर्ड और वार्डन पहुंचे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। छात्रों का आरोप है कि मेस में लंबे समय से खाने की गुणवत्ता बेहद खराब है और कई बार शिकायत के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। छात्रों ने बताया कि सब्जी में छिपकली मिलने के बाद कई छात्रों की तबीयत बिगड़ गई, जिसके चलते उन्हें अस्पताल जाना पड़ा।मौके पर छात्रों को शांत कराने पहुंचे वार्डन

सूचना मिलने पर प्राक्टोरियल बोर्ड की टीम मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान वार्डन ने छात्रों से कहा कि यदि किसी छात्र को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत है तो तत्काल जानकारी दें, छात्रावास प्रशासन उनकी हर संभव मदद करेगा। साथ ही भोजन बनाने वाले कर्मी के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन भी दिया गया।छात्रों ने मेस बंद करने की उठाई मांग छात्रों ने आरोप लगाया कि छात्रावास में केवल भोजन ही नहीं, बल्कि कई अन्य समस्याएं भी लंबे समय से बनी हुई हैं। उनका कहना है कि पीने के पानी की गंभीर समस्या है और कई शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं किया गया। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि मेस संचालक ही कैंटीन चला रहा है, जिससे खाने की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। छात्रों के अनुसार, वेज और नॉन-वेज भोजन एक ही तेल में तैयार किया जाता है, बर्तन ठीक से साफ नहीं किए जाते और छात्रावास के शौचालयों की समय पर सफाई भी नहीं होती।

छात्रावास के वार्डन राघव मिश्रा छात्रों के बीच पहुंचे उनके समझाने के बाद छात्र शांत हुए। उन्होंने कहा कि हम सभी छात्रों के लिए है। तत्काल कार्रवाई की जा रही है। डीन आफ स्टूडेंट भी मौके पर पहुंचे और सभी छात्रों के स्वास्थ्य के बारे में पूछा। 2-3 छात्रों को हेल्थ सेंटर के लिए चेक अप के लिए भेजा गया।

छात्रों की प्रमुख मांगें

- **मेस को तत्काल बंद किया जाए।**
- **कैंटीन संचालन बंद किया जाए।**
- **स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।**
- **वॉशरूम की नियमित और बेहतर सफाई कराई जाए।**

45एष्ट पहुंचा पाराःमौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट, सुबह से ही सड़कों पर सन्नाटा पसरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झांसी । भीषण गर्मी और झुलसा देने वाली लू का असर सुबह से ही देखने को मिला। मौसम विभाग ने जिले में रेड अलर्ट जारी करते हुए लोगों से। सतर्क रहने और बेहद जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलने की अपील की है। बुधवार सुबह झांसी का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो दोपहर तक 45 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा है। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार आज अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

सुबह 10 बजे बाद सड़कों पर पसरा सन्नाटा

तेज धूप और गर्म हवाओं के चलते सुबह 10 बजे के बाद ही शहर की सड़कों पर सन्नाटा नजर आने लगा। लोग गर्मी से बचने के लिए घरों में ही रहने को मजबूर दिखे। आईएमडी के मुताबिक, पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में इस समय 'सीवियर हीट वेव' की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने रात के समय भी तापमान अधिक रहने की संभावना जताई है।बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सावधानी की सलाह मौसम विभाग ने बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को खास सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग ने लोगों से दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में बाहर निकलने से बचने को कहा है। इसके अलावा पर्याप्त पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने और सिर ढककर बाहर निकलने की सलाह दी गई है।हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ा लगातार बढ़ते तापमान के कारण हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा भी बढ़ गया है। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि अगर चक्कर आना, तेज बुखार, कमजोरी या शरीर में पानी की कमी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

लाइव फुटेज से पत्थरबाजों की पहचान की जा रही, रीलबाज भी रडार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झांसी। मंडल में रेलवे ट्रैक पर रील बनाने और ट्रेनों पर पत्थर फेंकने वाले शरारती तत्वों पर अब आसमान से नजर रखी जा रही है। रेलवे ने ऐसे लोगों पर शिकंजा कसने के लिए रेल सुरक्षा बल को दो आधुनिक ड्रोन उपलब्ध कराए हैं। ये ड्रोन झांसी और ग्वालियर सेक्शन में ट्रेनों के साथ उड़ाए जा रहे, जिससे रेलवे ट्रैक और आसपास की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा सके।दरअसल, झांसी-दिल्ली रेल रूट पर आए दिन ट्रेनों पर पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कई बार वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेनों के शीशे तक टूट चुके हैं। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक हर महीने 2 से 4 ट्रेनों पर पत्थर फेंकने की घटनाएं दर्ज होती हैं।कई मामलों

में आरोपी पकड़ लिए जाते हैं, लेकिन कई बार अंधेरे और सुनसान इलाकों का फायदा उठाकर फरार हो जाते हैं। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ट्रेनों पर पत्थरबाजी से न सिर्फ रेलवे को आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ती है। इसी को देखते हुए अब हाईटेक निगरानी सिस्टम लागू किया गया है।

कंट्रोल रूम से जुड़े रहेंगे ड्रोन

झांसी और ग्वालियर आरपीएफ पोस्ट को दिए गए ड्रोन सीधे कंट्रोल रूम से जुड़े रहेंगे। ट्रेन गुजरने के दौरान ड्रोन सेक्शन में उड़ाए जाएंगे और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगे। ड्रोन से मिलने वाली लाइव फुटेज कंट्रोल रूम तक पहुंचेगी और उसका रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखा जाएगा। इससे शरारती तत्वों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने में आसानी होगी। रील बनाने वालों पर भी सख्ती रेलवे ट्रैक और स्टेशन परिसर में रील बनाने का ट्रेंड भी रेलवे के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। कई युवक-युवतियां वीडियो बनाने के लिए ट्रैक पर पहुंच जाते हैं, जिससे हादसे का खतरा बढ़ जाता है।

मेरठ में पिता और सौतेली मां ने बेटी की हत्या की, कहा- मोबाइल पर लड़कों से बात करती थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। पिता ने दूसरी पत्नी के साथ मिलकर अपनी 17 साल बेटी को मार डाला। फिर गुपचुप तरीके से शव का अंतिम संस्कार कर दिया। लड़की के मामा को इसका पता चला तो वह गांव पहुंच गए और विरोध कर दिया। मामा की शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। मंगलवार देर रात हत्या का मुकदमा दर्ज करते हुए पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। पिता ने बताया- बेटी मोबाइल चलाती थी और लड़कों से बात करती थी। इसलिए गला घोट कर हत्या कर दी। वहीं इस मामले में पुलिस को एक ऑडियो भी मिला है। ऑडियो में बेटी अपनी मौसी से बोल रही है कि मामा से कह दो, वह मुझे आकर ले जाएंगे, वरना यह लोग मुझे मार देंगे। घटना भावनपुर थाना क्षेत्र की गोकुलधाम सोसाइटी की है। भावनपुर थाना क्षेत्र की गोकुलधाम सोसाइटी में कपिल भारद्वाज परिवार के साथ रहते हैं। साल 2009 में कपिल भारद्वाज की शादी हापुड़ निवासी प्रीति से हुई थी। शादी के बाद प्रीति ने एक बेटी खुशी उर्फ़ खुशबु और फिर एक बेटे राधे को जन्म दिया। वर्ष 2017 में प्रीति की मौत हो गई। इसके बाद कपिल ने 6 महीने बाद ही पिंकी नाम की महिला से दूसरी शादी कर ली। सोमवार रात बेटी खुशी की में मौत हो गई। कपिल भारद्वाज ने आनन फानन में बेटी का अंतिम संस्कार भी कर दिया। मंगलवार दोपहर मृतका खुशी के मामा हापुड़ निवासी भूपेंद्र शर्मा पुत्र शिवकुमार शर्मा निवासी नई पन्नापुरी हापुड़ को किसी ने फोन कर बताया कि उनकी भांजी खुशी की मौत हो गई है। वह जब तक मेरठ पहुंचते तब तक खुशी का अंतिम संस्कार हो चुका था। उन्होंने पुलिस से इसकी शिकायत की और कपिल पर भांजी की हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने छानबीन शुरू की। कुछ घंटे बाद ही पिता कपिल को गिरफ्तार कर लिया।मंगलवार देर रात ही पुलिस ने कपिल भारद्वाज के खिलाफ बेटी की हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया। पिता ने ही बेटी की गला घोटकर हत्या की है। इसमें उसका साथ सौतेली मां ने भी की है। इस मामले में पुलिस ने कपिल की दूसरी पत्नी पिंकी को भी हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ चल रही है। जुर्म कबूल करने के बाद भी आरोपी कपिल पुलिस के गुमराह करता रहा। उसका कहना था कि खुशी की स्कूल से शिकायत आती थी। वह मोबाइल चलाती थी। साथ ही लड़को से बात करती थी। इसलिए उन्होंने हत्या की। महिला पुलिसकर्मियों ने पिंकी के बयान लिए तो वह भी बीमारी से मौत की बात कहकर पुलिस को गुमराह करती रही। पिंकी से पूछताछ की जा रही है।

लखनऊ में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या, CCTV:ऑफिस के सामने ताबड़तोड़ फायरिंग की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। बुधवार दोपहर एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह अपने ऑफिस के सामने मोबाइल से बात कर रहे थे। तभी बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। आसपास के लोगों ने प्रॉपर्टी डीलर को अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वारदात पीजीआई थानाक्षेत्र के कल्ली पश्चिम इलाके की है। दैनिक भास्कर को हत्या का एक्सक्लूसिव सीसीटीवी फुटेज मिला है। जिसमें बदमाश प्रॉपर्टी डीलर को गोलियां मारते दिख रहा है। हत्या के बाद बदमाश अपने साथी के साथ बाइक से फरार हो गया। प्रॉपटी डीलर संदीप सिंह जौनपुर के रहने वाले थे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी के जरिए बदमाशों की पहचान में जुटी है।

अब पूरी घटना विस्तार से...

संदीप सिंह मूल रूप से जौनपुर के टकारी के शिकारा जिला के रहने वाले थे। वह वृंदावन योजना में कालिंदी पार्क के पास परिवार के साथ रहते हैं। कल्ली पश्चिम बाजार के यादव मार्केट में उनका प्रॉपर्टी डीलिंग का ऑफिस है। बुधवार दोपहर 12 से 12:30 बजे के बीच वह ड्राइवर प्रदीप सिंह के साथ अपने ऑफिस पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि संदीप कार से उतरकर ऑफिस की ओर बढ़ ही रहे थे, तभी बाइक सवार 2 नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगते ही संदीप घायल होकर गिर पड़े, तभी आरोपी बाइक से भाग निकले। बाइकसवार बदमाश ने हेलमेट पहन रखा था स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, हमला करने वाले बाइक सवार बदमाश काफी पेशेवर अंदाज में आए थे। बाइक चला रहा बदमाश हेलमेट लगाए हुए था। जबकि, पीछे बैठे हमलावर ने अपना मुंह सफेद गमछे से बांध रखा था। वारदात को अंजाम देते समय एक बदमाश अपाचे बाइक स्टार्ट किए हुए पहले से खड़ा हुआ था। संदीप को कई गोलियां मारने वाला दूसरा बदमाश दौड़ते हुए बाइक पर बैठा। जिसके बाद दोनों भाग निकले। संदीप सिंह के परिवार में पत्नी प्रीति सिंह, बेटा सार्थक सिंह और बेटी सीवी सिंह हैं।पहली गोली लगते ही सड़क पर गिरे संदीप पुलिस को घटना की 50 सेकंड की ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज मिली है। इसमें दिख रहा कि प्रॉपर्टी डीलर संदीप कार से नीचे उतरने के बाद मोबाइल पर बात करते हुए आगे बढ़ते हैं। इस दौरान सफेद शर्ट और नीले जींस पहने बदमाश उनके पास आता है। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर देता है। पहली गोली सीने के पास लगते ही संदीप सड़क पर गिर पड़ते हैं। इसके बाद भी बदमाश उन पर लगातार फायरिंग करता रहता है। वह आखिरी गोली संदीप के सिर के पास मारता है। इसे लेकर पुलिस मान रही है कि बदमाश पेशेवर भी हो सकते हैं। सीसीटीवी से बदमाशों की पहचान में जुटी पुलिस एडीसीपी साउथ और एसीपी गोसाईगंज पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

लखनऊ में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या, CCTV:ऑफिस के सामने ताबड़तोड़ फायरिंग की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

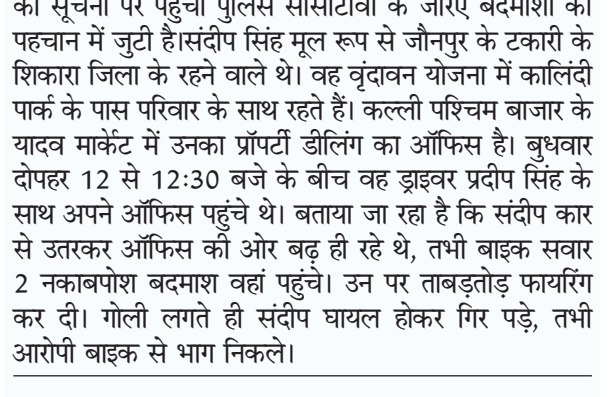

लखनऊ। बुधवार दोपहर एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह अपने ऑफिस के सामने मोबाइल से बात कर रहे थे। तभी बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। आसपास के लोगों ने प्रॉपर्टी डीलर को अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वारदात पीजीआई थानाक्षेत्र के कल्ली पश्चिम इलाके की है। दैनिक भास्कर को हत्या का एक्सक्लूसिव सीसीटीवी फुटेज मिला है। जिसमें बदमाश प्रॉपर्टी डीलर को गोलियां मारते दिख रहा है। हत्या के बाद बदमाश अपने साथी के साथ बाइक से फरार हो गया। प्रॉपटी डीलर संदीप सिंह जौनपुर के रहने वाले थे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी के जरिए बदमाशों की पहचान में जुटी है।सीसीटीवी से बदमाशों की पहचान में जुटी पुलिस एडीसीपी साउथ और एसीपी गोसाईगंज पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान की कोशिश की जा रही है। शुरुआती जांच में आपसी रंजिश समेत कई ऐंगल पर जांच की जा रही है।

बाइकसवार बदमाश ने हेलमेट पहन रखा था

स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, हमला करने वाले बाइक सवार बदमाश काफी पेशेवर अंदाज में आए थे। बाइक चला रहा बदमाश हेलमेट लगाए हुए था। जबकि, पीछे बैठे हमलावर ने अपना मुंह सफेद गमछे से बांध रखा था। वारदात को अंजाम देते समय एक बदमाश अपाचे बाइक स्टार्ट किए हुए पहले से खड़ा हुआ था। संदीप को कई गोलियां मारने वाला दूसरा बदमाश दौड़ते हुए बाइक पर बैठा। जिसके बाद दोनों भाग निकले। संदीप सिंह के परिवार में पत्नी प्रीति सिंह, बेटा सार्थक सिंह और बेटी सीवी सिंह पहली गोली लगते ही सड़क पर गिरे संदीप पुलिस को घटना की 50 सेकंड की ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज मिली है। इसमें दिख रहा कि प्रॉपर्टी डीलर संदीप कार से नीचे उतरने के बाद मोबाइल पर बात करते हुए आगे बढ़ते हैं। इस दौरान सफेद शर्ट और नीले जींस पहने बदमाश उनके पास आता है। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर देता है। पहली गोली सीने के पास लगते ही संदीप सड़क पर गिर पड़ते हैं। इसके बाद भी बदमाश उन पर लगातार फायरिंग करता रहता है। वह आखिरी गोली संदीप के सिर के पास मारता है। इसे लेकर पुलिस मान रही है कि बदमाश पेशेवर भी हो सकते हैं। सीसीटीवी से बदमाशों की पहचान में जुटी पुलिस एडीसीपी साउथ और एसीपी गोसाईगंज पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

डेढ़ साल पहले खोला था ऑफिस

संदीप सिंह ने करीब डेढ़ साल पहले कल्ली पश्चिम बाजार स्थित यादव कॉम्प्लेक्स में पीएसएस बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से ऑफिस खोला था। ऑफिस में पांच कर्मचारी काम करते हैं। कंपनी के एक कर्मचारी ने बताया कि उनकी तीन साइटें चल रही हैं। एक मोहनलालगंज इलाके के डॉन बॉस्को स्कूल के पास, दूसरी मोहनलालगंज तहसील के पास और तीसरी कानपुर रोड पर अमौसी रेलवे स्टेशन के नजदीक है। कर्मचारियों के मुताबिक, संदीप सिंह बेहद मिलनसार और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

मां-बाप के साथ बेटे की आखिरी सेल्फी:पिता बोले- वो मंजर कभी नहीं भूल सकता;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। रविवार (24 मई) को चूड़ी कारोबारी के 16 साल के बेटे की जिप लाइन झूले से गिरकर मौत हो गई। वह मां-बाप और भाई के सामने ही 45 फीट ऊंचे झूले से सिर के बल नीचे गिरा। लड़का जैसे ही जिप लाइन में एक छोर से दूसरे छोर की तरफ बढ़ा, उसकी सेफ्टी बेल्ट का हुक टूट गया। रेलिंग से टकराता हुआ नीचे गिरा। मौके पर ही तड़प-तड़पकर मौत हो गई। बेटा जब जिप लाइन झूले पर था, तो नीचे मां और भाई वीडियो बना रहे थे। पूरा हादसा उनके फोन में रिकॉर्ड हो गया। कुनाल का परिवार फिरोजाबाद से आगरा घूमने आया था। हादसे के बाद पुलिस ने जिप लाइन का संचालन बंद करा दिया। आगरा में बाबा श्याम का दरबार सजा था, चारों तरफ जयकारे लग रहे थे और कुनाल के चेहरे पर एक बेफिक्र मुस्कान थी। उसने मां-बाप और भाई को करीब बुलाया और यह सेल्फी खींच ली।दरअसल, आगरा में रविवार (24 मई) को 45 फीट ऊंचे जिप लाइन झूले से गिरने से 16 साल के कुनाल अग्रवाल की मौत हो गई थी। वह माता-पिता और भाई के साथ फिरोजाबाद से आगरा घूमने आया था।बेटे की आखिरी सेल्फी को देखकर कुनाल के पिता पंकज अग्रवाल रोने लगते हैं। दैनिक भास्कर से तस्वीर शेयर करते हुए कहते हैं- वो मंजर मैं कभी नहीं भूल सकता। मेरी आंखों के सामने मेरा बेटा 45 फीट की ऊंचाई से गिरा। मैं चीखते हुए बदहवास उसकी तरफ भागा। कुनाल जमीन पर पड़ा था। उसकी नाक से खून निकल रहा था। उसे उल्टी हुई थी। उसका शरीर बिल्कुल ढीला पड़ चुका था। मैं उसे उठाकर आवाज दे रहा था- 'कुनाल... बेटा उठो... ', लेकिन वो नहीं उठा। एक बार गिरने के बाद मेरा बेटा फिर कभी नहीं उठा। अब मेरा बेटा वापस नहीं आएगा। लेकिन मैं चाहता हूं कि मेरे बेटे की मौत के जिम्मेदार हर व्यक्ति को सजा मिले। चाहे कर्मचारी, मालिक या फिर अधिकारी हों, मेरे बेटे की मौत के जिम्मेदार सभी लोग हैं। मैंने गुस्से में गार्ड का गिरेबान पकड़ लिया पंकज बताते हैं- सबसे ज्यादा दर्द मुझे इस बात का है कि इतने बड़े हादसे के बाद भी वहां कोई मदद के लिए आगे नहीं आया। मैं और मेरी पत्नी चीखते रहे, रोते रहे। चौपाटी के कर्मचारियों का रवैया देखकर मेरा खून खौल गया। गुस्से में मैंने एक गार्ड का गिरेबान पकड़ लिया। तब जाकर दो लोग मदद के लिए आए और बेटे को अस्पताल ले गए। वहां कोई प्राथमिक उपचार तक की व्यवस्था नहीं थी।बेटे ने पूरे दिन घूमने का प्लान किया था बेटा कुनाल कई दिनों से आगरा चौपाटी घूमने की जिद कर रहा था। आगरा के तारघर मैदान में भी कार्निवल (मेला) लगा था.

कानपुर में डबल मर्डर के बाद चौकी इंचार्ज सस्पेंडःविराट नगर चौकी से 200 मीटर दूरी पर हत्या हुई थी,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर । डबल मर्डर के बाद चौकी इंचार्ज सस्पेंडःविराट नगर चौकी से 200 मीटर दूरी पर हत्या हुई थी, गश्त में लापरवाही सामने आईचकेरी थानाक्षेत्र के सजारी कांशीराम कालोनी फेस वन निवासी 57 वर्षीय शिवनारायण त्रिवेदी किदवई स्थित कनक मार्बल में नौकरी करते थे।उनके साथ ही उनके बेटे सत्यम और शिवम भी काम करते थे। 22 मई रविवार रात तीनों एक बाइक से घर लौट रहे थे। रात करीब नौ बजे तीनों बाइक से विराट नगर स्थित वृंदावन गेस्ट हाउस के पास पहुंचे थे, तभी शराब ठेके से निकले एक बाइक सवार आरोपी सिमरा गांव के करन वर्मा, शिवा वर्मा और यशोदा नगर निवासी उत्सव अवस्थी की उनकी बाइक से टक्कर हो गई थी।इसके बाद कहासुनी से नाराज आरोपियों ने हेलमेट से पिता-पुत्रों को पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान आरोपी करन ने कमर से चाकू निकालकर पिता-पुत्रों हमला कर दिया। इसमें शिवनारायण और उनके छोटे बेटे शिवम की मौत हो गई, जबकि बड़ा बेटा शिवम गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस दौरान न तो कोई मदद को आगे आया था और न ही किसी ने पुलिस को सूचना दी।मुख्य आरोपी के दोनों पैर में लगी थी गोली बाद में राहगीरों के शोर मचाने पर भीड़ दौड़ी तो एक आरोपी शिवा वर्मा को दबोच कर पुलिस को सौंप दिया था। मुख्य आरोपी करन और उत्सव मौके से भाग निकले थे, जिन्हें पुलिस ने अगले दिन एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया। एनकाउंटर में मुख्य आरोपी करन के दोनों पैरों में गोली लगी थी। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि घटना के बाद पूरे मामले की समीक्षा की गई। जांच में संवेदनशील इलाके में नियमित गश्त और निगरानी नहीं किए जाने की बात सामने आई। इसके अलावा शराब ठेके के बाहर होने वाली गतिविधियों पर भी चौकी पुलिस की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिसको गंभीर लापरवाही मानते हुए चौकी इंचार्ज को सस्पेंड किया गया है।

फिरोज के प्यार में पागल हुई पूजा, विरोध पर पति को चारपाई पर बांधकर जिंदा जलाया;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के रेहरा गांव में पूजा गौतम नामक महिला ने अपने प्रेमी फिरोज के साथ मिलकर खौफनाक वारदात को अंजाम दिया. उसने अपने 28 वर्षीय पति लालजी गौतम को सोते समय चारपाई से बांधकर और ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर जिंदा जला दिया. अवैध संबंधों का राज खुलने और विरोध करने के कारण इस वारदात को अंजाम दिया गया. गंभीर रूप से झुलसे लालजी का बस्ती के एक मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है. पुलिस ने लालजी के पिता घम्माल प्रसाद की शिकायत पर मामला दर्ज कर मंगलवार को दोनों आरोपियों को स्थानीय बस स्टॉप से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.

साढ़ू बनकर दो साल से घर आ रहा था प्रेमी

पुलिस जांच में सामने आया है कि लालजी गौतम और पूजा की शादी आठ साल पहले हुई थी और उनके सात व चार साल के दो बच्चे हैं. पूजा का फिरोज नामक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था. किसी को शक न हो, इसलिए फिरोज पिछले दो साल से पूजा का साढ़ू (जीजा) बनकर उसके घर आता-जाता था. 21 मई को लालजी को पता चल गया कि फिरोज का उनकी पत्नी से कोई पारिवारिक रिश्ता नहीं है, जिसके बाद घर में तनाव बढ़ गया. विवाद के बाद उसी रात जब लालजी सो रहा था, तब पूजा और फिरोज ने उसे चारपाई से बांधकर आग के हवाले कर दिया. लालजी की चीखें सुनकर परिवार के लोग मौके पर भागे और किसी तरह आग बुझाई, लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से झुलस चुका था. क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार वर्मा ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है.

कासगंज में साधु की पीट-पीटकर हत्या: पानी पीने के लिए हैंडपंप चलाने के लिए कहा था,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में एक दबंग पर साधु की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगा है। साधु का कसूर बस इतना था कि पानी पीने के लिए उसने दबंग को हैंडपंप चलाने को कह दिया था। इससे दबंग नाराज हो गया। उसने साधु पर डंडों से हमला कर दिया। इसमें साधु बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मूल रूप से जिला फिरोजपुर के सलेमपुर के रहने वाले साधु विपिन कुमार (35) करीब 15 साल से नगला पीपल और भरसोली गांव में माता के मंदिरों में रहकर सेवा करते थे। वह मंदिरों में ही रहते हैं। पूजा-पाठ करते हैं। साधु की बहन की शादी नगला पीपल गांव में ही हुई है। साधु के जीजा जयप्रकाश ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को साधु विपिन गांव के मंदिर के पास पीपल के पेड़ के नीचे बैठे थे। जय प्रकाश ने कहा कि पेड़ के पास में एक हैंडपंप है। प्यास लगने पर वह हैंडपंप के पास पानी पीने पहुंचे। वहां पहले मौजूद भड़पुरा के कौशल कुमार से उन्होंने नल चलाने को कह दिया। आरोप है कि साधु की बात सुनते ही कौशल नाराज हो गया। आरोपी और साधु के बीच कहासुनी हो गई। उस समय लोगों ने मामला शांत कर दिया। इसी शाम को गांव में एक भोज था। साधु विपिन उसमें शामिल होने जा रहे थे। आरोपी कौशल ने इसी दौरान साधु पर डंडे से वार कर गिरा दिया। साधु के सीने और पीठ पर अनगिनत डंडे और लात-घूंसे मारकर अधमरा कर दिया। मौके पर लोगों के पहुंचने पर आरोपी भाग गया। हालांकि, इस हमले में साधु विपिन बुरी तरह से घायल हो गए।

ले जाया गया जिला अस्पताल

जय प्रकाश ने बताया कि घायल साधु को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। साधु के सिर, सीने और पीठ पर गहरे चोट लगे थे। मंगलवार देर रात इलाज के दौरान साधु ने दम तोड़ दिया। इसके बाद उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। वहीं, मामले में पुलिस ने बुधवार तड़के आरोपी कौशल को गिरफ्तार कर लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि आरोपी खनन के काम करने वालों के नजदीक रहता हैं। गांव में दबंगई करता है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का भी जायजा लिया है।

HIV पॉजिटिव बताकर इलाज के नाम पर बुजुर्ग से वसूले 2 लाख रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ । कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित शीला हॉस्पिटल पर बागपत निवासी एक बुजुर्ग को HIV पॉजिटिव बताकर इलाज के नाम पर करीब दो लाख रुपये वसूलने का गंभीर आरोप लगा है. पीड़ित परिवार ने अस्पताल प्रबंधन पर गलत रिपोर्ट दिखाकर डराने, सामाजिक बदनामी कराने और पैसे वापस मांगने पर धमकी देने का आरोप लगाया है. मामले की शिकायत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और मेरठ के सीएमओ से की गई है. सीएमओ ने पूरे मामले में जांच कर कार्रवाई की बात कही है. जानकारी के मुताबिक, बागपत निवासी मोहम्मद अशरफ अपनी बहू रूबी के साथ मेरठ के एसपी ऑफिस पहुंचे, जहां उन्होंने पूरे मामले की जानकारी दी. रूबी के अनुसार 19 अप्रैल को उनके ससुर की अचानक तबीयत खराब हो गई थी. इसके बाद उन्हें पहले बड़ौत ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने मेरठ रेफर कर दिया. इसके बाद मोहम्मद अशरफ को कंकरखेड़ा क्षेत्र स्थित शीला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में जांच के दौरान बुजुर्ग की HIV जांच कराई गई और उन्हें HIV पॉजिटिव बताया गया. इसके बाद अस्पताल में उनका इलाज शुरू कर दिया गया, जबकि वहां HIV का कोई इलाज नहीं था. आरोप है कि इलाज के नाम पर लगातार पैसे मांगे गए और करीब दो लाख रुपये ले लिए गए. करीब तीन दिन बाद परिवार मरीज को लेकर घर लौट आया. इसके बाद दूसरी जगह जांच कराई गई, जहां HIV संक्रमण नहीं पाया गया. परिवार ने एक अन्य जगह भी जांच कराई, वहां भी रिपोर्ट सामान्य आई. परिजनों का कहना है कि बुजुर्ग को केवल सांस की बीमारी थी, लेकिन अस्पताल ने HIV की बीमारी बताकर इलाज किया. पैसे मांगने पर धमकी देने का आरोप.

देवास में बारात लेकर पहुंचे 42 दूल्हे, 24 घंटे इंतजार के बाद भी नहीं आईं दुल्हनें!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर/देवास। मध्य प्रदेश के देवास जिले से एक ऐसा हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने शादी के नाम पर चल रहे एक बहुत बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। अमूमन आपने फिल्मों में या खबरों में 'एक लुटेरी दुल्हन' के किस्से सुने होंगे, लेकिन देवास में सामूहिक रूप से ठगी का एक ऐसा अनोखा 'मेगा स्कैम' सामने आया है, जहां एक-दो नहीं बल्कि पूरे 42 दूल्हे सज-धजकर, सेहरा बांधकर अपनी दुल्हनों का इंतजार करते रह गए। पूरे 24 घंटे बीत जाने के बाद भी जब दुल्हनें मंडप तक नहीं पहुंचीं, तब दूल्हों और उनके परिवारों को एहसास हुआ कि वे एक बहुत बड़ी धोखाधड़ी का शिकार हो चुके हैं।

क्या है पूरा माजरा? (कैसे बुना गया ठगी का जाल)

मिली जानकारी के अनुसार, गुजरात और अन्य पड़ोसी राज्यों के करीब 42 युवकों को एक संस्था या बिचौलियों के जरिए मध्य प्रदेश के देवास में सामूहिक विवाह का झांसा दिया गया था। इन सभी

दूल्हों और उनके परिवारों से शादी कराने और घर बसाने के नाम पर मोटी रकम (रजिस्ट्रेशन और अन्य खर्चों के नाम पर) वसूली गई थी। तय कार्यक्रम के मुताबिक, सभी 42 दूल्हे अपने-अपने परिवारों के साथ पूरी तैयारी करके देवास के निर्धारित वेडिंग वेन्यू (शादी स्थल) पर पहुंच गए। बारात तैयार थी, ढोल-नगाड़े बज रहे थे और दूल्हे अपनी दुल्हनों का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। घंटों बीत जाने के बाद भी जब लड़कियों की तरफ से कोई हलचल नहीं हुई, तो दूल्हा पक्ष के सब्र का बांध टूट गया। उन्होंने आयोजकों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनके फोन बंद आने लगे। दूल्हों और बारातियों ने पूरे 24 घंटे उसी उम्मीद में गुजार दिए कि शायद दुल्हनें अब आएंगी, लेकिन न तो दुल्हनें आईं और न ही उनके परिवार वाले। आखिरकार, जब मंडप में सन्नाटा पसर गया, तो ठगे गए परिवारों ने हंगामा शुरू कर दिया।

मामले की मुख्य कड़ियां:

पीड़ित: गुजरात और आसपास के राज्यों के 42 दूल्हे और उनके परिवार।

मोडस ऑपेरंडी (काम करने का तरीका): गरीब या जरूरतमंद युवकों को शादी का झांसा देकर लाखों रुपये ऐंठना।

पुलिस की कार्रवाई: शिकायत दर्ज, 2 मुख्य आरोपी गिरफ्तार।

पुलिस एक्शन: दो मास्टरमाइंड गिरफ्तार, जांच जारी

इस महा-घोटाले का खुलासा होते ही पीड़ित परिवारों ने तुरंत स्थानीय पुलिस स्टेशन का रुख किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत केस दर्ज किया और जाल बिछाकर इस गैंग से जुड़े दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

विवाद के बाद मुंबई की सोसायटी में कुर्बानी कैंसिल, पुलिस का आदेश- सुबह तक बकरे हटाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बकरीद से पहले कुर्बानी को लेकर विवाद बढ़ता दिख रहा है. गोरेगांव की एक सोसायटी में मामला बढ़ने पर पुलिस ने कुर्बानी की अनुमति रद्द कर दी और गुरुवार सुबह तक बकरों को हटाने का आदेश दिया है. मुंबई के दूसरे इलाकों में भी ऐसे विवाद सामने आए हैं. मुंबई की एक हाईराइज सोसायटी में ईद की कुर्बानी को लेकर विवाद के बाद बड़ा एक्शन लिया गया है. गोरेगांव के गोकुलधाम इलाके की सैटेलाइट गार्डन्स फेज-2 सोसायटी में बुधवार को कुर्बानी की तैयारी को लेकर तनाव का माहौल बन गया. मामला बढ़ता देख पुलिस को बीच में आना पड़ा. इसके बाद सोसायटी परिसर में कुर्बानी की अनुमति रद्द कर दी गई. इसके अलावा, डिंडोशी इलाके की एक दूसरी बिल्डिंग में भी बीएमसी ने पहले दी गई परमिशन वापस ले ली है. डिंडोशी पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर महेंद्र शिंदे ने बताया कि कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए यह

फैसला लिया गया है. उन्होंने कहा कि सोसायटी परिसर में कुर्बानी की इजाजत अब नहीं होगी. साथ ही वहां रखे गए बकरों को भी गुरुवार सुबह तक हटाने का आदेश दिया. वहीं, डिंडोशी इलाके की आजाद नगर ष्ठ3 बिल्डिंग में भी बीएमसी ने पहले दी गई कुर्बानी की अनुमति वापस ले ली है. अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआत में यहां परमिशन दी गई थी, लेकिन बाद में पता चला कि बिल्डिंग से करीब एक किलोमीटर दूरी पर पहले से एक मटन शॉप मौजूद है. इसी आधार पर सोसायटी परिसर में कुर्बानी की मंजूरी रद्द कर दी गई. मुंबई में बकरीद से पहले सोसायटी परिसरों में कुर्बानी को लेकर विवाद बढ़ता दिख रहा है. बुधवार को ही घाटकोपर वेस्ट की सागर पार्क हाउसिंग सोसायटी में भी ऐसा ही मामला सामने आया. यहां सोसायटी परिसर में बकरे की कुर्बानी की तैयारी को लेकर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई, जिसके बाद माहौल गरमा गया. मामले की जानकारी मिलने पर बीजेपी नेता किरीट सोमैया मौके पर पहुंचे और बीएमसी प्रशासन पर सवाल उठाए. हालांकि, बीएमसी ने साफ किया कि उसने पहले ही सोसायटी परिसर के अंदर कुर्बानी की अनुमति देने से इनकार कर दिया था. इससे पहले ठाणे की एक हाउसिंग सोसायटी में भी बकरों को रखने और उनके लिए शेड बनाए जाने को लेकर विवाद सामने आया था. वहां कुछ लोगों ने विरोध के तौर पर सोसायटी परिसर में सुअर लाकर प्रदर्शन किया था, जिसके बाद मामला चर्चा में आ गया. फिलहाल प्रशासन का कहना है कि त्योहार के दौरान किसी तरह का तनाव न बढ़े, इसलिए एहतियातन कदम उठाए जा रहे हैं.

जनगणना ड्यूटी पर तैनात शिक्षक समेत 14 लोगों को कुत्ते ने काटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले के लाहुरी गांव में एक पागल कुत्ते ने दो दिनों में शिक्षक समेत 14 लोगों को काट लिया, जिससे गांव में दहशत फैल गई. घायलों को पहले कैज उप-जिला अस्पताल और बाद में अंबाजोगाई के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया. जनगणना ड्यूटी पर पहुंचे शिक्षक मंगेश सोनके इस हमले के पहले शिकार बने. कुत्ता गांव में घूम-घूमकर लोगों पर हमला करता रहा. बाद में ग्रामीणों ने उसे घेरकर डंडों से पीट-पीटकर मार डाला. स्वास्थ्य विभाग ने सभी को एंटी-रेबीज उपचार दिया है. महाराष्ट्र के बीड जिले में एक पागल कुत्ते के हमले से दहशत फैल गई. बीड के कैज तहसील स्थित लाहुरी गांव में इस कुत्ते ने दो दिनों के भीतर एक शिक्षक समेत 14 लोगों को काट लिया. घटना के बाद पूरे गांव में डर का माहौल बन गया. कैज उप-जिला अस्पताल के अधीक्षक डॉ. दत्तात्रय केंद्रे ने बताया कि सभी घायलों को पहले कैज उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए अंबाजोगाई स्थित स्वामी रामानंद तीर्थ ग्रामीण अस्पताल भेज दिया गया. डॉ.

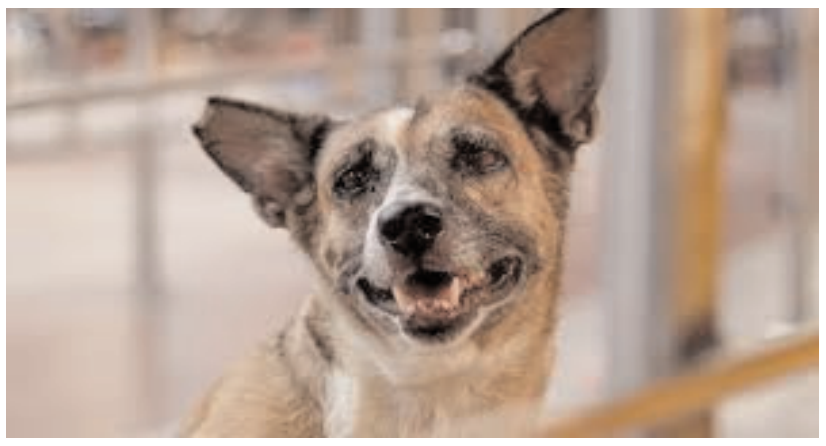

केंद्रे के अनुसार, कुत्ते ने सोमवार को लाहुरी गांव में 9 लोगों को काटा, जबकि मंगलवार को उसने 5 अन्य लोगों पर हमला किया. हमले का पहला शिकार स्थानीय स्कूल के सहायक शिक्षक मंगेश सोनके बने, जो जनगणना कार्य के लिए गांव पहुंचे थे. गांव में प्रवेश करते ही कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया. इसके बाद कुत्ता लगातार गांव में घूमता रहा और कई अन्य लोगों को भी काट लिया. घटना से ग्रामीणों में भारी दहशत फैल गई. आखिरकार मंगलवार दोपहर ग्रामीणों के एक समूह ने कुत्ते को घेर लिया और डंडों से पीट-पीटकर मार डाला. स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित लोगों को एंटी-रेबीज उपचार उपलब्ध कराया है और गांव में सतर्कता बढ़ा दी गई है.

हर्षवर्धन सपकाल के पीएम मोदी पर बयान को लेकर महाराष्ट्र में घमासान, भड़की BJP

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के पीएम मोदी को दिए गए अमर्यादित बयान पर घमासान शुरू हो गया है। बीजेपी ने हर्षवर्धन सपकाल पर निशाना साधा है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को जमकर सुनाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के खिलाफ जो निचले स्तर की टिप्पणी की है। वह में जाएंगे। नितश राणे ने भी निशाना साधा। भाजपा विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जैसे कांग्रेस के नेता हैं, वैसे ही उनके कार्यकर्ता हैं। जैसे संस्कार हैं, वैसे ही उनकी भाषा है। वहीं शहजाद पूनावाला ने भी कांग्रेस नेता को निशाने पर लिया है। सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि अगर किसी नेता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों या कामकाज में कोई कमी नजर आती है, तो उस पर लोकतांत्रिक तरीके से बात की जा सकती है। लेकिन जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कांग्रेस नेताओं की ओर से किया जा रहा है, वह पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल सिर्फ एक

व्यक्ति का नहीं, बल्कि देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है, जिन्होंने लोकतांत्रिक तरीके से उन्हें चुना है।

'हर्षवर्धन सपकाल की औकात क्या'

एकनाथ शिंदे ने कहा कि कांग्रेस ने जो आरोप लगाया है, उसकी मैं निंदा करता हूं। मैं इतना कहता हूं कि देश का असली धुरंधर नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने देश को आगे बढ़ाया है। जिन्होंने आरोप लगाया है। वह असली दरिंदर हैं। कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली। सूरज पर जो थूकता है, उसके मुंह पर खुद गिरता है। जिन्होंने पीएम मोदी पर आरोप लगाया है। उनकी कब्र खुदी है और आगे भी खुदेगी। पीएम मोदी ने देश को अपने जीवन के 25 साल दिए। समर्पित भावना से काम किया है। वह देशभक्त हैं। जो एक-डेढ़ साल से महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष बने हैं, उनकी क्या औकात है? 'कमजोर कांग्रेस कर रही बयानबाजी' बीजेपी नेता ने कहा कि कांग्रेस अब लगातार राजनीतिक जमीन खोती जा रही है। एक समय पश्चिम बंगालमें कांग्रेस की मजबूत सरकार थी, लेकिन आज हालत यह है कि पार्टी की मौजूदगी तक मुश्किल से दिखाई देती है। बिहार समेत कई राज्यों में भी कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो चुकी है। उनके मुताबिक, सत्ता से दूर होने के बाद कांग्रेस नेताओं को चारों तरफ अंधेरा दिखाई दे रहा है और इसी वजह से वे इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। यह जो महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल हैं, इनकी कोई औकात नहीं है। देश के पद प्रधान के बारे में, जिस तरह की भाषा, उन्होंने इस्तेमाल की। इसलिए मैं कांग्रेस को हमेशा पाकिस्तान का एजेंट बुलाता हूं। राहुल गांधी खुद पाकिस्तान के एजेंट है और उसके यह सारे चेले हैं। नितेश राणे 'कांग्रेस को गलतफहमी' सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि कांग्रेस को लगता है कि तीखी और अभद्र भाषा बोलकर जनता का समर्थन हासिल किया जा सकता है,

कोंकण रेलवे के जनक लोकमान्य मधु दंडवते रेलवे टर्मिनस रखने को महाराष्ट्र की मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने सावंतवाड़ी रेलवे स्टेशन का नाम कोंकण रेलवे के जनक और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय मधु दंडवते के नाम पर रखने को मंजूरी दी। केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद, सावंतवाड़ी रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर लोकमान्य मधु दंडवते रेलवे टर्मिनस कर दिया गया है। रेल मंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में कार्य कर चुके स्वर्गीय मधु दंडवते को कोंकण रेलवे का जनक माना जाता है। उन्होंने कोंकण रेलवे परियोजना को साकार रूप देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कोंकण क्षेत्र से संबंधित रेलवे मुद्दों पर निरंतर और समर्पित रूप से कार्य किया। सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में यह कहा गया है कि कोंकण के लोग दृढ़ता से मानते हैं कि उनकी दूरदर्शिता के कारण ही कोंकण रेलवे की शुरुआत हुई। परिणामस्वरूप, पिछले कुछ वर्षों से कोंकण रेलवे मार्ग पर स्थित महत्वपूर्ण सावंतवाड़ी रेलवे स्टेशन का नाम उनके नाम पर रखने की लगातार मांग बनी हुई है।

लंबे समय से कोंकण के लोगों की थी मांग

इस नामकरण प्रस्ताव को केंद्रीय गृह मंत्रालय और रेल मंत्रालय को प्रस्तुत करने की भी मंजूरी दे दी गई है। इस निर्णय के साथ, कोंकण क्षेत्र के लोगों की एक लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। इसके अलावा, देश में चल रही जनगणना 2027 के मद्देनजर, मंत्रिमंडल ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के सामान्य तबादलों की समय सीमा 2026 तक बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। तदनुसार, सरकार अब 30 जून, 2026 तक तबादलों की प्रक्रिया पूरी कर सकेगी।

यह भी मंजूर

इस प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए, महाराष्ट्र सरकारी सेवक स्थानांतरण और आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में देरी की रोकथाम संबंधी अधिनियम, 2005 में संशोधन किया जाएगा। बैठक के दौरान इस संशोधन के मसौदे को भी मंजूरी दी गई। आम तौर पर, सरकारी कर्मचारियों के नियमित तबादले हर साल अप्रैल और मई में होते हैं। हालांकि, जनगणना 2027 का पहला चरण वर्तमान में देशभर में चल रहा है।

इस चरण के तहत मकानों की सूची बनाने और आवास जनगणना का कार्य 16 मई, 2026 से 14 जून, 2026 के बीच आयोजित किया जाना निर्धारित है। केंद्र सरकार ने निर्देश जारी किए हैं कि जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों का तबादला नहीं किया जाना चाहिए। इस कार्य के लिए नियुक्त सरकारी कर्मचारियों के सामान्य तबादलों की समय सीमा को 30 जून, 2026 तक बढ़ाना आवश्यक है। फलस्वरूप, इस विस्तार के संबंध में संबंधित अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता है।

न्यू नागपुर और न्यू आउटर रिंग रोड को लेकर मामला बढ़ा आगे

इसके बाद, राज्यपाल की सहमति से इस विस्तार के संबंध में एक अध्यादेश जारी करने की मंजूरी दी गई, विज्ञप्ति में कहा गया है। इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने न्यू नागपुर और न्यू आउटर रिंग रोड परियोजनाओं के लिए बातचीत के माध्यम से निजी भूमि की सीधी खरीद से संबंधित लेनदेन पर स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क की छूट को भी मंजूरी दे दी।

नागपुर जिले के हिंगना तालुका में मौजे गोधानी और मौजा लाडगांव स्थित नए नागपुर में एक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त केंद्र विकसित किया जाएगा। इस परियोजना का निर्माण नागपुर महानगर विकास प्राधिकरण (एनएमआरडीए) द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही, नागपुर शहर के चारों ओर 148 किलोमीटर लंबी बाहरी रिंग रोड और चार परिवहन केंद्र (टर्मिनल) विकसित किए जाएंगे।

मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार, दोनों परियोजनाओं के लिए निजी भूमि को बातचीत के माध्यम से खरीदा जाना चाहिए। इसमें स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क के रूप में लगभग 637 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। ये दोनों परियोजनाएं अत्यंत महत्वाकांक्षी और जनहित में हैं। इनसे क्षेत्रीय विकास को काफी बढ़ावा मिलेगा और उद्योगों एवं व्यवसायों के लिए अनेक अवसर उत्पन्न होंगे। अतः इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करना आवश्यक है।

विधान परिषद की वजह से महायुति में 'महामंडल' का बंटवारा भी लटका!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। विधान परिषद की 17 सीटों पर होने वाले चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर महायुति के घटक दलों बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और सुनेत्रा पवार की एनसीपी के बीच चल रही खींचतान के कारण महामंडल का बंटवारा भी लटक गया है। सूत्रों के मुताबिक महायुति में महामंडलों के बंटवारे का फॉर्मूला लगभग तय हो गया है। इसके तहत बीजेपी को 48 प्रतिशत, शिंदे सेना को 29 प्रतिशत और एनसीपी को कुल महामंडल का 23 प्रतिशत मिलना तय हुआ है। लेकिन विधान परिषद चुनाव को लेकर सत्ताधारी दलों के बीच खींचतान के कारण महामंडलों का बंटवारा लटक गया है। 22 जून 2026 से शुरू हो रहे विधानमंडल के मॉनसून सत्र से पहले महामंडलों के बंटवारे को फाइनल करने की योजना थी। लेकिन विधान परिषद चुनाव के कारण अब मॉनसून सत्र के बाद ही महामंडलों को हरी झंडी मिलेगी। वहीं महामंडलों की उम्मीद लगाए विधायकों और नेताओं का इंतजार बढ़ गया है। बता दें कि पिछली सरकारों ने भी पूरी तरह से महामंडलों का बंटवारा नहीं किया था, इसमें देवेंद्र फडणवीस की पहली सरकार से लेकर शिंदे सरकार तक शामिल है।

फाइनल मुहर लगाएंगे CM और दोनों DCMÑ

सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के 'वर्षा' बंगले पर हुई बीजेपी की बैठक में महामंडलों के बंटवारे का ऐसा फॉर्मूला तैयार किया गया, जिसने सहयोगी दलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। इस संबंध में सीएम फडणवीस , उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार के बीच भी बातचीत हो गई है। हालांकि अभी यह नहीं तय हो पाया है कि किस पार्टी के खाते में कौन सा महामंडल जाएगा। इस पर आने वाले दिनों में तीनों नेताओं की अलग से बैठक हो सकती है जक़िस्में महामंडलों का फाइनल होगा। इसके बाद बीजेपी के महामंडल का सीएम और अपने-अपने दलों के लिए दोनों उपमुख्यमंत्री घोषणा करेंगे। बीजेपी के एक नेता ने बताया कि विधानसभा में हमारे विधायकों की संख्या ज्यादा है उस आधार पर हमने मित्र दलों को ज्यादा महामंडल देने की पेशकश की है। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी 132, शिवसेना 57 और एनसीपी ने 41 सीटें जीती थीं। नियम के अनुसार 288 विधायकों में से अधिकतम 43 मंत्री बनाए जा सकते हैं। अभी मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री सहित कुल 42 मंत्री फडणवीस सरकार में हैं। इस लिहाज से सिर्फ 1 मंत्री का पद सरकारें अक्सर रखती हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में लगभग 50 -52 महामंडल हैं।राजनीतिक जानकारों का कहना है कि लोकसभा, विधानसभा और अब विधान परिषद में एकनाथ शिंदे की शिवसेना को उम्मीद से कम सीटें बीजेपी से मिलने की आशंका है। मंत्री न बन पाने वाले विधायकों , दर्जनों नेताओं और करीबी समर्थकों को सत्ता में भागीदारी के आश्वासन दिए गए थे। अब अगर महामंडलों में अपेक्षित हिस्सेदारी नहीं मिली, तो शिंदे गुट में अंदरूनी असंतोष फैलने की आशंका जताई जा रही है। वहीं सुनेत्रा पवार के लिए चुनौती काम नहीं होगी।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार, अब तक 13 गिरफ्तार

-एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर चला चुकी है तलाशी अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में गिरफ्तार लोगों की 13 हो गई है। सीबीआई के मुताबिक लातूर निवासी डॉक्टर मनोज शिरुरे को इस मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि उन्होंने कोचिंग सेंटर संचालक के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पी वी कुलकर्णी से रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मामले में गिरफ्तार दूसरे आरोपी की पहचान तेजस हर्षदकुमार शाह के रूप में हुई है। वह पुणे स्थित डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल अकादमी में भौतिकी के फैकल्टी सदस्य हैं। सीबीआई के मुताबिक उन्हें नीट-यूजी 2026 परीक्षा का लीक हुआ भौतिकी का प्रश्नपत्र पहले से गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिला था। एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर तलाशी अभियान चला चुकी है। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की विस्तृत जांच की जा रही है। सीबीआई ने यह मामला 12 मई को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया था। शिकायत में नीट-यूजी 2026 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की बात कही थी। सीबीआई के मुताबिक जांच में पता चला है कि परीक्षा से पहले रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भौतिक विज्ञान के प्रश्नपत्र प्रसारित किए गए थे। एजेंसी अब प्रश्नपत्र लीक के असली स्रोत और पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है। सीबीआई ने कहा है कि वह इस मामले की व्यापक, निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिमाचल : पहाड़ दरकने से जाहलमा पुल टूटा, कार नदी में गिरी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिले लाहौल-स्पीति के उदयपुर में बिन बरसात ही कुदरत का भारी कहर देखने को मिला है। सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण तांदी-संसारी मार्ग पर लगातार हो रहे भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण आखिरकार ऐतिहासिक जाहलमा पुल टूट कर नदी में समा गया है। बीते तीन दिनों से इस पुल के एक छोर पर पहाड़ी से लगातार भारी चट्टानें गिर रही थीं, जिसके चलते अब पुल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह धराशाई हो गया है। इस आपदा के कारण उदयपुर का लाहौल के मुख्य केंद्र केलांग और मनाली से संपर्क पूरी तरह कट गया है। जाहलमा पुल के टूटने से घाटी के लोगों की मुश्किलें बेहद बढ़ गई हैं। अब यदि स्थानीय निवासियों या पर्यटकों को मनाली या शेष हिमाचल के अन्य हिस्सों में जाना है, तो उन्हें पांगी घाटी होते हुए खतरनाक साच पास को पार कर चंबा के रास्ते सफर करना होगा। इस वैकल्पिक मार्ग से यात्रा करने में लोगों को करीब दो दिन का अतिरिक्त समय लगेगा। इसी बीच लाहौल की मूलिंग घाटी से भी एक और दर्दनाक हादसे की खबर आई है, जहां बीती रात करीब 10 बजे अचानक पहाड़ी दरक गई। इस लैंडस्लाइड की चपेट में आकर एक चलती कार अनियंत्रित होकर सीधे उफनती नदी में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में केवल चालक ही सवार था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और मुस्तैद पुलिस बल ने तुरंत संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और कार सवार को सुरक्षित नदी से बाहर निकालकर केलांग अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मूलिंग में आए दिन लैंडस्लाइड होता रहता है, जिससे हर वक्त लोगों की जान पर खतरा मंडराता रहता है। इससे पहले मंगलवार को भी मूलिंग में भारी चट्टानें गिरने से लेह-मनाली नेशनल हाईवे घंटों बंद रहा था।

पूर्व सीएम विजयन के घर रेड करने पहुंचे ईडी अफसरों पर पत्थरबाजी

-विजयन के साथ ही उनकी बेटी के आवास पर भी छापेमारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के बाहर निकलने के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। कन्नूर में पूर्व सीएम विजयन के घर पर ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद जांच अधिकारी बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए ईडी अधिकारियों से सवाल पूछने लगे, जिससे गेट पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी देर तक धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, इसके बाद सुरक्षाकर्मियों की मदद से अधिकारियों को बाहर निकाला गया। बात दें कि ईडी की कार्रवाई ने केरल की राजनीति में सियासी घमासान तेज किया है। सीपीआई(एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक मकसद से प्रेरित है और विपक्षी नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। सीपीआई(एम) के महासचिव बेबी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उन्हें राहत दी। उन्होंने दावा किया कि ईडी अब एक स्वतंत्र एजेंसी के बजाय भाजपा सरकार की राजनीतिक मशीनरी बन गई है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को केरल में कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजयन और उनकी बेटी वीणा के आवास भी शामिल थे। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है, जिसमें विजयन की बेटी की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस का नाम सामने आया है। यह मामला कोच्चि स्थित कोच्चि मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित अवैध भुगतानों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। ईडी की छापेमारी का मुख्य आधार अप्रैल 2025 में सीरियस फॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) द्वारा दायर चार्जशीट है। एसएफआईओ ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस पर आरोप लगाया है कि उसने 2018-19 से तीन वर्षों तक सीएमआरएल से बिना कोई सेवा दिए अवैध भुगतान प्राप्त हुए थे। 2017 में एक्सालॉजिक और सीएमआरएल के बीच सॉफ्टवेयर और मार्केटिंग सेवाओं के लिए अनुबंध हुआ था, लेकिन जांच में पाया गया कि निर्धारित सेवाएं प्रदान नहीं की गईं। इस कथित वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा सबसे पहले 2019 में आयकर विभाग की सीएमआरएल परिसरों पर हुई छापेमारी के दौरान हुआ था, जिसकी रिपोर्ट में संदिग्ध भुगतानों का उल्लेख था। जनवरी 2024 में केंद्र ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस, सीएमआरएल और केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए एसएफआईओ को आदेश दिए थे।

ममता ने सनातन को कहा था गंदा धर्म ? अब वकील ने कराया मामला दर्ज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सिलीगुड़ी में एक स्थानीय वकील की शिकायत के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ गंभीर धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ममता बनर्जी ने पिछले साल कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर आयोजित ईद-उल-फितर के एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिससे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(1) (आपराधिक धमकी), धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर किया गया अपमान) और धारा 353 (विभिन्न समुदायों के बीच दुश्मनी और नफरत को बढ़ावा देना) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह मामला वकील रिंकी चटर्जी द्वारा दर्ज कराया गया है, जिन्होंने साल 2025 में ईद के मंच से दिए गए ममता बनर्जी के भाषण का हवाला दिया है।

आरोप है कि उस कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि वह उस गंदे धर्म को नहीं मानतीं जिसे विपक्षी दल ने जानबूझकर गढ़ा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि एक सार्वजनिक और मुस्लिम धार्मिक सभा के मंच से इस तरह की टिप्पणी करना पूरी तरह से अनुचित है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि टीएमसी के कई वरिष्ठ नेताओं ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार सनातन धर्म को निशाना बनाया है और वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी हिंदू समुदाय को परोक्ष रूप से धमकी दी गई थी। इससे पहले विपक्षी दलों ने भी इस बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर इसकी तीखी आलोचना की थी और इसे बहुसंख्यक समाज की आस्था का अपमान बताया था।

इस कानूनी कार्रवाई और एफआईआर के बाद तृणमूल कांग्रेस रक्षात्मक मुद्रा में नजर आ रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले को लेकर अब पार्टी के भीतर से ही विरोध के सुर उठने लगे हैं। टीएमसी की दार्जिलिंग इकाई के महासचिव और पेशे से वकील अत्री शर्मा ने व्यक्तिगत तौर पर एक बड़ा बयान देते हुए स्वीकार किया है कि जब पार्टी सत्ता में थी, तब भी संगठन के भीतर कई लोग इस प्रकार के बयानों के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष पद पर रहते हुए इस तरह की टिप्पणी करना वास्तव में अनुचित था और पार्टी के प्रति वफादार रहने वाले कार्यकर्ताओं ने भी कभी ऐसी विवादास्पद टिप्पणियों का समर्थन नहीं किया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि देश के हर नागरिक को ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज कराने का नैतिक अधिकार है। इस आंतरिक विरोध ने पूर्व मुख्यमंत्री की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

आसाराम की उम्रकैद बरकरार, हाईकोर्ट ने कहा- तत्काल सरेंडर करें

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम को बड़ी राहत देने से इनकार करते हुए उनकी आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। हालांकि, अदालत ने उन्हें गैंगरेप (सामूहिक दुष्कर्म) के आरोप से बरी कर दिया है, लेकिन अन्य गंभीर आरोपों में उनकी दोषसिद्धि और सजा को यथावत रखा गया है। इसके साथ ही वर्तमान में पैरोल पर बाहर चल रहे आसाराम को अदालत ने तुरंत सरेंडर करने का भी आदेश दिया है। यह अहम फैसला राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ में जस्टिस अरुण

मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने सुनाया। कोर्ट ने आसाराम सहित तीन आरोपियों की ओर से दायर अपीलों पर सुनवाई पूरी करते हुए स्पष्ट किया कि नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना कि गैंगरेप की धारा के तहत दोष सिद्ध नहीं होता, इसलिए उन्हें उस विशेष आरोप से राहत दी गई, लेकिन अन्य सभी आरोप पर्याप्त रूप से साबित होते हैं। इसी वजह से उनकी मुख्य सजा बरकरार रहेगी। इस मामले के दो अन्य सह-आरोपियों, शिल्पी और शरतचंद को अदालत से आंशिक राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनकी अपीलों पर फैसला सुनाते हुए उनके खिलाफ दर्ज कुछ धाराओं में राहत प्रदान की है, जबकि शेष मामलों में निचली अदालत का आदेश यथावत रखा गया है। यह बहुचर्चित मामला वर्ष 2013 का है, जब जोधपुर स्थित आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में आसाराम के खिलाफमामला दर्ज किया गया था। पुलिस जांच और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, वर्ष 2018 में विशेष अदालत ने आसाराम को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले को आसाराम की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जहां से अब उनकी मुख्य सजा को बरकरार रखते हुए उन्हें वापस जेल भेजने का आदेश जारी किया गया है।

भारत में इबोला ने दी दस्तक, युगांडा से बेंगलुरु आई महिला मिली पॉजिटिव

- प्रशासन अलर्ट, किया क्वारंटीन

बेंगलुरु (एजेंसी)। अफ्रीकी देशों में कहर ढाने वाले खतरनाक इबोला वायरस की आहट भारत में भी महसूस की जा रही है। युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला वायरस जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने के बाद उसे बेंगलुरु की एक मेडिकल फैसिलिटी में क्वारंटीन कर दिया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, मृत्यु दर के मामले में यह वायरस कोरोना वायरस से कहीं ज्यादा खतरनाक है। संक्रमित मामलों में इस वायरस की मृत्यु दर 50 से 90 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके कारण इसे बेहद घातक माना जाता है। इससे पहले डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान जैसे देशों में इस वायरस की वजह से 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और एक हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।

इबोला एक बेहद संक्रामक और जानलेवा वायरल बीमारी है, जिसके कारण मरीज को गंभीर रक्तस्राव (हेमोरेजिक बुखार) हो सकता है और शरीर के महत्वपूर्ण अंग तक खराब हो सकते हैं। यह वायरस किसी संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों, जैसे खून, लार या पसीने के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। वर्तमान में इसकी कोई पुख्ता दवा या टीका उपलब्ध नहीं होने के कारण यह संक्रमण अत्यधिक जानलेवा साबित होता है। कांगो में इसकी भयावह स्थिति को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहले ही इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर रखा है। कांगो के इटुरी प्रांत में हिंसक संघर्षों के कारण इस बीमारी की शुरुआती पहचान करना और मुश्किल हो गया है। बेंगलुरु में संदिग्ध मामला सामने आने के बाद भारत सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित देशों की अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह जारी की है। देश में सुरक्षा और तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठकें की गई हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी सभी एयरलाइंस के लिए एक सख्त स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) और गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत विमानन कंपनियों को उड़ान के दौरान आवश्यक घोषणाएं करने तथा प्रभावित देशों से आने वाले या वहां से ट्रांजिट करने वाले यात्रियों से अनिवार्य रूप से सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म भरवाने के निर्देश दिए गए हैं। देश के हवाई अड्डों और स्वास्थ्य केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि इस खतरनाक वायरस को भारत में फैलने से समय रहते रोका जा सके।

जुबीन गर्ग मौत मामला: कोर्ट ने 4 आरोपियों पर तय किए हत्या के आरोप

-अब दर्ज होंगे सभी गवाहों के बयान

गुवाहाटी (एजेंसी)। असमिया गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में एक बड़ा मोड़ सामने आया है। गुवाहाटी की एक फास्ट-ट्रैक अदालत ने इस मामले में सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए हैं, जिनमें से चार मुख्य आरोपियों पर सीधे तौर पर हत्या का आरोप लगाया गया है। यह न्यायिक कार्रवाई उस घटना के ठीक दो महीने बाद हुई है, जब सिंगापुर की एक अदालत ने जुबीन गर्ग की मौत को महज एक दुर्घटनावश डूबने का मामला करार दिया था और किसी भी तरह की आपराधिक साजिश से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि, भारत में जिला और सत्र अदालत की जज शर्मिला भुयान की कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को विस्तार से सुनने और असम सीआईडी द्वारा गठित विशेष जांच दल की चार्जशीट का गहन परीक्षण करने के बाद भारतीय न्याय संहिता की 10 अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप तय करने का फैसला सुनाया।

अदालत द्वारा तय किए गए इन आरोपों में सामान्य इरादा, आपराधिक साजिश, हत्या, गैर-इरादतन हत्या, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और सबूत मिटाने से जुड़े

बेहद गंभीर कानूनी प्रावधान शामिल हैं। इस बड़े फैसले के बाद अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की पूरी कानूनी सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। मामले में सबसे गंभीर आरोप भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का है, जो चार प्रमुख आरोपियों-सिद्धार्थ शर्मा, श्याम काणु महंता, शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रवा महंता पर लगाया गया है।

न्यायालय के दस्तावेजों के अनुसार, इन चारों मुख्य आरोपियों पर संयुक्त रूप से अपराध करने, आपराधिक साजिश रचने और हत्या की धाराओं के तहत मामला चलेगा। इसके अलावा, श्याम काणु महंता पर जबरन वसूली (धारा 308(2)), धोखाधड़ी व बेईमानी से प्रेरित करने (धारा 318(4)) और सबूत गायब करने (धारा 238) के अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए हैं। वहीं, सिद्धार्थ शर्मा और शेखर ज्योति गोस्वामी पर अतिरिक्त रूप से विश्वासघात की धारा 316(5) लगाई गई है, जबकि अमृत प्रवा महंता पर भी धारा 238 के तहत सबूत मिटाने का आरोप दर्ज किया गया है।

इस मामले के अन्य आरोपियों में दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के चचेरे भाई और पूर्व असम पुलिस अधिकारी संदीपन गर्ग शामिल हैं, जिन पर धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) के तहत आरोप तय किए गए हैं। इसके साथ ही, गायक के दो पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड्स-पेरेश बैश्य और नदेश्वर बोरा पर धारा 61(2) और 316(5) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का कहना है कि अब ट्रायल के दौरान अदालत में हर एक धारा की प्रासंगिकता और घटना में प्रत्येक आरोपी की वास्तविक भूमिका की गहनता से जांच की जाएगी। गौरतलब है कि मशहूर गायक जुबीन गर्ग की मौत पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में लाजारस आइलैंड के पास एक निजी यॉट ट्रिप के दौरान रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई थी। इस दुखद घटना के बाद पूरे असम में शोक की लहर दौड़ गई थी और उनकी मौत की परिस्थितियों को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया था। सार्वजनिक आक्रोश और संदेह को देखते हुए असम सरकार ने मामले की गहराई से जांच के लिए तत्काल एक एसआईटी का गठन किया था। खुद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सार्वजनिक रूप से इस घटना को साफ-साफ हत्या करार देते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए थे, जिसके बाद अब कोर्ट ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है।

खड़गे का महंगाई पर तीखा वार- मोदी सरकार की प्रायोजित मंहगाई से जनता के पसीने छूट रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में बढ़ती महंगाई और ईंधन की आसमान छूती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने अपनी भड़ास निकालते हुए लिखा, भाजपा प्रायोजित महंगाई की आग से आम जनता के पसीने छूट रहे हैं। अपनी सरकार की बेहिसाब लूट पर भी कभी कुछ बोलिए, पीएम मोदी जी? उनके बयान को केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और विशेषकर पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों पर एक सीधा राजनीतिक प्रहार बताया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बयान तब आया है, जब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई चरणों में लगातार बढ़ रही हैं। कांग्रेस का आरोप रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अपेक्षाकृत स्थिरता के बावजूद, आम जनता को ईंधन की कीमतों में कोई राहत नहीं दी जा रही है। बल्कि, मोदी सरकार ईंधन पर भारी टैक्स लगाकर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है, इस को कांग्रेस फ्यूल लूट का नाम दे रही है। पार्टी नेताओं ने हाल के दिनों में ÷फ्यूल लूट÷ और ÷महंगाई÷ को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना मोर्चा तेज किया है। कांग्रेस नेता खड़गे का पोस्ट सिर्फ पेट्रोल-डीजल की कीमतों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा इशारा रसोई, परिवहन व्यवस्था, कृषि

क्षेत्र और छोटे कारोबार पर पड़ने वाले व्यापक असर की ओर है। कांग्रेस का कहना है कि ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ती है, जिससे हर जरूरी वस्तु की कीमत में इजाफा होता है। इस बढ़ोतरी का अंतिम बोझ अंततः आम उपभोक्ता पर पड़ता है, जिससे उसकी जेब और तंग होती जाती है। यह मुद्दा अब भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव का बड़ा केंद्र बिंदु बनता जा रहा है। जहां कांग्रेस इस फेल नीति को जनता की कमाई पर सीधा हमला बताकर मोदी सरकार को घेर रही है, वहीं सत्ताधारी भाजपा विपक्ष पर गैर-जरूरी मुद्दों पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है। इस तरह, बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतें आने वाले दिनों में भी राजनीतिक बहस का गरमागरम विषय बनी रहेंगी, खासकर जब देश में चुनावी माहौल बना हुआ है।

सीएम सुक्खू की दो टूक कहा- वो करें तो पुण्य हम करें तो पाप

-पंचायत चुनाव पर हो रही सियासत

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में जारी पंचायत चुनावों के बीच राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर बेहद तेज हो गया है। राज्य की कांग्रेस सरकार पर भाजपा द्वारा लगाए गए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों, मुख्य सचिव की नियुक्ति और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के मुद्दों पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कड़ा रुख अपनाते हुए विपक्ष पर जोरदार पलटवार किया है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष की कथनी और करनी में हमेशा से ही बड़ा अंतर रहा है। वे करें तो पुण्य हम करें तो पाप। संजय गुप्ता को कार्यवाहक मुख्य सचिव से नियमित मुख्य सचिव बनाए जाने के प्रशासनिक फैसले पर भी मुख्यमंत्री ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा की सोच अब आप करें तो पुण्य और हम करें तो पाप जैसी हो गई है। प्रशासनिक नियुक्तियां पूरी तरह से मौजूदा सरकार का अधिकार क्षेत्र हैं और हर रूटीन फैसले को राजनीतिक रंग देना कतई उचित नहीं है। इसके अलावा, पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर भी मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने

याद दिलाया कि जब विधानसभा में अनाथों और विधवाओं के कल्याण के लिए सेस (उपकर) बढ़ाने का मुद्दा आया था, तब भाजपा ने उसका पुरजोर विरोध किया था, लेकिन आज वही भाजपा केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाई गई तेल की कीमतों पर पूरी तरह मौन है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केवल 11 दिनों के भीतर पेट्रोल-डीजल के दाम करीब 7 रुपये तक बढ़ा दिए गए, जिससे आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा है। दूसरी तरफ, व्यापारियों को राहत देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इंस्पेक्टर राज को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में काम कर रही है और अब दुकानदार अपनी इच्छा से 24 घंटे दुकानें खोल सकते हैं, बशर्ते श्रमिकों को उनका उचित मेहनताना मिले। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पंचायत चुनाव के पहले चरण में जनता की भारी भागीदारी पर गहरा संतोष व्यक्त किया। कैबिनेट बैठक को लेकर विपक्ष के घेराव पर मुख्यमंत्री ने साफ किया कि पंचायत चुनावों के दौरान कैबिनेट बैठकें होना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने प्रदेश के राजनीतिक इतिहास और पूर्व की सरकारों का उदाहरण देते हुए कहा कि वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल और जय राम ठाकुर के कार्यकाल में भी चुनावी माहौल के दौरान कैबिनेट बैठकों का आयोजन होता रहा है। ऐसे में भाजपा का मौजूदा विरोध केवल सस्ती राजनीतिक बयानबाजी के अलावा और कुछ नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हाल ही में आयोजित कैबिनेट बैठक में आम जनता से जुड़े बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे, जिन पर बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए समय पर निर्णय लेना अनिवार्य था। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि आदर्श आचार संहिता का सम्मान करते हुए इस बैठक की आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग चुनाव परिणाम आने के अगले दिन यानी 1 जून को ही की जाएगी।

यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाने सरकार बना रही खास प्लान

-प्रस्ताव मुख्य सचिव को भेजा, मंजूरी मिलते ही योजना को मिलेगी गति

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी सरकार मानसून में यमुना नदी के बढ़े हुए जल स्तर का सदुपयोग करना चाहती है, इसलिए एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार कर रही है। इसके तहत यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाया जाएगा। इसका उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्र में जल संकट को कम करना और भूजल स्तर को बढ़ाना है। सिंचाई विभाग ने इस योजना के लिए अध्ययन कर लिया है। प्रस्ताव सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पास भेजा गया है। उन्होंने सकारात्मक रुख अपनाया है। अब प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद योजना को गति मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंचाई विभाग की ओर से इस परियोजना पर काम किया जाएगा। ददसिया गांव के पास से नदी बहती है। यहीं से तिलपत फायरिंग रेंज होते हुए बढ़े हुए जल स्तर को पाइपों के जरिए आगे ले जाया जाएगा। यह पाइप लाइन बुढ़िया नाले के किनारे से होते हुए हाईवे को पार करेगी और अनंगपुर गांव के पास पहाड़ी तक ले जाई जाएगी। इस पाइप लाइन से प्रतिदिन 300 क्यूसेक पानी जाएगा। मानूसन के तीन महीने में नदी में खूब पानी होता है। इसलिए 90 दिन तक तय कृत्रिम तालाबों को भरा जाएगा। इन तालाबों का पानी साफ कर आसपास के सेक्टर, कालोनी, सोसायटी व गांव तक पहुंचाया जाएगा। इस परियोजना की लागत करीब 500 करोड़ आंकी गई है। यदि यह योजना परवान चढ़ती है तो आने वाले 50 साल तक गुरुग्राम को भी लाभ पहुंचेगा। इस योजना से आसपास के गांव के भूजल स्तर पर भी सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। साथ ही आसपास के इलाकों को भरपूर पेयजल भी मिलता रहेगा। भूजल स्तर के मामले में फरीदाबाद डार्क जोन में है। यमुना नदी किनारे भी 80 से 100 फुट पर जल स्तर है। पहाड़ी इलाकों में तो यह जल स्तर 600 से 700 फुट तक है। हालात चिंताजनक हैं। इसलिए सरकार भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत नदी के पानी को अरावली तक ले जाने की तैयारी है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

सैमसंग कंपनी ने एआई चिप्स की भारी डिमांड से कमाया रिकॉर्ड तोड़ मुनाफा

78,000 कर्मचारियों को औसतन 50.9 करोड़ का ऐतिहासिक बोनस देगी कंपनी

नई दिल्ली।

दुनिया भर में एआई से सबसे ज्यादा फायदा दिग्गज टेक कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के चिप डिवीजन के कर्मचारियों को हुआ है। ग्लोबल मार्केट में एआई चिप्स की भारी डिमांड और कंपनी के रिकॉर्ड तोड़ मुनाफे के चलते सैमसंग ने करीब 78,000 कर्मचारियों को औसतन 50.9 करोड़ 3.7 लाख डॉलर का ऐतिहासिक बोनस देने जा रही है। इस बंपर मेगा-बोनस स्कीम और नए वेतन समझौते पर अंतिम मुहर लगने की उम्मीद है। इससे पहले सैमसंग के मुकाबले उसकी प्रतिद्वंदी कंपनी एसके हाइनेक स अपने कर्मचारियों को तीन गुना ज्यादा बोनस दे रही थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते को मंजूर करने के लिए करीब 70,000 यूनियन सदस्यों के बीच बीते शुक्रवार से इलेक्ट्रॉनिक मतदान शुरू हुआ है। वोटिंग बुधवार को खत म होगी। स्थानीय मीडिया के मुताबिक 90फीसदी से ज्यादा सदस्य पहले ही वोट डाल चुके हैं और बहुमत के साथ इसके आज ही मंजूर होने की पूरी संभावना है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि सैमसंग का यह कदम उसके टैलेंटेड इंजीनियरों को विदेश जाने से रोकने के लिए जरूरी था। इस समय एलन मस्क की कंपनी टेस्ला समेत कई अमेरिकी दिग्गज एआई चिप्स में भारी निवेश कर रहे हैं।

सैमसंग और उसकी सबसे बड़ी लेबर यूनियन के बीच समझौता 10 सालों के लिए लागू रहेगा। इस बोनस समझौते को कंपनी के परफॉर्मेंस टारगेट से जोड़ा है। बोनस दो हिस्सों में दिया जाएगा। कर्मचारियों को मिलने वाला सालाना बोनस चिप डिवीजन के कुल ऑपरेटिंग प्रॉफिट का 10.5 फीसदी होगा, जिसे कंपनी के शेयर्स के रूप में दिया जाएगा। इसके अलावा, कर्मचारियों को 1.5 फीसीदी अतिरिक्त बोनस नगद मिलेगा। बाजार विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर कंपनी का वार्षिक ऑपरेटिंग प्रॉफिट तय लक्ष्य 331 ट्रिलियन वॉन तक पहुंच जाता है, तो हर एक पात्र कर्मचारी को इस साल औसतन 3.7 लाख डॉलर का फायदा होगा।

एचडीएफसी ने खेला ज्यादा ब्याज देने का खेल, गवर्नेंस और ट्रांसपरेंसी पर उठे सवाल

मार्च में बैंक के चेयरमैन ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए दिया था इस्तीफा

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी पर आरोप है कि महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमएसआरडीसी) को तय नियमों से ज्यादा ब्याज देने के लिए करीब 45 करोड़ रुपए को मार्केटिंग खर्च के रूप में बैंक ने दिखाया था। बैंक की इंटरनल चेकिंग में इस पूरी व्यवस्था को नियमों के खिलाफ बताया है। मामला सामने आने के बाद बैंक की गवर्नेंस और ट्रांसपरेंसी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च 2026 में बैंक के चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। माना जा रहा है कि यह फैसला इस विवाद से जुड़ा हुआ था। कई रिपोर्ट्स से यह भी सामने आया है कि बैंक के सीईओ शशिधर जगदीशन के साथ अधिकार और फैसलों को लेकर चल रहे मतभेदों के कारण अतनु चक्रवर्ती ने इस्तीफा दिया था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पिछले कई महीनों से दोनों पक्षों के बीच रणनीति, गवर्नेंस और सीईओ की दोबारा नियुक्ति को लेकर तनाव था। अब जांच रिपोर्ट में बैंक के कई वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2021 में महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवल्पमेंट कारपोरेशन ने बैंक में बड़ी राशि जमा करने को लेकर बातचीत शुरू की थी। एमएसआरडीसी ने अपनी जमा राशि पर 6.01 फीसदी ब्याज की मांग की थी, जबकि उस समय बैंक सामान्य बचत खातों पर करीब 3.5 फीसदी ब्याज दे रहा था। रिपोर्ट में बताया गया कि एमएसआरडीसी ने बैंक में करीब 25,000 करोड़ रुपए जमा करने की बात कही थी। इस बड़े डिपॉजिट के लिए बैंक ने विशेष व्यवस्था बनाई। हालांकि, आरबीआई के नियमों के कारण बैंक सीधे तौर पर इतनी ऊंची ब्याज दर नहीं दे सकता था। इसके बाद ब्याज के अंतर को दूसरे तरीके से देने की योजना बनाई गई। भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के मुताबिक किसी एक ग्राहक को स्पेशल बेनिफिट देने के लिए अलग ब्याज व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती। जांच रिपोर्ट में कहा गया कि इस मामले में बैंक की एंटी-ब्राइबरी और गवर्नेंस पॉलिसी का भी उल्लंघन हुआ है। इंटरनल विजिलेंस रिपोर्ट में बैंक के एमडी और सीईओ शशिधर जगदीशन, सीएफओ श्रीनिवासन वैद्यनाथन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यह पूरी व्यवस्था सामान्य बैंकिंग प्रोसेस और निगरानी से बाहर थी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 141, निफ्टी 7 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। इससे भी भारतीय बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 141.90 अंकों की गिरावट के साथ ही 75,867.80 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 6.55 अंक फिसलकर 23,907.15 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान बाजार में सबसे ज्यादा गिरावट वित्तीय और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में रही। निफ्टी के जिन शेयरों में गिरावट रही उनमें ओएनजीसी, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के शेयर रहे जबकि उर्जा और धातु क्षेत्र के शेयरों में तेजी रही। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन,और एनटीपीसी के शेयरों में तेजी रही। टाटा स्टील, इंडिगो, मारुति सुजुकी, टाइटन और एशियन पेंट्स के शेयर भी उछले हैं। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका के ईरान पर ताजा हमलों के बाद दोने में तनाव बढ़ा है जससे भी निवेशकों में घबराहट है और वह सतर्कता बरत रहे हैं। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर दबाव बना हुआ है।

आज निफ्टी बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक और वित्तीय सर्विसेज इंडेक्स क्षेत्र में शेयर गिरे जबकि .मिडकैप और स्मॉलकैप क्षेत्र में तेज रही। छोटे और मझोले शेयरों में खरीदारी देखी! इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला।

सुबह सेंसेक्स 136.38 अंक फिसलकर 75,873.32 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 29.95 अंक टूटकर 23,887.15 पर था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.63 पर बंद हुआ इससे पहले आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.75 पर खुला। वहीं महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों में कुछ गिरावट से निवेशकों को कुछ राहत मिली है। कारोबारियों के अनुसार आरबीआई की डॉलर बिक्री से रुपये को ऊपरी स्तरों पर समर्थन मिला। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से भी बाजार में गिरावट का माहौल है जिससे भी रुपया दबाव में रहा।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी आई है। आज सुबह कमजोर शुरुआत के बाद सोने में तेजी आने लगी। वहीं चांदी के भाव बढ़त पर ही खुले। घरेलू बाजार में आज सोने की वायदा कीमतें 1,57,850 रुपये, जबकि चांदी की 2,72,400 रुपये पर बनी हुई थीं। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में तेजी रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध आज 75 रुपये फिसलकर 1,57,541 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,57,616 रुपये था। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 1,975 रुपये बढ़कर 2,72,603 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,70,628 रुपये था। चांदी के भाव 3 लाख रुपये पार कर चुके हैं। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस दोनो के ही वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना आज 4,507.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 4,502.30 डॉलर प्रति औंस था। सोने का भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर भी पहुंचा। कॉमैक्स पर चांदी के वायदा भाव 77.33 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 76.60 डॉलर था।

8वें वेतन आयोग से रेलवे कर्मचारियों की सैलरी में होगा इजाफा

आईआरटीएसए ने सरकार के सामने रखा 5-टियर फिटमेंट फॉर्मूला

नई दिल्ली।

8वें वेतन आयोग को लेकर देशभर के सरकारी कर्मचारियों के बीच उत्सुकता है। खासतौर पर रेलवे कर्मचारियों की निगाहें इस पर टिकी हैं कि नए वेतन आयोग में उनकी सैलरी में कितना इजाफा होगा। इसी बीच रेलवे तकनीकी कर्मचारियों के संगठन ने सरकार के सामने एक नया और अलग प्रस्ताव रखा है, जिससे रेलवे कर्मचारियों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगठन ने 8वें वेतन आयोग के सामने रेलवे तकनीकी कर्मचारियों के लिए अलग 5-टियर फिटमेंट फॉर्मूला लागू करने की मांग की है। अब तक सभी वेतन आयोगों में कर्मचारियों के लिए एक समान फिटमेंट फैक्टर लागू किया जाता रहा है। 7वें वेतन आयोग में 2.57 फिटमेंट फैक्टर के आधार पर कर्मचारियों की बेसिक सैलरी तय थी। हालांकि, संगठन का कहना है कि रेलवे तकनीकी कर्मचारियों की जिम्मेदारियां, कार्य का दबाव और जोखिम अन्य कर्मचारियों से अलग और चुनौतीपूर्ण है। इसलिए उनके लिए अलग वेतन व्यवस्था होनी चाहिए।

प्रस्ताव के मुताबिक लेवल 1 से 5 तक के कर्मचारियों के लिए 2.92 फिटमेंट फैक्टर, लेवल 6 से 8 तक के लिए 3.50, लेवल 9 से 12 तक के लिए 3.80, लेवल 13 से 16 तक के लिए 4.09 और लेवल 17 से 18 तक के कर्मचारियों के लिए 4.38 फिटमेंट फैक्टर लागू करने की सिफारिश की गई है। यदि सरकार इस प्रस्ताव को स्वीकार करती है तो रेलवे कर्मचारियों की सैलरी में

रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो सकती है। यदि किसी कर्मचारी की वर्तमान बेसिक सैलरी 45 हजार है और वह लेवल 6 से 8 के दायरे में आता है, तो 3.50 फिटमेंट फैक्टर लागू होने पर उसकी नई बेसिक सैलरी करीब 1.57 लाख रुपए हो जाएगी।

संगठन ने संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगति योजना यानी एमएसीपी में भी बदलाव की मांग की गई है। प्रस्ताव के तहत कर्मचारियों को 30 साल की सेवा अवधि में पांच बार वित्तीय उन्नयन देने की सिफारिश की गई है। अब सभी की नजर सरकार और 8वें वेतन आयोग के फैसले पर टिकी हैं, क्योंकि इससे लाखों रेलवे कर्मचारियों की आय और सेवा शर्तों में बड़ा बदलाव हो सकता है।

ओएनजीसी का मार्च तिमाही में मुनाफा घटा, कमाई बढ़ी

कंपनी ने किया निवेशकों को 1 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान

नई दिल्ली।

सरकारी तेल और गैस कंपनी ओएनजीसी का मार्च तिमाही के नतीजे मिले-जुले रहे। कंपनी का मुनाफा घटा है, लेकिन कमाई बढ़ी है। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में ओएनजीसी का शुद्ध लाभ 20.6 फीसदी गिरकर 6,650 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल इस तिमाही में कंपनी को 8,371 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। हालांकि, इस दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 35,928 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो एक साल पहले 31,547 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें तो कंपनी का कुल शुद्ध लाभ 32,894 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 7.6 फीसदी कम है। पिछले साल कंपनी ने 35,610 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। ओएनजीसी को खोजी कुओं पर बड़ा नुकसान भी उठाना पड़ा। कंपनी ने मार्च तिमाही में 4,876 करोड़ रुपए का खर्च लिखकर हटाया, क्योंकि जिन जगहों पर ड्रिलिंग की गई वहां तेल या गैस का व्यावसायिक भंडार नहीं मिला। पिछले साल इसी तिमाही में यह नुकसान 4,173 करोड़ रुपए था। वहीं पूरे साल में ऐसे खर्च का आंकड़ा बढ़कर 8,235 करोड़ रुपए पहुंच गया। कंपनी ने गुजरात मेरीटाइम बोर्ड के साथ मिलकर दाहेज में 5 एमएमटीपीए क्षमता

वाला लिक्विड पोर्ट बनाने का फैसला किया है। इसके अलावा ओएनजीसी ने ओएनजीसी नाइल गंगा के लिए 325 मिलियन डॉलर की गारंटी को भी मंजूरी दी है। ओएनजीसी ने अपने निवेशकों के लिए 1 रुपए प्रति शेयर अंतिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि यह 5 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर पर 20 फीसदी की दर से दिया जाएगा। हालांकि इसे एजीएम में शेयरधारकों की मंजूरी मिलना बाकी है।

बता दें मंगलवार को ओएनजीसी का शेयर 0.89 फीसदी की बढ़त के साथ 287.50 रुपए पर बंद हुआ था। दिन के कारोबार में शेयर ने 289.65 रुपए का ऊपरी स्तर और 284.50 रुपए का निचला स्तर छुआ।

टाटा संस की मैराथन बैठक में नोएल टाटा ने नए जमाने के कारोबार के किए सवाल

बैठक में कंपनी को सूचीबद्ध कराने और न ही चंद्रशेखरन के कार्यकाल पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। बॉम्बे हाउस में मैराथन बोर्ड बैठक भले ही टाटा समूह की कंपनियों के राजस्व, मुनाफा, प्रति शेयर आय (ईपीएस) और अन्य तमाम आंकड़ों की प्रस्तुति वाले किसी रोड शो जैसी लगी हो लेकिन इस समीक्षा सत्र को टाटा ट्रस्ट्स के साथ जुड़ने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक का कारोबार करने वाले इस समूह की मूल कंपनी में टाटा ट्रस्ट्स सबसे बड़ा शेयरधारक है। बता दें लोगों को इस बैठक का बेसब्री से इंतजार था, लेकिन इसमें न तो होल्डिंग कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कराने पर और न ही चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर कोई चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक इन दोनों मुद्दों पर 12 जून को होने वाली अगली बोर्ड बैठक में चर्चा हो सकती है। एक अनोखे घटनाक्रम के तहत टाटा संस की एक विशेष बोर्ड बैठक 26 मई को बुलाई गई थी जहां घाटे में चल रही समूह की कुछ कंपनियों के वित्तीय नतीजों, अनुमानों और रणनीतिक योजनाओं पर चर्चा की गई। इसमें कई मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) अपनी पावर पॉइंट प्रस्तुतियों के साथ शामिल हुए। वास्तव में यह बैठक 24 फरवरी को हुई टाटा संस की बोर्ड बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन और नामित निदेशक नोएल टाटा द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब थी।

क्वाड देश महत्त्वपूर्ण खनिजों की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला के लिए जुटाएंगे 20 अरब डॉलर

नई दिल्ली।

भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका ने 'क्वाड क्रिटिकल मिनरल्स इनिशिएटिव फ्रेमवर्क' पेश किया। इस ढांचे के तहत चारों देशों ने खनन, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण समेत खनिजों की आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए सरकारी और निजी क्षेत्र से 20 अरब डॉलर तक की आर्थिक मदद उपलब्ध कराने की इच्छा जताई है। नई दिल्ली में घोषित इस ढांचे का मकसद रणनीतिक संसाधनों पर बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा के बीच उन्नत प्रौद्योगिकियों एवं औद्योगिक विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले अहम खनिजों के लिए सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखलाएं तैयार करने से जुड़ी पहल को बढ़ावा देना है।

इस पहल के तहत 'क्वाड' भागीदार 'क्वाड नेक्सस' वाली परियोजनाओं की पहचान करने की योजना की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं जिनमें सदस्य देशों में स्थित परियोजनाएं, इन देशों में मुख्यालय वाली कंपनियों द्वारा संचालित परियोजनाएं या क्वाड बाजारों को आपूर्ति करने वाली परियोजनाएं शामिल हैं।

समूह ने निर्यात ऋण एजेंसियों, विकास वित्त संस्थानों, गारंटी, ऋण, इक्विटी भागीदारी, बीमा, सब्सिडी और निजी पूंजी के जरिये रणनीतिक तौर पर अहम खनिज परियोजनाओं का समर्थन करने की भी पेशकश की। मंगलवार को 'क्वाड' देशों ने ई-कचरा और स्क्रैप सामग्री से महत्त्वपूर्ण खनिज दोबारा हासिल कर पुनर्चक्रण में सहयोग का भी प्रस्ताव रखा। इसमें पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों, संग्रह नेटवर्क में निवेश और कचरा और स्क्रैप के लिए निर्यात-आयात प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना शामिल है।

इसके अलावा, भारत और अमेरिका ने 'महत्त्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ पृथ्वी धातुओं के खनन और प्रसंस्करण में आपूर्ति सुनिश्चित करने' पर एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने हस्ताक्षर किए।

बाजार में बढ़ा नकली और कम शुद्धता वाली चांदी का कारोबार, नहीं पहचान पा रहे ग्राहक

चांदी पर भी हॉलमार्किंग अनिवार्य, कई ज्वेलर्स नहीं कर रहे इसका पालन

नई दिल्ली।

देश में चांदी की लगातार बढ़ती कीमतों और निवेशकों की मजबूत मांग के बीच नकली और कम शुद्धता वाली चांदी का कारोबार तेजी से बढ़ा है। बाजार में बिक रही कई सिल्वर बार, सिक्के, आभूषण और पूजा सामग्री तय गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतर रही है। इससे ग्राहकों को आर्थिक नुकसान का खतरा है, वहीं चांदी बाजार की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक हाल के महीनों में निवेशकों का रुझान सोने के साथ-साथ चांदी की ओर भी बढ़ा है। सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में लोग बड़ी मात्रा में सिल्वर बार, सिक्के और चांदी के बर्तन खरीद रहे हैं।

इसी बढ़ती मांग का फायदा उठाकर कुछ कारोबारी और अवैध निर्माता बाजार में कम गुणवत्ता वाली चांदी बेच रहे हैं। उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि बाजार में बड़ी मात्रा में ऐसी चांदी मौजूद है, जो 999 शुद्धता के मानक को पूरा नहीं करती है। विशेष चिंता की बात यह है कि कई उत्पादों में निकेल, कैडमियम और लेड जैसे हानिकारक तत्व भी पाए जा रहे हैं। ये धातुएं स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक स्क्रैप सिल्वर से बने आभूषणों और अन्य वस्तुओं में इस तरह की मिलावट ज्यादा देखने को मिल रही है। इससे ग्राहकों की सुरक्षा और निवेश दोनों प्रभावित हो रहे हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने सितंबर 2025 से चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया है, लेकिन उद्योग जगत का कहना है कि अभी भी बड़ी संख्या में ज्वेलर्स इसका पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसे में ग्राहकों के लिए असली और नकली चांदी की पहचान करना कठिन है। विशेषज्ञों का मानना है कि जिस तरह सोने के लिए सख्त हॉलमार्किंग और लाइसेंसिंग व्यवस्था लागू है, उसी प्रकार चांदी के क्षेत्र में भी मजबूत निगरानी तंत्र जरूरी है। जानकारी के मुताबिक भारत में हर साल करीब 7,000 टन चांदी की खपत होती है, जबकि इसके लिए केवल 286 अस्सेइंग और हॉलमार्किंग सेंटर उपलब्ध हैं। इसके विपरीत सोने की खपत कम होने के बावजूद उसके लिए 1,500 से ज्यादा सेंटर मौजूद हैं। यही असंतुलन चांदी बाजार की सबसे बड़ी चुनौती बन रहा है। जयपुर, आगरा, राजकोट, कोल्हापुर, सलेम और कटक जैसे शहर चांदी के आभूषण और धार्मिक वस्तुओं के बड़े उत्पादन केंद्र हैं।

ब्रिटानिया 'गुड डे' अब होगा महंगा! कंपनी फैमिली पैक्स के बढ़ा रही दाम

5 और 10 रुपए वाले पैक्स की एमआरपी में बदलाव नहीं, कम होगा वजन

नई दिल्ली।

अगर आप भी सुबह या शाम की चाय के साथ ब्रिटानिया का 'गुड डे' बिस्किट खाते हैं तो अब इस शौक के लिए आपको ज यादा पैसे चुकाना होगा। देश की दिग्गज एफएमसीजी कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज 'गुड डे' बिस्किट के फैमिली पैक्स के दाम बढ़ा रही है। डिस्ट्रीब्यूटर सूत्रों के मुताबिक कंपनी इसके प्रमुख वैरिएंट्स की कीमतों में 10 रुपए तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटानिया 5 और 10 रुपए वाले पैक्स की एमआरपी में कोई बदलाव तो नहीं होगा लेकिन इसका वजन कंपनी कम कर सकती है यानी आपको पैसे तो उतने ही देने होंगे, लेकिन पैकेट में बिस्किट कम मिलेंगे। कंपनी ने अपनी अर्निंग्स कॉल में भी साफ कहा है कि 10 रुपए से महंगे पैक्स पर दाम बढ़ाए जाएंगे और छोटे पैक्स में वजन कम किया जाएगा। कंपनी कच्चे माल की कीमतों और पैकेजिंग मैटेरियल की बढ़ती कॉस्ट से परेशान है। इसी वजह से कंपनी ने कीमतों में बढ़ोतरी का फैसला लिया है। बता दें ब्रिटानिया की कुल कमाई में बिस्किट कारोबार की हिस्सेदारी 70-75 फीसदी है, और अकेले 'गुड डे' ब्रांड से कंपनी को करीब 3,500 करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिलता है। कीमतें बढ़ाने का यह फैसला कंपनी के चौथी तिमाही के मिले-जुले नतीजों के बाद आया है। मार्च तिमाही में ब्रिटानिया का कुल रेवेन्यू 6.5फीसदी बढ़कर 4,719 करोड़ रुपए रहा। वहीं, कंपनी का शुद्ध लाभ भी उम्मीद से ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करते हुए 21.1फीसदी की बढ़त के साथ 678 करोड़ पर पहुंच गया। हालांकि, विज्ञापनों और अन्य खर्चों में 17.5फीसदी की भारी बढ़ोतरी होने के कारण कंपनी के ऑपरेटिंग मार्जिन पर दबाव देखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2026 के शुरुआती महीनों में कंपनी का बिजनेस करीब 9फीसदी की रफ्तार से बढ़ा था, लेकिन मार्च आते-आते इस पर ब्रेक लग गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संघर्ष की वजह से ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित हुई। इसके कारण समुद्री मालभाड़ा और ईंधन की कीमतों में भारी उछाल आया, जिसने कंपनी की लागत को बढ़ा दिया। यही वजह है कि ब्रोकरेज फर्म एक्सिस सिक्योरिटीज ने ब्रिटानिया के शेयर पर अपनी 'बाय' रेटिंग तो बरकरार रखी है, लेकिन टारगेट प्राइस 7,170 रुपए से घटाकर 6,360 रुपए कर दिया है।

जेके सीमेंट कंपनी बढ़ा रही क्षमता, बढ़ती लागत से निपटने बढ़ाए दाम

कंपनी की कुल ग्रे सीमेंट क्षमता बढ़कर 32.3 एमटीपीए हो गई

नई दिल्ली।

सीमेंट कंपनी जेके सीमेंट के मार्च तिमाही नतीजों के बाद बाजार में कंपनी को लेकर चर्चा बढ़ गई है। कंपनी अपनी क्षमता बढ़ाने में लगी है, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती लागत से निपटने सीमेंट के दाम भी बढ़ा रही है। आने वाले समय में कंपनी का फोकस ज्यादा बिक्री पर है, नई यूनिट्स और लागत कंट्रोल पर रहने वाला है। कंपनी ने 2027 में डबल डिजिट वॉल्यूम ग्रोथ का लक्ष्य रखा है। साथ ही 2028 तक कुल क्षमता को करीब 40 एमटीपीए तक पहुंचाने की योजना है। बिहार में 30 लाख टन क्षमता वाला नया यूनिट भी शुरू हो चुका है, जिससे कंपनी की कुल ग्रे सीमेंट क्षमता बढ़कर 32.3 एमटीपीए हो गई है।

हालांकि, ईंधन, डीजल और पैकेजिंग लागत बढ़ने से कंपनी पर दबाव बना हुआ है। कंपनी का कहना है कि पहली तिमाही में ईंधन लागत करीब 150-200 रुपए प्रति टन तक बढ़ सकती है। डीजल की कीमत बढ़ने से ट्रांसपोर्ट खर्च भी बढ़ सकता है। इसके असर को कम करने के लिए कंपनी ने ग्रे सीमेंट, व्हाइट सीमेंट और वॉल पुट्टी के दाम बढ़ा दिए हैं। कंपनी ने ग्रे सीमेंट में करीब 10 रुपए प्रति बैग की बढ़ोतरी की है।मोतीलाल ओसवाल ने शेयर पर बाय रेटिंग रखते हुए 6,250 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। ब्रोकरेज का कहना है कि कंपनी का चौथी तिमाही का प्रदर्शन अनुमान के मुताबिक रहा। हालांकि ईबीआईटीडीए और मार्जिन में गिरावट देखने को मिली। कंपनी का ईबीआईटीडीए करीब 11 फीसदी घटकर 680 करोड़ रुपए रहा, जबकि प्रति टन ईबीआईटीडीए करीब 1,008 रुपए पर आया। ब्रोकरेज के मुताबिक आने वाले समय में ईंधन लागत बढ़ने का असर कंपनी के मार्जिन पर दिखेगा। फिर भी कंपनी की बिक्री बढ़ाने की योजना और लगातार विस्तार को देखते हुए बाय रेटिंग बरकरार रखी है।नुवामा ने जेके सीमेंट पर 7,034 रुपए का टारगेट प्राइस रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी की ग्रे सीमेंट बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली। मार्च तिमाही में बिक्री 14 फीसदी बढ़ी, जबकि पूरे साल में यह ग्रोथ 17 फीसदी रही।

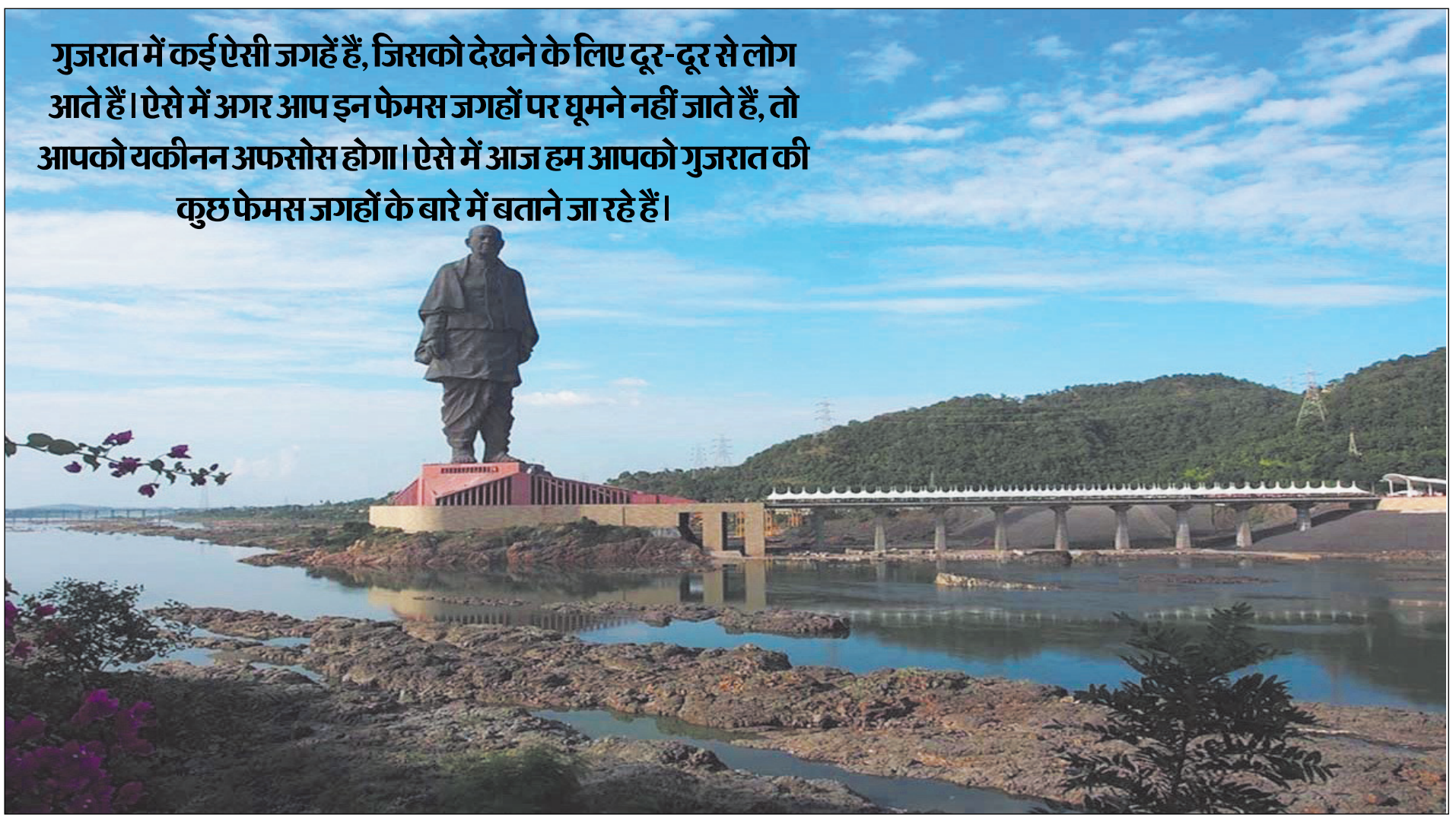

गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती हैं। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थिति यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कही धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोत्तमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

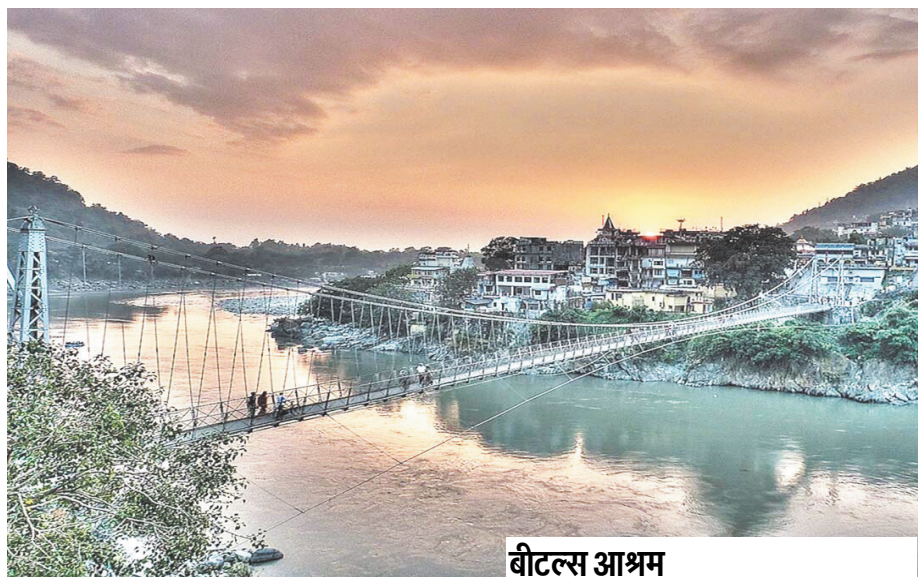

बीटल्स आश्रम

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौज़ी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है।

डलहौज़ी की विशेषताएँ

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड'

डलहौज़ी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।

2. कालाटोप वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी

यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंचपुला

डलहौज़ी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्चें औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर देती हैं।

डलहौज़ी में क्या करें?

ट्रेकिंग और नेचर वॉक

फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी

हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीडू आदि)

ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर-हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौज़ी?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौज़ी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है।

डलहौज़ी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।

मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरूआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रैवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वॉइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण वहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

वैभव सूर्यवंशी ने खेली ऐतिहासिक पारी, क्रिस गेल का एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड टूटा

जयपुर (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क = वैभव सूर्यवंशी ने IPL 2026 के एलिमिनेटर मुकाले में सनराइजर्स हैदराबाद ऐतिहासिक पारी खेलते हुए क्रिस गेल का एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सूर्यवंशी ने 60 छक्कों के साथ गेल को पीछे छोड़ा और अब IPL के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के हो गए हैं। गेल ने 2012 में यह रिकॉर्ड बनाया था जो 14 सालों के बाद टूटा है।

सूर्यवंशी ने 29 गेंदों पर 97 रन की शानदार इनिंग खेलते हुए यह रिकॉर्ड अपने नाम किया है जिसमें 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। गेल ने 2012 में IPL में 59 छक्के लगाए थे। वहीं इस लिस्ट में आंद्रे रसेल का नाम भी है जिन्होंने 2019 में 52 छक्के लगाए थे। लिस्ट में चौथे नम्बर पर एक बार फिर गेल हैं जिन्होंने 2013 में IPL के एक सीजन में 51 छक्के लगाए थे। लिस्ट में पांचवें खिलाड़ी जोस बटलर हैं जिन्होंने 2022 में 45 छक्के लगाए थे।

एक आईपीएल सीजन में सबसे ज़्यादा छक्के

60* - वैभव सूर्यवंशी (2026)
59 - क्रिस गेल (2012)
52 - आंद्रे रसेल (2019)
51 - क्रिस गेल (2013)
45 - जोस बटलर (2022)

वैभव सूर्यवंशी का IPL 2026 में रिकॉर्ड

सूर्यवंशी ने 16 मैचों की 16 इनिंग्स में 704 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका हाइएस्ट 103 रहा है। उन्होंने 45.33 की औसत और 242.85 की स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन और पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर सबसे आगे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में अब सबसे अधिक रनों के लिए मिलन वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए मुकाबला अंतिम दौर में पहुंच गया है। ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी भी गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन नंबर एक पर बने हुए हैं। सुदर्शन के अभी तक सबसे अधिक 652 रन हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल है। नंबर एक जबकि गिल 618 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के हेनरिक क्लासेन 606 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। आरसीबी के विराट कोहली के इस सत्र में कुल रन 600 हो गए और उन्होंने इस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स केएल राहुल को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया। राहुल 593 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में आरसीबी के तेज भुवनेश्वर कुमार 26 विकेट लेकर पहले। वहीं गुजरात के केसिगो रबाडा भी 26 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा इकॉनमी 13.50 रही। भुवनेश्वर इससे बेहतर इकॉनमी रेट के कारण पहले नंबर पर हैं। राजस्थन रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर 21 विकेट लेकर तीसरे जबकि सीएसके के अंशुल कंबोज भी 21 विकेट लेकर चौथे नंबर पर हैं। गुजरात के राशिद खान 14विकेट लेकर पांचवे नंबर पर हैं।

शुभमन ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया

धर्मशाला (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के पहले क्वालिफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार से निराश नजर आये। शुभमन ने इस बार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया। साथ कहा कि उनकी टीम दबाव का सामना ठीक से नहीं कर पायी। इस मैच में गुजरात टाइटंस की टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए ढ़ह गयी और उसे 92 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 254 रन बनाये थे। जिसके बाद गुजरात केवल 162 रन ही बना पायी।

शुभमन ने टीम की बार के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी टीम मैच में बनी हुई थी पर कई अवसरों पर हुई गलतियों ने मुकाबला उनके हाथ से फिसल गया। साथ ही कहा कि 12वें-13वें ओवर तक उनकी टीम मुकाबले में थी पर जिस प्रकार से कैच गिरे उससे विरोधी टीम हावी हो गयी। शुभमन ने कहा, मुझे लगता है कि हम 12वें-13वें ओवर तक मैच में अच्छी स्थिति में थे। हमारी फील्डिंग बिल्कुल स्तर के अनुसार नहीं थी हालांकि हम ये मैच भूलकर अब दूसरे क्वालीफायर में जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने साथ हीकहा, दबाव वाले मौकों पर हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। हमार शुरुआत ही अच्छी नहीं रही। आउटफील्ड तेज थी, लेकिन जिस तरह पिच खेल रही थी, उस हिसाब से लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। टीम के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने का एक कारण बल्लेबाज साई सुदर्शन का बदकिस्मती से हिट-विकेट आउट होना भी रहा। जिस गेंद पर उन्होंने चौका लगाया, उसी गेंद पर उनका बल्ला विकेट से टकरा गया। इस पर गिल ने कहा, ऐसे विकेट बहुत कम देखने को मिलते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। टीम की खराब फील्डिंग हार का सबसे बड़ा कारण रही। टीम ने एक ही ओवर में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले रजत पाटीदार के दो कैच गिरा दिए। पाटीदार ने इन मौकों का पूरा फायदा उठाया और आक्रामक बल्लेबाजी कर केवल 33 गेंदों में नाबाद 93 रन बना दिये जिससे मैच पलट गया। दिए। उनकी पारी में चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम दबाव में आ गयी और कोई भी बल्लेबाज विकेट पर टिक नहीं पाया।

रैना ने शुभमन और सुदर्शन की जोड़ी को आईपीएल की सबसे अच्छी जोड़ी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इनकी जोड़ी आईपीएल इतिहास की सबसे अच्छी सलामी जोड़ी है। रैना ने कहा कि शुभमन और सुदर्शन ने जिस तेजी और निरंतरता के साथ रन बनाए हैं। ऐसा करने में कोई भी दूसरी जोड़ी सफल नहीं रही है। इन दोनों ने साथ मिलकर केवल 46 पारियों में ही तेजी से खेलते हुए 21 बार 50 या उससे अधिक रनों की साझेदारी की है। इससे उनकी आपसी समझ और मैदान पर एक दूसरे के साथ अच्छे तालमेल का पता चलता है।

रैना ने कहा कि इस जोड़ी ने विराट कोहली और क्रिस बेल के अलावा एबी डिविलियर्स और-विराट की जोड़ी को भी पीदे छोड़ दिया है। रैना ने कहा, जहां गेल

और कोहली को 21 बार 50 से अधिक रनों की साझेदारी तक पहुंचने में 59 पारियां लगी थीं, वहीं डिविलियर्स और कोहली ने यह उपलब्धि 76 पारियों में हासिल की थी जबकि शुभमन और सुदर्शन ने यह आंकड़ा केलव 46 पारियों में ही हासिल कर लिया।

इन जोड़ी ने आईपीएल के अलावा टी20 क्रिकेट में भी कई बड़े रिकॉर्ड बनाये हैं। इस जोड़ी ने अब तक 10 शतकीय साझेदारियाँ बनायी हैं, और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह सबसे तेज जोड़ी है। इस जोड़ी ने आईपीएल में बिना कोई विकेट खोये 200 रन के लक्ष्य को भी आसानी से हासिल किया है। इन दोनो ने ही पारी शुरु करते हुए आईपीएल में 2000 से अधिक रन बनाये हैं, और उनकी साझेदारी का औसत 67 से अधिक का है, जो उनकी निरंतरता और एक-दूसरे के प्रति समझ को स्पष्ट रूप से दिखाता है। यह औसत उनकी बल्लेबाजी की गहराई और हर हाल में प्रदर्शन करने की क्षमता भी दिखाता है।

रैना के अनुसार, गिल और सुदर्शन की सबसे बड़ी ताकत उनके बीच की अच्छी समझ और फिटनेस है। उन्होंने समझाया, दोनों बल्लेबाज अविश्वसनीय रूप से फिट हैं और उन्हें अच्छी तरह पता है कि कब आक्रामक होना है और किस गेंदबाज को निशाना बनाना है। एक गेंद की गति का इस्तेमाल करता है, जबकि दूसरा कोण बनाकर शानदार शॉट्स खेलता है, जिससे विपक्षी गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना असंभव हो जाता है। इसका भी सबसे बड़ा लाभ टीम को मिला है।

सुमित अंतिल ने इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

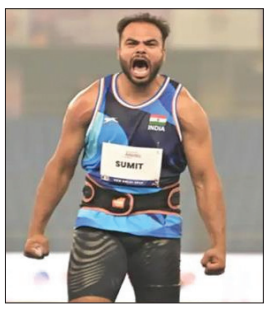

बेंगलुरु । स्टार भारतीय पैरा एथलीट सुमित अंतिल ने बुधवार को यहां इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता 27 वर्षीय अंतिल ने भाले को 74.82 मीटर की दूरी तक फेंका जो उनके 73.29 मीटर के पिछले विश्व रिकॉर्ड से अधिक है। यह रिकॉर्ड उन्होंने 2022 एशियाई पैरा खेलों में बनाया था। अंतिल पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्पर्धा में दबदबा बनाए हुए हैं और उन्होंने निकट भविष्य में 80 मीटर का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य भी रखा है। उन्होंने 2020 और 2024 के पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं और 2023, 2024 और 2025 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया है। उन्होंने चीन के हांगझोऊ में हुए 2022 एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। एफ64 श्रेणी उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में समस्या होती है और जो कृत्रिम अंग के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं या जिनके पैरों की लंबाई में अंतर होता है। वर्ष 2015 में मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल होने के बाद अंतिल ने घुटने के नीचे अपना बायां पैर गंवा दिया था।

बुमराह को अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खराब प्रदर्शन के बाद निशाने पर आये तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बचाव किया है। डिविलियर्स ने कहा है कि बुमराह अभी भी विश्वकप के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और महज एक सत्र खराब होने से उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता है। डिविलियर्स ने माना है कि बुमराह मुंबई इंडियंस की ओर से उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर कहा कि इस प्रकार का खराब दौर हर क्रिकेटर के जीवन में आता है पर इसका कतलब ये नहीं कि वे बेकार हो गये। साथ ही कहा कि इससे उनकी गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता और वह जल्द ही अपने पुराने रंग में लौटेंगे। बुमराह के लिए यह सत्र बेहद खराब रहा है। पूरे टूर्नामेंट में वह 13 मैच केवस 4 विकेट ही ले पाये। ये उनके जैसे खिलाड़ी के लिए बेहद निराशाजनक है। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 रहा, जो टी20 क्रिकेट के इतिहास में एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंकने वाले गेंदबाज का अब तक का सबसे खराब औसत माना जा रहा है। डिविलियर्स ने बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि एक खराब प्रदर्शन किसी भी खिलाड़ी की क्लास को खत्म नहीं कर सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, यह बुमराह के आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनका औसत 100 से ज्यादा रहा, लेकिन इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन सबके बावजूद, मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। डिविलियर्स ने बुमराह की क्षमताओं पर अटूट विश्वास व्यक्त किया। साथ ही कहा कि वह जल्द ही अपने पुराने शानदार अंदाज में वापसी करेंगे।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं मनु की नजरें

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है। उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी। 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा। खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

एफआईएच प्रो लीग के भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इस लीग के लिए बुधवार को 24 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवा प्रतिभाओं को भी शामिल किया गया है। जिससे टीम के प्रदर्शन को देखकर आगामी हॉकी विश्व कप की तैयारियों का भी आंकलन किया जा सके।

टीम का यूरोप दौरा बेल्जियम से शुरू होगा, जहां टीम 7 से 9 जून 2026 तक ब्रुसेल्स में एक तैयारी शिविर और एक अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद, टीम नीदरलैंड्स के रॉटरडैम रवाना होगी, जहां 14 से 21 जून तक जर्मनी और मेजबान नीदरलैंड्स के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले होंगे। यूरोपीय चरण के अंत में टीम इंग्लैंड पहुंचेगी यहां उसे 23 से 28 जून तक पाकिस्तान और इंग्लैंड से खेलना है।

टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह और जुगराज सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी रहेंगी। वहीं अमनदीप लाकड़ा जैसे युवा भी इस टीम में शामिल रहेंगे। मिडफील्ड में हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद जैसे खिलाड़ी टीम को गति और संतुलन प्रदान करेंगे। आक्रामण की कमान फॉरवर्ड मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक और सेल्वम कार्थी पर रहेगी। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर सही बताते हुए कहा कि टीम अच्छी लय में है और यूरोप में होने वाले ये मुकाबले विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने आगे कहा, ट्रेनिंग शानदार चल रही है और टीम अच्छी स्थिति में है। जून में नीदरलैंड्स और इंग्लैंड में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबले हमारे लिए एक बड़ी परीक्षा होंगे। इनसे हमें यह जानने में मदद मिलेगी कि विश्व कप की तैयारियों में हम वास्तव में कहां खड़े हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार, सूरज करकेरा

डिफेंडर्सः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, सुमित, संजय, यशदीप सिवाच, अमनदीप लाकड़ा, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह

मिडफील्डर्सः हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम

फॉरवर्ड्सः मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी

फ्रेंच ओपन के अगले दौर में पहुंचे सिनर और सबालेंका, मेदवेदेव बाहर हुए

पेरिस । यहां रौला गैरा में शुरु हुए फ्रेंच ओपन टेनिस में विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी इटली के जैनिक सिनर और महिला वर्ग में बेलारुस की आर्यका सबालेंका जीत के ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। वहीं रुस के टेनिस स्टार डेनिल मेदवेदेव उलटफेर का शिकार बने हैं। पुरुष वर्ग में के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर ने फ्रांस के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी क्लेमेंट टैबुर को 6-1, 6-3, 6-4 से आसानी से मात दी। इस प्रभावशाली जीत के साथ, सिनर की लगातार जीत ने अपना लगातार 30 मैच जीता है। इससे वह वह अपने करियर के एकमात्र ग्रैंडस्लैम खिताब को जीतने की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं रुस के मेदवेदेव को ऑस्ट्रेलिया के 97वीं रैंकिंग वाले एडम वाल्टन ने पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4 से हराकर सबको हैरान कर दिया। यह लगातार दूसरा साल है जब मेदवेदेव फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर हुए हैं। पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में, यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास ने फ्रांस के अलेक्जेंडर मुलर को 6-2, 3-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने 7-5, 6-7(6), 6-4, 7-5 से हरा दिया। दूसरी ओर सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 के सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। सबालेंका ने मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और उसने विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई अवसर नहीं दिया। एक अन्य मुकबले में अमेरिका की कोको गॉफ ने टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने लॉरा सीगमंड को 6-3, 7-6(3) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पर्थ । भारतीय महिला हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आस्ट्रेलिया को चार मैचों की दोस्ताना श्रृंखला के दूसरे मैच में शूटआउट में 4-2 से हराकर 1-1 से बराबरी की। शानदार शुरूआत के बाद आस्ट्रेलिया ने दसवें मिनट में ओलिविया डोनेस के गोल के दम पर बढत बना ली। भारत ने कई मौके बनाये और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करके आस्ट्रेलिया को दबाव में रखा। भारत के लिए सुशीला चानू ने 46वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। शूटआउट में भारत के लिए नवनीत कौर, इशिका चौधरी, अन्नु और रूतुजा पिसल ने गोल दागे। तीसरा मैच शुक्रवार को खेला जाएगा।

आरसीबी ने जीत से दिखाया कि नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की जरूरत होती है :कुंबले

धर्मशाला (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने क्वालिफायर 1 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 92 रनों की जीत के साथ आईपीएल के फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। जियो स्टार एक्सपर्ट अनिल कुंबले ने RCB की शानदार जीत का विश्लेषण किया और रजत पाटीदार की बेहतरीन कप्तानी पर बात की।

कुंबले ने RCB की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा, 'टॉस हारने के बाद RCB ने बोर्ड पर 254 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करके अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। किसी भी मैच में इतने रन बनाना मुश्किल होता है, लेकिन प्लेऑफ में ऐसा करना असली हिम्मत दिखाता है। पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी, लेकिन आरसीबी के बल्लेबाजों को फिर भी मैदान पर उतरकर अपना काम करना था। उन्होंने यह काम शानदार ढंग से किया, जिसमें रजत पाटीदार ने आगे बढ़कर कप्तानी की और विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने भी अच्छा योगदान दिया।'

कुंबले ने कहा, 'जब RCB गेंदबाजी करने उतरी, तो उन्होंने GT के ओपनर्स को जमने नहीं दिया। उन्होंने कसी हुई लाइन पर गेंदबाजी की, दबाव बनाए रखा, और साई सुदर्शन के दुर्भाग्यपूर्ण आउट होने से उन्हें शुरुआती सफलता मिल गई। उस विकेट ने जीत के दरवाज़े खोल दिए। वहां से RCB के गेंदबाजों ने मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया। यह शुरू से लेकर अंत तक एक बेहतरीन प्रदर्शन था। गेंदबाजी, बल्लेबाजी, फील्डिंग - उस रात RCBके लिए सब कुछ एकदम सही रहा। वे सिर्फ जीते ही नहीं; उन्होंने एक बयान दिया है। नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की ज़रूरत होती है।'

रजत पाटीदार की पारी और कप्तानी पर कुंबले ने कहा, 'एक खिलाड़ी अपने साथियों का सम्मान तब कमाता है, जब वह बड़े मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है। रजत पाटीदार ने ठीक यही किया है। यह पहला क्वालिफायर आरसीबी के लिए बहुत बड़ा मैच था। पहला क्वालिफायर जीतकर सीधे फाइनल में पहुँचने से आपको बहुत बड़ा फायदा मिलता है। तीन या चार दिन का आराम खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से ठीक होने का मौका देता है।'

उन्होंने कहा, 'पहला क्वालिफायर जीतने का यही एक बड़ा फायदा है। रजत ने कप्तान के तौर पर शानदार काम किया है। लेकिन RCB की जो बात सबसे अलग है, वह यह है कि अलग-अलग मैचों में अलग-अलग खिलाड़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। हर मैच में, कोई नया खिलाड़ी 'मैन ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीतता है। पिछले सीजन में जब उन्होंने खिताब जीता था, तब भी ठीक यही हुआ था। जब हर कोई अपना योगदान

देता है, तो आप एक चैंपियन टीम बन जाते हैं। जीटी के खिलाफ इस मैच में, हर गेंदबाज ने विकेट लिए। किसी एक या दो खिलाड़ियों पर ही पूरी तरह निर्भरता नहीं थी। बल्लेबाजी जोरदार रही, गेंदबाज़ी अनुशासित थी, और फील्डिंग भी चुस्त थी। यह उस टीम की पहचान है, जो बड़े मैच जीतना जानती है।'

यूनिटी कप फुटबॉल में 27 मई को भारत का मुकाबला जमैका से होगा

लंदन । भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम आजकल यूनिटी कप 2026 में भाग लेने इंग्लैंड गयी हुई है। भारतीय टीम यहां अपना पहला मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 मई की रात को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से खेलेगी। ये 24 साल बाद पहला अवसर है जब भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इससे पहले आखिरी बार भारतीय फुटबॉल टीम ने साल 2002 में इंग्लैंड में मैच खेला था। ऐसे में इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। फीफा रैंकिंग में अभी भारतीय टीम 136वें स्थान पर है, जबकि जमैका 71वें स्थान पर है। वहीं, पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया और जिम्बाब्वे की टीमें टकरायेंगी। नाइजीरिया की टीम फीफा रैंकिंग में 26वें स्थान पर एक मजबूत दावेदार है, जबकि जिम्बाब्वे 130वें नंबर पर मौजूद है। इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमें तीसरे स्थान के लिए भी प्ले-ऑफ मैच खेलेंगी, जिससे सभी टीमों को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका मिलेगा। सभी मुकाबले लंदन के द वैली स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह इंग्लैंड में अपनी क्षमताओं को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्य कोच खालिद जमील की ये पहली परीक्षा होगी। इस टूर्नामेंट से पहले भारती टीम ने राष्ट्रीय कैंप में भी अभ्यास किया था।

नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए

जानी-मानी कोरियोग्राफर और रियलिटी शोज की जज गीता कपूर 6 जून से शुरू होने वाले रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में बतौर जज नजर आएंगी। इससे पहले बातचीत के दौरान गीता ने नए सीजन, रियलिटी शोज में आए बदलाव, सोशल मीडिया के असर और स्क्रिप्टेड कंटेंट को लेकर खुलकर अपनी राय रखी।

नए सीजन और पैनल की बात करते हुए गीता कपूर ने नए जज जावेद जाफरी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, 'इस बार पैनल का पूरा माहौल अलग है। चौथे जज के तौर पर जावेद जाफरी जुड़े हैं। उनके पास बहुत अनुभव है। डांस और फिल्ममेकिंग की गहरी समझ है। खास बात ये भी है कि मैं उनके साथ लगभग 35 साल पहले काम कर चुकी हूं, इसलिए उनके साथ बैठना भी अपने आप में नया अनुभव है।' शो में इस बार क्या अलग होने वाला है? इस पर गीता ने कहा, 'इस बार शो में बहुत ज्यादा रीमिक्स गाने नहीं होंगे। आप गानों को लगभग उनके असली रूप में सुनेंगे। पहले बॉलीवुड डांस में वेस्टर्न स्टाइल का तड़का लगाया जाता था, लेकिन इस बार बॉलीवुड डांस अपने असली अंदाज में नजर आएगा।'

नई पीढ़ी और इंडियन कल्चर पर बात करते हुए गीता कपूर ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने साल तक हमने दुनिया भर से इंस्पिरेशन लेकर बॉलीवुड गानों पर अलग-अलग डांस स्टाइल्स दिखाए। लेकिन कहीं न कहीं हम भूल गए कि हमारी अपनी संस्कृति और हमारे गानों में भी कितनी खूबसूरती है। आज की नई पीढ़ी बाहर की चीजों से बहुत प्रभावित है, इसलिए यह जरूरी है कि वे अपनी जड़ों और अपनी कल्चर से भी जुड़ी रहें।'

लोगों का अटेंशन स्पैन बहुत छोटा हो गया है

रियलिटी शोज में आए बदलावों पर बात करते हुए गीता कपूर ने कहा, 'सोशल मीडिया का असर बहुत ज्यादा बढ़ गया है। लोगों का अटेंशन स्पैन बहुत छोटा हो गया है। कुछ देखते ही लोग कह देते हैं कि ये तो देख लिया या अब बोर हो गए, कुछ और देखते हैं। पहले तीन-चार मिनट की परफॉर्मेंस लोगों को बांधकर रखती थी, लेकिन अब ऐसा करना मुश्किल हो गया है।'

रकुल प्रीत सिंह ने रिश्ते में धोखे पर रखी बात

रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक ठाक प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अभिनेत्री ने बेवफाई के मुद्दे पर अपनी राय रखी है।

रिश्तों के बारे में खुलकर बात करते हुए, एक्ट्रेस ने माना कि एक बार की गलती को कभी-कभी माफ किया जा सकता है। अभिनेत्री का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब जैकी भगनानी ने अपनी और रकुल प्रीत सिंह की शादी को सिचुएशनशिप बताया था।

रिश्ते में धोखा देना स्वीकार्य नहीं

हाल ही में रकुल प्रीत ने द बॉम्बे जर्नी के साथ बातचीत में उनसे पूछा गया कि क्या किसी रिश्ते में धोखा देना कभी स्वीकार्य हो सकता है, तो रकुल ने तुरंत नहीं में जवाब दिया।

बेवफाई पर बोली रकुल

इसके बाद, रकुल प्रीत ने कहा, 'यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि गलती कितनी बड़ी है। गलती की हद क्या है? रकुल ने आगे कहा 'अगर किसी से एक बार गलती हो जाती है, तो जिंदगी इतनी लंबी है कि एक गलती के लिए किसी को माफ न करना सही नहीं है। कृपया ध्यान दें। यह बात मेरे निजी रिश्ते पर लागू नहीं होती।' रकुल ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि अगर कोई माफ करता है, तो उसे आखिरकार उस गलती को भूलना ही पड़ता है।

जैकी भगनानी ने दिया था बयान

यह सब तब हुआ, जब कुछ दिन पहले ही रकुल और उनके पति जैकी भगनानी की निजी जिंदगी चर्चा का विषय बन गई थी। इसकी वजह जैकी का अपनी शादी को लेकर दिया गया सिचुएशनशिप वाला बयान था। बातचीत में जैकी ने कहा रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हम एक तरह की 'सिचुएशनशिप' में हैं। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। इसीलिए तो हमने शादी की है। सबसे जरूरी बात यह है कि मैं उनसे किसी भी चीज के बारे में बात कर सकता हूं।' रकुल ने शेयर किया वीडियो जैकी के इस बयान पर तुरंत प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कई लोगों ने इस बयान को गलत समझ लिया। बाद में रकुल ने एक मजाकिया वीडियो के जरिए इस मामले पर बात की। वीडियो में उन्होंने जैकी से कान पकड़वाए और मजाक में कहा, 'इसे कितनी बार बोला है कि हम मिलेनियल्स हैं, जेन जी बनने की कोई जरूरत नहीं है! बोला था ना?' जैकी उनके बगल में खड़े कान पकड़े हुए नजर आए। फिर वह मुस्कुराए और 'सॉरी' कहा।

खतरों के खिलाड़ी 15 डेब्यू होने के साथ-साथ रिटायरमेंट भी होगा

सोशल मीडिया पर छाए रहने वाले ओरी अब रियलिटी टीवी शो की दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। ओरी, रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी टीवी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में नजर आएंगे। उन्होंने मजाक में कि यह उनका डेब्यू होने के साथ-साथ रिटायरमेंट भी होगा। बातचीत में ओरी ने खुलकर अपनी तैयारियों और भावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने साफ कहा कि यह उनका पहला वास्तविक रियलिटी शो अनुभव होगा। ओरी ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैं एक 'रियलिटी शो वर्जिन' हूं। यह मेरा डेब्यू भी होगा और मेरा रिटायरमेंट भी।' उन्होंने बताया कि वह पहले बिग बॉस में सिर्फ एक दिन के लिए गए थे, इसलिए उसे वह रियलिटी शो का वास्तविक अनुभव नहीं मानते। ओरी ने अपनी तैयारी को लेकर एक दिलचस्प और चौंकाने वाला खुलासा भी किया। उन्होंने बताया कि शो की तैयारी के तौर पर उन्होंने 'बिकनी वैक्स' भी करवाया है। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं इसके लिए बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। मैं पैदाइशी ही ऐसा हूं। मैं इतना उत्साहित हूं कि मैंने बिकनी वैक्स भी करवा लिया। आप इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि मेरा उत्साह कितना है।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह दर्द सहन करने की उनकी परीक्षा थी, तो ओरी ने जवाब दिया, 'हां, यह इस बात की परीक्षा थी कि मैं कितना दर्द सहन कर सकता हूं। अब मुझे लगता है कि बिजली के झटकों से भी मुझे कोई तकलीफ नहीं होगी। अगर कोई स्विमिंग टास्क आया तो मैं आसानी से तैर लूंगा।' ओरी ने आगे कहा कि बहुत से लोग इस शो में अपने डर पर काबू पाने के लिए आते हैं, लेकिन उनके लिए यह शो यह जानने का मौका है कि क्या अब भी उन्हें किसी चीज से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी पहले ही काफी थकाने वाली रही है। अब यह शो बताएगा कि मेरे अंदर अभी भी कोई डर बचा है या नहीं। असली जवाब तो शो में ही मिलेगा।'

खतरों के खिलाड़ी शो मेरे दिल के बहुत करीब है

मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी एक बार फिर कलर्स टीवी के लोकप्रिय स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। उन्होंने दर्शकों के बीच शो को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए पोस्ट शेयर किया। निर्देशक रोहित शेट्टी ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'इस शो के होस्ट के तौर पर मेरा यह 10वां सीजन है और यह शो मेरे दिल के बहुत करीब है। इतने सालों से मुझे और इस शो को इतना प्यार देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 15 जल्द आ रहा है। बता दें कि इस सीजन की शूटिंग साउथ अफ्रीका के केपटाउन में शुरू हो चुकी है।

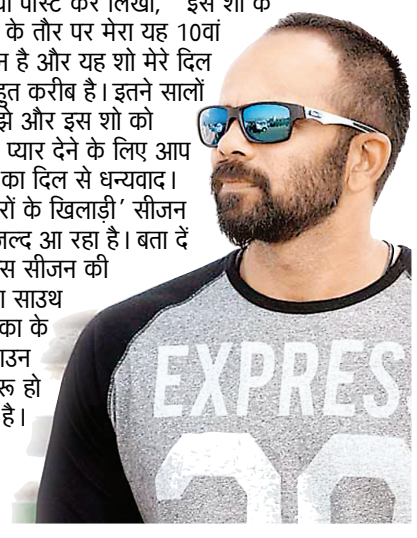

ईमानदारी से काम किया तो मुश्किलें अपने आप दूर हो जाती हैं

लोकप्रिय टीवी शो 'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रही अभिनेत्री अद्रिजा रॉय को उनके इस किरदार में काफी पसंद किया जा रहा है। इस बीच अभिनेत्री ने काम को लेकर अपने विचार प्रशंसकों के सामने रखी। अद्रिजा का स्पष्ट मानना है कि ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ अगर आप पूरी लगन से अपना काम करते हैं तो राह में आने वाली मुश्किलें और बाधाएं अपने आप दूर हो जाती हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अद्रिजा रॉय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीवी शो 'अनुपमा' में उनकी एंट्री के बावजूद वे हमेशा से जानती थीं कि यह शो रूपाली गांगुली के किरदार 'अनुपमा' के इर्द-गिर्द घूमता है। उन्होंने कहा, ''जब मुझे नई पीढ़ी के लीप के लिए संपर्क किया गया तो मैं बेहद उत्साहित थी। 'अनुपमा' अपने आप में एक ब्रांड है। इतने बड़े और सफल शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। मुझे जो भूमिका और जगह दी गई, उससे मैं पूरी तरह संतुष्ट और खुश हूं।'' वे मानती हैं कि सफलता की राह में चुनौतियां आती हैं, लेकिन सही मंशा और मेहनत के साथ हर मुश्किल आसान हो जाती है। उन्होंने बताया कि वह शोहरत, टीआरपी या रैंकिंग की बजाय अपने काम और परफॉर्मेंस पर पूरा ध्यान देती हैं। अद्रिजा ने बताया, ''मेरा हमेशा से मानना है कि ईमानदारी से अपना काम किया जाए तो राह में आने वाली मुश्किलें अपने आप ठीक हो जाती हैं। 'अभिनेत्री ने 'अनुपमा' के प्रोड्यूसर राजन शाही की तारीफ करते हुए कहा कि वह सेट पर हर एक्टर को यही सलाह देते हैं कि टीआरपी या रेटिंग के बारे में न सोचें, बस अपनी परफॉर्मेंस पर ध्यान दें। अद्रिजा भी इसी विचार से सहमत हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बाहरी दबाव या तनाव को ज्यादा प्रभावित नहीं होने देती। हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हूं।'' क्ट्रेस का यह भी मानना है कि उनमें और शो के उनके किरदार में कई समानताएं हैं। उन्होंने बताया, मुझमें और राही में निश्चित रूप से कई समानताएं हैं, खासकर सकारात्मक नजरिए से।

ऊपरवाला देता है तो छप्पर फाड़कर देता है

'छावा', 'निशानची', 'सुपर बॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके विनीत कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया- वो मेरे करियर की सबसे मुश्किल शूटिंग थी।

आग में तपकर ही सोना कुंदन बनता है। एक जमाने में विनीत कुमार ने चाहे जितना भी संघर्ष किया हो, मगर आज उन्हें अपने संघर्ष, मेहनत और प्रतिभा का फल मिल रहा है। बीता साल उनके लिए बहुत ही मुफीद रहा। पिछले साल उनकी 8 फिल्में रिलीज हुईं और उन फिल्मों में 'छावा', 'निशानची', 'सुपर बॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी फिल्मों में उन्हें खूब तारीफ भी मिली। इस साल वे चर्चा में हैं 'हैलो बच्चों' और 'मटका किंग' से।

विनीत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' की शूटिंग कर रहे हैं। सभी जानते हैं कि गर्मी ने पूरे देशभर में हाहाकार मचा कर रखा हुआ है और ग्वालियर में भी खूब पारा चढ़ा हुआ है। ऐसे में विनीत हीट को बीट करने के तमाम तरीके अपना रहे हैं।

वे कहते हैं, 'गर्मी के मारे तो हमारा बुरा हाल है। हाल ही में तापमान 44 डिग्री था, ऐसे में शूटिंग करना आसान नहीं होता। हां, बीच में एक दिन ईश्वर की कृपा से बारिश हो गई थी और कुछ ठंडक भी, मगर फिर वही गर्मी का प्रकोप। यहां सुबह और शाम अच्छी होती है, मगर दोपहर तो आग ही उगलती है। ऐसे में मैं देसी उपाय करता हूं। सत्तू को पानी में मिलाकर उसमें जीरा और नमक डाल कर उसे पीने से बॉडी में ठंडक बनी रहती है। दूसरा घरेलू उपाय है सब्जा। यह भी काफी फायदेमंद है। इसे पानी में भिगोकर रखने के बाद साथ में कैरी किया जा सकता है। ये दो-तीन घंटे तक चलता है। ये सारे नुस्खे मैं ही नहीं बल्कि मेरा स्टाफ भी आजमाता है। जाहिर-सी बात है कि मेरी टीम ही है, जो मेरे लिए इतनी भागदौड़ करती है।' शूटिंग के दौरान होने वाली भयंकर गर्मी का एक किस्सा याद करते हुए वे कहते हैं, 'हम लोग बनारस में मुक्केबाज की शूटिंग कर रहे थे गर्मी के मौसम में टेम्प्रेचर 47 डिग्री शूटिंग की बड़ी-बड़ी हैवी लाइट्स, मैं बॉक्सिंग रिंग में दस-दस घंटे फाइट्स लड़ता था। एक दिन तो मैं एक ऐसी फाइट लड़ रहा था, जो डिजाइन नहीं थी। वो रियल फाइट थी और मैं कह सकता हूं कि वो मेरे करियर की सबसे मुश्किल शूटिंग थी। उस दिन मैंने 5 फाइट्स लड़ी थीं। आज जब भी किसी मुश्किल वेदर कंडीशन में काम करता हूं,तो खुद को मुक्केबाज की शूटिंग की याद दिलाता हूं। उससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

बेटे के लिए दुनिया को बेहतर बनाना है

अपने फादरहुड के अहसास के बारे में वे कहते हैं, 'जब मैं पिता बना, तो मुझे अहसास हुआ कि हमारे माता-पिता ने हमारे लिए कितनी कुर्बानियां दी होंगी, अपनी कितनी ही रातों की नींद खराब की होगी। हर आवाज पर अलर्ट रहना पड़ा होगा। हालांकि मुझे पता हमेशा से था, मगर अहसास अब हुआ। अब लगता है कि दुनिया बेहतर होनी चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में मेरा बेटा उसी दुनिया में पलने वाला है। हालांकि वो अभी काफी छोटा है।'

मेरे रोल को धुरंधर का बड़ा साब कहा जा रहा है

वर्क फ्रंट पर तो विनीत कुछ ज्यादा ही मसरूफ हैं। वे कहते हैं, 'अभी मैं मध्य प्रदेश में फिल्म शक्ति शालिनी की शूटिंग कर रहा हूं। कहानी और किरदार के बारे में अभी ज्यादा नहीं बता पाऊंगा। मगर इतना जरूर कहूंगा कि छावा के बाद प्रॉडक्शन हाउस के साथ यह मेरा दूसरा काम है, जो मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस फिल्म के डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार हैं, और उनके साथ काम करने में बहुत मजा आ रहा है। हम लोग ग्वालियर और उसके आसपास की रियल लोकेशन्स पर शूट कर रहे हैं। काफी इंटीरियर्स में जाकर शूट हो रहा है, जिससे फिल्म में एक ऑथेंटिक फील आएगी।' हाल ही में विनीत वेब सीरीज मटका किंग में डॉन दाऊद के छोटे -से अपीयरेंस में भी सराहे गए। चर्चा है कि 'मटका किंग पार्ट 2' में उनका काफी लंबा-चौड़ा रोल है। वे कहते हैं, 'आगे का मैं कुछ खुलासा नहीं कर सकता, मगर हां इस सीरीज में मेरी भूमिका के बाद लोग मेरे रोल की तुलना 'धुरंधर' के बड़ा साब से जरूर करने लगे हैं। मैं बहुत खुश हूं, क्योंकि इस सीरीज से पहले मैं हैलो बच्चों में एक टीचर की भूमिका की थी।'

संक्षिप्त समाचार

रूबियो ने रूस के विदेश मंत्री से की बात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच सोमवार को फोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध, द्विपक्षीय संबंधों और ईरान की स्थिति पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि बातचीत का अनुरोध रूस की ओर से किया गया था। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार लावरोव ने कीव में यूक्रेनी सेना से जुड़े ठिकानों पर हमले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई रूस के अंदर नागरिक इलाकों पर हो रहे कथित हमलों के जवाब में की गई। लावरोव ने अमेरिका समेत अन्य देशों से कीव में मौजूद अपने राजनयिकों और नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने को भी कहा।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

अमेजन संरक्षण के लिए ब्राजील का बड़ा निवेश

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील सरकार ने अमेजन वर्षावन क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए 3.1 अरब रियाल यानी करीब 617.5 मिलियन डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। यह राशि इको इन्वेस्ट कार्यक्रम के तहत दी जाएगी, जिसका उद्देश्य जैव अर्थव्यवस्था, सतत पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। सरकार के अनुसार निजी और विदेशी निवेशकों की मदद से परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार का कहना है कि यह पहल 2050 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने और अमेजन में वनों की कटाई रोकने में मदद करेगी।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

पाकिस्तान के आयोग ने बढ़ती असुरक्षा पर दी गंभीर चेतावनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान में लगातार हमलों, अपहरणों व हिंसक घटनाओं से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताई। उसने सोमवार को गंभीर चेतावनी दी कि यदि देश में बढ़ रहे हमले शीघ्र नियंत्रित नहीं हुए तो पूरे देश में हालात बिगड़ेंगे। एचआरसीपी ने जोर देकर कहा कि संघर्ष के हालात में भी नागरिकों को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उसने कहा, नागरिकों और गैर-लड़ाकों को सौदेबाजी के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है।

जापान में कॉनबिनी साम्राज्य के संस्थापक सुजुकी का निधन

टोक्यो, एजेंसी। सेवन-इलेवन सुविधा स्टोर श्रृंखला के वैश्विक खुदरा साम्राज्य की स्थापना का श्रेय पाने वाले जापानी व्यवसायी तोशिफुमी सुजुकी का 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। सुजुकी ने जापान में 7-इलेवन के उन सर्वव्यापी कॉनबिनी आउटलेट्स का संचालन करने वाली इकाई की स्थापना की, जहां व्यस्त लोग सैंडविच, राइस बॉल, पेय पदार्थ, चिप्स और अन्य भोजन खरीद सकते हैं, एटीएम का उपयोग कर सकते हैं और बिजली के बिलों का भुगतान कर सकते हैं।

अमेरिकी सेना का दक्षिणी ईरान पर बड़ा हमला, होर्मुज में माइंस बिछा रही नावों को किया तबाह

तेहरान, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक बहुत बड़ा और खतरनाक सैन्य टकराव देखने को मिला है। अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान के कई अहम सैन्य ठिकानों पर अचानक बहुत भारी हवाई हमले किए हैं। इन बड़े हमलों से पूरे इलाके में एक बार फिर से भयंकर युद्ध भड़कने की गहरी आशंका पैदा हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अपनी इस बहुत बड़ी और अहम सैन्य कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

इस कड़ी कार्रवाई का मुख्य कारण होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी सेना द्वारा पैदा किया जा रहा भारी खतरा था। अमेरिकी सैनिकों और वहां मौजूद युद्धपोतों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बहुत कड़ा कदम उठाया गया है। अमेरिका का साफ कहना है कि वह सीजफायर के बीच संयम बरत रहा है लेकिन आत्मरक्षा सर्वोपरि है। इस अचानक हुए बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़े संकट और गहरी चिंता में डाल दिया है।

माइंस बिछा रही नावें तबाह : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार होर्मुज में दो ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नावों को माइंस बिछाते देखा गया था। इस भारी खतरे को देखते हुए अमेरिकी नौसेना और वायुसेना ने तुरंत एक संयुक्त और कड़ा जवाबी हमला किया। इस अचूक और तेज कार्रवाई में दोनों ईरानी नावों को मौके पर ही पूरी तरह तबाह कर दिया गया। अमेरिकी सेना का यह खतरनाक हमला केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक ही

बिल्कुल सीमित नहीं रहा। सेना ने बंदर अब्बास क्षेत्र में मौजूद एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया। इस ईरानी मिसाइल साइट ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों को अपना निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की थी।

मिसाइल लॉन्चर को किया तबाह : अमेरिकी सेना ने मिसाइल लॉन्चर और वहां मौजूद सभी संबंधित सैन्य ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर दिया। ईरानी मीडिया ने भी बंदर अब्बास, सीरिक और जास्क के पास भारी धमाकों की स्पष्ट पुष्टि की है। यह सभी इलाके रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट के बहुत ही ज्यादा करीब मौजूद हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने अपने इस घातक हमले को बहुत ही सीमित दायरे में रखा है। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान के साथ जारी इस बड़े संघर्ष को और ज्यादा बिल्कुल नहीं बढ़ाना था। अधिकारियों ने साफ कहा है कि इस कार्रवाई का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा युद्धविराम पूरी तरह खत्म हो गया है।

तेल निर्यात पर बड़ा खतरा : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यात मार्गों में से एक बहुत ही अहम और खास समुद्री रास्ता है। इस संवेदनशील इलाके में तनाव बढ़ने से वैश्विक तेल सप्लाई चेन पर बहुत बड़ा और गंभीर असर पड़ सकता है। फिलहाल यह सैन्य कार्रवाई समाप्त हो चुकी है लेकिन अमेरिकी बल वहां अपनी पूरी सतर्कता बनाए हुए हैं।

अब्राहम अकॉर्ड पर टिके ट्रंप : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान के साथ शांति वार्ता अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान अपने सर्वोच्च नेता से परामर्श के लिए जिस जटिल संचार नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा है, उसके चलते अंतिम फैसले में कुछ समय लग सकता है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थता कर रहे देशों को अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने चाहिए, जो इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है। उन्होंने कहा कि ईरान का इस समझौते पर हस्ताक्षर करना सम्मान की बात होगी।

पांच मुस्लिम देशों पर ट्रंप का दबाव : ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका की ओर से इस बेहद जटिल पहेली को सुलझाने के लिए किए गए सभी प्रयासों के बाद, इन सभी देशों के लिए यह अनिवार्य होना चाहिए कि वे कम से कम अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करें।' हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर एक-दो देश के पास ऐसा न करने का कोई कारण हो तो इसे स्वीकार किया जा सकता है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के मध्यस्थों में से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन पहले ही अब्राहम समझौते पर दस्तखत कर चुके हैं। ट्रंप चाहते हैं कि सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन भी इस समझौते पर हस्ताक्षर करें। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई एक अज्ञात स्थान से काम कर रहे हैं।

लेबनान पर इस्राइल का हमला: हिजबुल्ला के 70 ठिकानों पर बमबारी, सीमाई इलाकों में स्कूल बंद, सात लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान की सीमा पर चल रही लड़ाई अब बहुत खतरनाक हो गई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश के बाद इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इस्राइल की वायुसेना ने ताबड़तोड़ हमले करके हिजबुल्ला के 70 से ज्यादा ठिकानों को तबाह कर दिया है। इन हमलों में करीब 85 बमों और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। दूसरी तरफ, लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एएनए के मुताबिक, इस्राइल के इन हमलों में सात लोगों की मौत हो गई है।

टायर और बेका घाटी में भारी बमबारी : इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने लेबनान के टायर इलाके में हिजबुल्ला के 10 कमांड सेंटर, हथियारों के गोदाम और दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया है। सेना ने यह भी दावा किया कि मोटरसाइकिल पर जा रहे हिजबुल्ला के लड़ाकों को भी मार गिराया गया है। इसके अलावा, इस्राइली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की बेका घाटी और कई दूसरे इलाकों में बने हिजबुल्ला के ठिकानों पर भी भारी बम बरसाए हैं।

मश्घरा और कौथारियत में मलबे से निकले शव : लेबनान से आ रही खबरों के मुताबिक, इस्राइल के इन हवाई हमलों से वहां भारी नुकसान हुआ है। मश्घरा नाम के इलाके में हुए हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यहां बमबारी से घर टूट गए, जिसके बाद बचाव दल के लोगों ने मलबे के नीचे से शवों और घायलों को बाहर निकाला। इसी तरह कौथारियत अल-सियाद में हुए एक और हमले में दो लोगों की जान चली गई और दो लोग घायल हो गए। हिजबुल्ला की तरफ से होने वाले पलटवार और ड्रोन हमलों को देखते हुए इस्राइल ने अपने उत्तरी बॉर्डर वाले इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इस्राइल के होम फ्रंट कमांड ने मंगलवार से नई पाबंदियां लगा दी हैं।

लाओस की गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी

वियनतियाने , एजेंसी। लाओस के शाइसोंबून प्रांत में पिछले सप्ताह से गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया गया है। ये ग्रामीण 19 मई को सोने की तलाश में गुफा में गए थे, तभी भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। एक व्यक्ति समय रहते बाहर निकल आया और उसने अधिकारियों को सूचना दी। लाओस और थाईलैंड की संयुक्त रेस्क्यू टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। गोताखोर पानी से भरे संकरे रास्तों से होकर अंदर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल गुफा में फंसे लोगों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

पाकिस्तान: दो बसें आपस में टकराईं, 17 लोगों की मौत : मर्दान , एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी मर्दान जिले में स्वात एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में

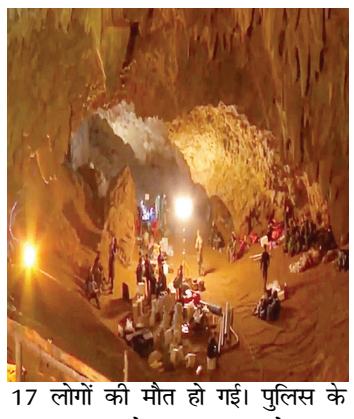

17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़ी दूसरी बस को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोग घायल भी हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। मृतक मुख्य रूप से अपर दीर और बाजौर जिलों के रहने वाले थे और स्वात घाटी जा रहे थे। बचाव दल मौके पर राहत कार्यों में जुटा है और मृतकों की पहचान की जा रही है।

रूस ने यूक्रेन को दी बड़े हमले की चेतावनी, कीव पर हमले का खतरा, नागरिकों से शहर छोड़ने की अपील

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से जारी युद्ध अब एक और भी ज्यादा भयंकर मोड़ पर पहुंच गया है। स्टारोबिस्क में हुए घातक ड्रोन हमले के बाद रूस बुरी तरह से भड़क गया है। इस खतरनाक हमले में 18 लोगों की जान जाने और 42 अन्य के घायल होने के बाद रूस ने कीव पर बड़े हमले की धमकी दी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन की राजधानी कीव में रक्षा ढांचे पर लगातार और बहुत ही व्यवस्थित हमले करने की खुली चेतावनी दी है। इस बड़ी सैन्य धमकी के साथ ही मॉस्को ने विदेशी और स्थानीय नागरिकों के लिए एक बहुत सख्त सलाह भी जारी की है। रूस ने सभी राजनयिकों, विदेशी नागरिकों और आम लोगों को जल्द से जल्द कीव शहर खाली करने का सीधा आदेश दिया है। इसके साथ ही लोगों को जेलेंस्की शासन के सभी सैन्य और प्रशासनिक ढांचे की सुविधाओं

से बहुत दूर रहने की स्पष्ट चेतावनी दी गई है। यह अहम कदम भारी तबाही से लोगों की कीमती जान बचाने के लिए उठाया गया है।

ड्रोन निर्माण केंद्रों पर निशाना : रूसी सशस्त्र बल अब कीव में मौजूद उन सभी यूक्रेनी रक्षा उद्यमों पर अपना सीधा निशाना साधने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। इनमें विशेष रूप से वे महत्वपूर्ण सुविधाएं शामिल हैं जहां घातक ड्रोन डिजाइन और तेजी से प्रोग्राम किए जाते हैं। नाटो विशेषज्ञों की सीधी मदद से संचालित होने वाले इन सभी केंद्रों और ठिकानों को पूरी तरह से तबाह करने की सख्त योजना है।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस बड़े और भयंकर हमले से पहले अमेरिकी विदेश सचिव को इसकी पूरी आधिकारिक जानकारी दे दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि रूसी क्षेत्र पर नागरिकों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ कीव के हमलों का यह एक कड़ा जवाब है। यूक्रेनी सेना की सभी बड़ी जरूरतों को पूरा करने वाले केंद्रों और फैसला लेने वाले संस्थानों पर अब लगातार भारी बमबारी की जाएगी।

यूक्रेन की वायु रक्षा में भारी कमी : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले के इस बड़े खतरे के बीच अपनी वायु रक्षा प्रणाली की भारी कमी का स्पष्ट रूप से जिक्र किया है। उन्होंने माना कि ईरान युद्ध के कारण पूरी दुनिया में एंटी-बैलिस्टिक क्षमताओं की भारी और लगातार कमी बनी हुई है। यूक्रेन अब इस बड़ी कमी को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए अपने सभी यूरोपीय और अमेरिकी सहयोगियों के साथ बहुत तेजी से काम कर रहा है। बीते कुछ महीनों में कीव ने अपनी ड्रोन युद्ध क्षमता को बहुत ज्यादा बढ़ाकर रूसी ठिकानों को भारी और अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन ने रूस के अहम ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कई बहुत सफल और बड़े हमले लगातार किए हैं जिससे वहां काफी ज्यादा तबाही मची है। रूस ने यूक्रेन के इन सभी घातक हमलों को सीधा आतंकवाद करार दिया है और अब कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमलों से अपना कड़ा जवाब दे रहा है।

सेनेगल को मिला नया प्रधानमंत्री

डकार , एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने अहमादू अल अमीनू लो को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री उस्मान सोनको को हटाए जाने के बाद यह फैसला लिया। सोनको और राष्ट्रपति फाये के बीच पिछले कई महीनों से नीतिगत मतभेद बढ़ रहे थे, खासकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज वार्ता को लेकर। लो इससे पहले पश्चिम अफ्रीकी केंद्रीय बैंक में वरिष्ठ पद पर कार्य कर चुके हैं। नई सरकार ऐसे समय में बन रही है जब सेनेगल आर्थिक संकट और सत्तारूढ़ पार्टी के अंदरूनी विवादों से जूझ रहा है।

अपनी नियुक्ति के बाद राजकीय टेलीविजन पर बोलते हुए, नए प्रधानमंत्री अहमदौ लो ने कहा कि सेनेगल की वित्तीय कठिनाइयों के बीच वह घरेलू व्यवसायों और विदेशी निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश वर्तमान में एक कठिन दौर से गुजर रहा है, खासकर सार्वजनिक वित्त की स्थिति का अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। सेनेगल के नेता ने इस बात पर जोर दिया कि देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विदेशी निवेशकों की नजर में एक स्थिर, सुरक्षित और प्रतिष्ठित गंतव्य के रूप में अपनी छवि की रक्षा और उसे बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेगा। इससे पहले, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सेनेगल के लिए 1.8 अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम को निलंबित कर दिया था, क्योंकि यह पता चला था कि देश ने अपने सार्वजनिक ऋण की गलत जानकारी दी थी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, 2024 के अंत तक सेनेगल का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 132% तक पहुंच गया था। सेनेगल के पूर्व प्रधानमंत्री सोनको ने अनुमानित 13 अरब डॉलर के सार्वजनिक ऋण के पुनर्गठन की सेनेगल की योजना का विरोध किया है, उनका दावा है कि आईएमएफ इस पर दबाव डाल रहा है। वहीं, राष्ट्रपति बस्सिरू डियोमाये फे ने इस मामले पर बहुत कम बयान दिए हैं। राष्ट्रपति फेय ने 23 मई को सोनको को बर्खास्त कर दिया, यह कदम दोनों नेताओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का परिणाम माना जाता है, जो कभी करीबी राजनीतिक सहयोगी थे। मार्च में, सोनको ने चेतावनी दी थी कि यदि राष्ट्रपति फेय पार्टी की दिशा से विचलित होती हैं, तो वे संसद में बहुमत रखने वाली सत्तारूढ़ पेस्टेफ पार्टी को विपक्ष में ले जा सकते हैं। इससे आईएमएफ समर्थन बहाल करने के लिए आवश्यक सुधारों को लागू करने की सरकार की क्षमता पर चिंताएं बढ़ गईं। अपनी नई भूमिका में अपने पहले बयान में, प्रधान मंत्री लो ने इस बात की पुष्टि की कि उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति फेय के नेतृत्व में सेनेगल की सुधार के प्रति प्रतिबद्धता में बदलाव का संकेत नहीं देती है, बल्कि एक नए दृष्टिकोण को दर्शाती है जो नेता के दृष्टिकोण के साथ अधिक मेल खाता है।

श्री लो ने अपने पूर्ववर्ती उस्मान सोनको की भी प्रशंसा की और पिछली सरकार की उपलब्धियों को स्वीकार किया। उन्होंने विशेष रूप से पिछले वर्ष घोषित आर्थिक सुधार योजना का उल्लेख किया, जो विकास को गति देने के लिए घरेलू संसाधनों का लाभ उठाने और उन्हें जुटाने पर केंद्रित है।

एशिया से यूरोप तक गर्मी की मार: ब्रिटेन, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में लू का कहर; किस देश में कितना तापमान?

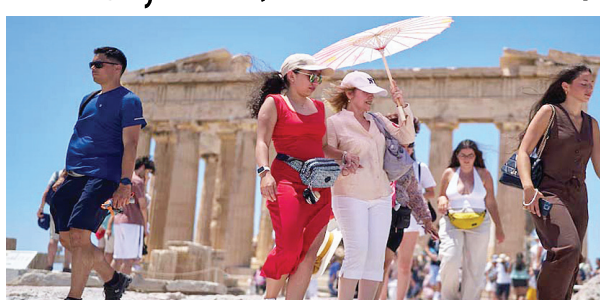

लंदन, एजेंसी। दुनिया इस समय भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान की चुनौती का सामना कर रही है। भारत में जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है, वहीं यूरोप, एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव अब पहले से ज्यादा खतरनाक, लंबी और जल्दी आने लगी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जो गर्मी पहले जून-जुलाई में देखने को मिलती थी, अब वह मई महीने में ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। कई देशों में स्कूलों, खेल आयोजनों और सार्वजनिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। कुछ जगहों पर मौतों और स्वास्थ्य संकट की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ब्रिटेन में गर्मी ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड : ब्रिटेन में मई महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। देश के मौसम विभाग के अनुसार लंदन के क्यू गार्डन्स में तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 1922 और 1944 के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी गर्मी आमतौर पर जुलाई या अगस्त में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार मई में ही लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग पार्कों, फव्वारों और स्विमिंग पूल का सहारा लेते नजर आए। फ्रांस में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। देश के 350 से ज्यादा शहरों में मई महीने के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं।

कई इलाकों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। सरकार ने कई क्षेत्रों में हाई टेम्परेचर अलर्ट जारी किया है और लोगों को दोपहर के समय घरों में रहने की सलाह दी गई है। पेरिस में एक रनिंग इवेंट के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अधिकारियों का मानना है कि तेज गर्मी इसका एक बड़ा कारण हो सकती है। स्पेन भी इस समय भीषण हीटवेव का सामना कर रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालात ऐसे हैं कि रात में भी तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा।

स्टारबक्स कोरिया के खिलाफ क्यों भड़का गुस्सा?, तीन बार सिर झुकाकर मांगी माफी; मालिक ने दी सफाई

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया के दिग्गज व्यापारी चुंग योंग-जिन ने मंगलवार को दो सप्ताह के भीतर अपना दूसरा माफीनामा जारी किया है। स्टारबक्स के स्थानीय संचालन को 1980 के दशक में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर हुए हिंसक सैन्य दमन के पीड़ितों का मजाक उड़ाने वाले एक हालिया मार्केटिंग अभियान के चलते भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। स्टारबक्स कोरिया में 67.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले शिनसेग ग्रुप के अध्यक्ष ने एक वीडियो वाले बयान के दौरान तीन बार सिर झुकाकर माफी मांगी। उन्होंने देश की पूर्व सैन्य तानाशाही द्वारा मारे गए लोकतंत्र कार्यकर्ताओं के परिवारों और आम जनता से क्षमा की याचना की।

18 मई के विद्रोह के अपमान का लगा आरोप : कॉफी चेन ने तब सार्वजनिक आक्रोश को भड़काया, जब उसने टैंक नामक एक बड़े आकार के टंबलर को बढ़ावा देने की कोशिश की। इसके साथ 18 मई को टैंक डे घोषित कर दिया। यह 18 मई को ग्वांगजू शहर में हुए एक लोकतांत्रिक विद्रोह की वर्षगांठ थी, जिसे सैनिकों, टैंकों और हेलीकॉप्टरों द्वारा क्रूरतापूर्वक दबा दिया गया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए या घायल हुए थे।

इस मार्केटिंग अभियान ने 'इसे मेज पर पटक दो!' नारे का इस्तेमाल करके आक्रोश को और बढ़ा दिया, जिसे कई लोगों ने 1987 के एक कुख्यात पुलिस बयान के संदर्भ के रूप में पढ़ा। पुलिस ने छात्र कार्यकर्ता पार्क जोंग-चोल की यातना से हुई मौत को छिपाने का प्रयास किया था। पुलिस का दावा था कि जांचकर्ताओं ने उन्हें 'मेज पर पटक कर मारा' था, जिसके बाद पार्क की अचानक मृत्यु हो गई।

स्टारबक्स कोरिया ने सीईओ को किया बर्खास्त : यह मार्केटिंग प्रचार तुरंत ही गुस्से का वजह बन गया और कुछ ही घंटों में शिनसेग ग्रुप ने इसे रद्द कर दिया। इसके साथ ही स्टारबक्स कोरिया के मुख्य

कार्यकारी अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया। ग्वांगजू में मारे गए लोगों के परिवारों द्वारा की गई शिकायतों के आधार पर पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है।

चुन ने मंगलवार को कहा, 'मैं इस तथ्य को बहुत गंभीरता से लेता हूं कि स्टारबक्स कोरिया के अनुपयुक्त मार्केटिंग अभियान के कारण कई लोगों ने गहरा दर्द और गुस्सा महसूस किया।' उन्होंने स्टारबक्स की दुकानों के कर्मचारियों पर अपना गुस्सा न निकालने का भी आग्रह किया, यह कहते हुए कि जिम्मेदारी प्रबंधन की है। दुकानों पर किसी बड़ी घटना की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी।

कंपनी ने जारी किया बयान : शिनसेग ग्रुप के एक वरिष्ठ कार्यकारी, जियोंग संग-जिन ने कहा कि कंपनी को अभी तक कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला है कि स्टारबक्स कोरिया के मार्केटिंग कर्मचारियों का इरादा लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का मजाक उड़ाना था। हालांकि कर्मचारियों ने इस आरोप से इनकार किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारियों ने एक सप्ताह की आंतरिक समीक्षा के दौरान प्रबंधन के स्मार्टफोन सौंपने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था। जियोंग ने कहा कि कंपनी पुलिस जांच के नतीजों को देखेगी और किसी भी कर्मचारी को, जिसका इरादा प्रदर्शनकारियों का उपहास करना पाया गया, उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा। मार्केटिंग अभियान से उपजे गुस्से ने बहिष्कार के लिए सार्वजनिक आह्वान को जन्म दिया है, जिसे सरकारी अधिकारियों ने भी बढ़ावा दिया। इनमें गृह और सुरक्षा मंत्री यूं हो-जंग भी शामिल हैं, जिन्होंने कहा कि स्टारबक्स उत्पादों का सरकारी कार्यक्रमों में उपयोग नहीं किया जाएगा और श्रृंखला के इतिहास विरोधी व्यवहार पर खेद जताया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.